जयपुर

मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 12 | वर्ष : 28 | अंक : 85

मिशन पत्रकारिता का प्रहरी

महानगर टाइम्स

facebook YouTube twitter

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

www.mahanagartimes.com

जयपुर, शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025

जयपुर, कोटा, दौसा, अलवर, उदयपुर एवं जोधपुर से एक साथ प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

दलाई लामा और संबित पात्रा को जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को अब जेड श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा मिलेगी। गृह मंत्रालय ने खुफिया विभाग (आईबी) की रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया है। लगभग 30 सीआरपीएफ कमांडो की एक टीम दलाई लामा को सुरक्षा प्रदान करेगी। इसके अलावा पुरी से सांसद संबित पात्रा को भी मणिपुर में जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। पात्रा मणिपुर में भाजपा के प्रभारी हैं। दलाई लामा को देश के सभी हिस्सों में सीआरपीएफ कमांडो के जेड-श्रेणी सुरक्षा कवर द्वारा सुरक्षित किया जाएगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की संभावना: ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनकी रूस और यूक्रेन के साथ बातचीत हुई है। उन्होंने इस युद्ध को बहुत खूनखराबे वाला कहा। ट्रंप ने सोशल ट्रूथ पर एक पोस्ट में कहा, 'रूस और यूक्रेन के साथ सकारात्मक बातचीत हुई। उस खतरनाक और खूनी युद्ध के खत्म होने की अच्छी संभावना है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अभी भी जारी है। यूक्रेनी वायु सेना ने बुधवार शाम जानकारी दी थी कि उसके ओडेसा और खार्किव क्षेत्रों में 185 ड्रोन से हमले किए गए, जिनमें से 85 को मार गिराया गया।

मशहूर शास्त्रीय गायक पं. प्रभाकर कारेकर का निधन

मुंबई। मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित प्रभाकर कारेकर का बुधवार रात निधन हो गया। वह 80 साल के थे। परिवार वालों ने बताया कि पंडित कारेकर ने मुंबई में शिवाजी पार्क स्थित अपने आवास पर ही अंतिम सांस ली। वह कुछ समय से बीमार थे। पंडित प्रभाकर कारेकर का पार्थिव शरीर दादर स्थित उनके घर पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। शाम 5 बजे दादर के श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। पंडित प्रभाकर कारेकर का जन्म 1944 में गोवा में हुआ था, लेकिन उन्होंने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा पं. सुरेश हल्दांकर, पं. जितेंद्र अभिषेकी और पं. सीआर व्यास से ली थी। पं. प्रभाकर बोलावा विठ्ठल पाहावा विठ्ठल और वक्रतुण्ड महाकाय जैसी रचनाओं के लिए जाने जाते थे।

सिरोही-जालोर में भूकंप के झटके, धरती हिली

आबूरोड/सिरोही। राजस्थान में गुरुवार शाम करीब 5.28 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र जालोर से करीब 85 किलोमीटर दूर निंबावास के पास जमीन से 10 किलोमीटर नीचे रहा। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 थी। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण कहीं पर भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जालोर और सिरोही जिले के इलाकों में करीब 3-4 सेकंड तक धरती कांपती रही। माउंट आबू, आबूरोड और रेवदर के साथ ही जालोर के रानीवाड़ा और जसवंतपुरा सहित सिरोही की सीमा से लगते गुजरात के कुछ क्षेत्रों में झटके महसूस होते ही लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए और एक-दूसरे को फोन कर जानकारी लेने लगे।

मणिपुर में लगा राष्ट्रपति शासन, 9 को सीएम ने दिया था इस्तीफा

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है। राज्य के सीएम एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दिया था, जिसके बाद राज्यपाल अजय भल्ला ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश की। विधानसभा को भी निलंबित कर दिया गया है।

गौरतलब है कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा के चलते बीरेन सिंह की लगातार आलोचना हो रही थी, जिसके बाद उन्होंने पिछले सप्ताह अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। गौरतलब है कि राज्य में 21 महीने (3 मई 2023) से जारी जातीय हिंसा के चलते 300 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं।

21 माह से जारी हिंसा में अब तक 300 से ज्यादा मौतें

राज्यपाल की अर्धसैनिक बल के अधिकारियों के साथ बैठक

इससे पहले मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और अर्धसैनिक बल के अधिकारियों ने गुरुवार को ही राजभवन में बैठक की। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की तैनाती और परिचालन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। बयान में कहा गया कि मणिपुर और नगालैंड सेक्टर के निवर्तमान महानिरीक्षक (सीआरपीएफ) डॉ. विपुल कुमार और नवनियुक्त महानिरीक्षक राजेंद्र नारायण दाश ने राज्यपाल से मुलाकात की। इसमें कहा गया, 'अधिकारियों ने राज्यपाल को क्षेत्र में सीआरपीएफ की तैनाती और परिचालन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।'

राष्ट्रपति शासन की अधिसूचना

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा करते हुए गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मानना है कि 'ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसमें इस राज्य की सरकार संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चल सकती। अब, संविधान के अनुच्छेद 356 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, मैं घोषणा करती हूं कि मैं भारत के राष्ट्रपति के रूप में मणिपुर राज्य सरकार के सभी कार्यों और इस राज्य के राज्यपाल द्वारा निहित या प्रयोग की जाने वाली सभी शक्तियों को अपने अधीन करती हूं। अधिसूचना में कहा गया है कि विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है।'

राजभवन में राज्यपाल से पात्रा की मुलाकात

इससे पहले संबित पात्रा के नेतृत्व में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की थी। राज्य विधानसभा के दो लगातार सत्रों के बीच अधिकतम छह महीने के अंतराल की समाप्ति पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'देखते हैं क्या होता है।'

किन परिस्थितियों में लगाया जाता है राष्ट्रपति शासन

- अगर चुनाव के बाद किसी पार्टी को बहुमत न मिला हो
- जिस पार्टी को बहुमत मिला हो, वह सरकार बनाने से इनकार कर दे और राज्यपाल को दूसरा कोई ऐसा दल नहीं मिले जो सरकार बनाने की स्थिति में हो
- राज्य सरकार विधानसभा में हार के बाद इस्तीफा दे दे और दूसरे दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हो
- राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के संवैधानिक निर्देशों का पालन ना किया हो
- कोई राज्य सरकार जान-बूझकर आंतरिक अशांति को बढ़ावा या जन्म दे रही हो
- राज्य सरकार अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वाह नहीं कर रही हो

लोकसभा में पारित होने के बाद संसदीय कमेटी के पास भेजा

नया आयकर विधेयक संसद में पेश पुराने और गैर जरूरी प्रावधान हटाए

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में नया आयकर विधेयक पेश किया। इस विधेयक के पेश होते ही सदन में विपक्ष के सांसदों ने जबरदस्त विरोध किया। माना जा रहा है कि नया विधेयक 1961 के आयकर अधिनियम की जटिल शब्दावली को कम करने और इसको आसान बनाने में मदद करेगा। संसद के पटल पर बिल के पेश होते ही विपक्ष के कुछ सदस्यों ने वॉकआउट कर दिया। कुछ सांसदों ने कई सवाल खड़े किए। कांग्रेस के मनीष तिवारी और आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि नया कर बिल वास्तव में पुराने से कहीं ज्यादा जटिल है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बिल को पेश करते हुए कहा कि मौजूदा कानून में 800 से ज्यादा धाराएं है, हालांकि, प्रस्तावित कानून में सिर्फ 536 धाराएं हैं। इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वित्त मंत्रालय ने कहा कि नई कर प्रणाली पांच मुख्य सिद्धांतों पर आधारित है। इन पांच सिद्धांतों में सुव्यवस्थित संरचना और भाषा, एकीकृत और संक्षिप्त, न्यूनतम मुकदमेबाजी, व्यावहारिक और पारदर्शी, सीखें और अनुकूलित करें तथा कुशल कर सुधार शामिल हैं। गौरतलब है कि नए विधेयक में पुराने और गैर जरूरी प्रावधान हटा दिए गए हैं। इससे कानून अधिक प्रासंगिक हो गया है। मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। इसे आम नागरिकों के समझने लायक बनाया गया है।

विपक्ष के सांसदों ने किया हंगामा

महानगर संवाददाता

इस विधेयक के पेश हो जाने के बाद सीतारमण के कार्यालय ने ट्वीट किया, 'नया आयकर विधेयक पेश किया गया है। विधेयक का उद्देश्य आज तक संशोधित मौजूदा कानून की भाषा को सरल बनाना है। विधेयक की (एक प्रति) हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। हमारे अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न उद्देश्यों और परिणामों के बारे में सामान्य प्रश्नों को संबोधित करते हैं।'

समिति नए कर प्रस्तावों की करेगी जांच

वित्त मंत्री ने इस बिल को लोकसभा में पेश किया। यहां पर विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया गया। हालांकि, विपक्ष ने इस बिल का जमकर विरोध किया। इसके बाद इस बिल को संसदीय समिति को भेज दिया गया है। ये समिति नए कर प्रस्तावों की जांच करेगी और यदि आवश्यक हो तो इसमें बदलाव करेगी। समिति की सिफारिशों के बाद इसे संसद में फिर से पेश किया जाएगा। माना जा रहा है कि समिति इस बिल पर 10 मार्च को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकती है। इस समिति का गठन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे।

क्या है नया आयकर विधेयक?

माना जा रहा है कि अगर ये बिल पास हो जाता है तो नया कानून 1 अप्रेल, 2026 से लागू होगा। हालांकि, यह मौजूदा कर स्लैब में कोई बदलाव नहीं करेगा। नए बिल में अब 'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' होगा। टैक्स ईयर भी 1 अप्रेल से 31 मार्च तक रहेगा, जैसे वित्त वर्ष होता है। वहीं, अगर कोई व्यवसाय बीच में शुरू होता है, तो उसका टैक्स ईयर उसी वित्त वर्ष में खत्म होगा। इसके साथ ही टीडीएस और प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन को टेबल फॉर्मेट में पेश किया गया है। इससे टैक्सपेयर्स को यह समझने में आसानी होगी कि उन्हें कितना टैक्स देना है।

पुराने अधिनियम को बदलने की तैयारी

ऐसे देखें तो नया विधेयक 1961 के अधिनियम को बदलने की कोशिश करता है। 1961 के अधिनियम की हमेशा से आलोचना होती आई है, क्योंकि पिछले 60 सालों में इसमें कई संशोधन किए गए। लोकसभा में वित्त मंत्री ने कहा कि आयकर अधिनियम मूल रूप से 1961 में अधिनियमित किया गया था और 1962 में लागू हुआ।

आयकर विधेयक 2025 में यह होगा बदलाव

	पहले	अब
धारा	298	536
अनुसूचि	14	16
अध्याय	23	23
पन्ने	880	622

नोटः नए कानून में 'टैक्स ईयर' और 'असेसमेंट ईयर' की जगह केवल 'कर वर्ष' का होगा इस्तेमाल

पीएम मोदी का अमेरिका में किया भव्य स्वागत

एनएसए वाल्ट्ज, एलन मस्क, विवेक रामास्वामी और तुलसी गबार्ड से की मुलाकात

विशेष संवाददाता

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से देर रात ढाई बजे व्हाइट हाउस में मुलाकात से पहले अमेरिका पहुंचे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार देर रात अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइक वाल्ट्ज, एलन मस्क, भारतवंशी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी और यूएस नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड से मुलाकात की।

इससे पहले पीएम मोदी दो दिनों की यात्रा पर गुरुवार सुबह 4.30 बजे अमेरिका पहुंचे। जहां वॉशिंगटन में जॉइंट बेस एंड्रयूज पर मोदी का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एयरपोर्ट पहुंचे थे। पीएम मोदी ने इनका अभिवादन किया।

इसके बाद पीएम मोदी ने गुरुवार रात करीब 9 बजे (भारतीय समयानुसार) अमेरिका के एनएसए माइक वाल्ट्ज से मुलाकात की। इस बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजित डोभाल भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी एलन मस्क से मिले। मस्क अपने परिवार के साथ ब्लेयर हाउस पहुंचे थे। मस्क ने पीएम मोदी को तोहफे में मेमेंटो (स्मृतिचिह्न) दिया। दोनों के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। मस्क से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने भारतवंशी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने अपने एक्स पर पोस्ट करके अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वॉल्ट्ज से मुलाकात की जानकारी दी। पीएम ने लिखा, 'एनएसए माइकल वॉल्ट्ज से सार्थक मुलाकात हुई। वे हमेशा से भारत के अच्छे दोस्त रहे हैं। डिफेंस, टेक्नोलॉजी और सुरक्षा भारत-अमेरिका के रिश्तों की अहम कड़ियां हैं और हमने इन मुद्दों पर बहुत अच्छी चर्चा की।' पीएम ने अमेरिका पहुंचकर सबसे पहले यूएस नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड से मुलाकात की।

वक्फ बिल पर जेपीसी रिपोर्ट संसद में पेश, हंगामा

खड़गे ने कहा- हमारी आपत्तियां डिलीट कीं

शाह बोले- जो चाहें जोड़ लें, मेरी पार्टी को आपत्ति नहीं

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन गुरुवार को संसद में वक्फ संशोधित बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पेश करने को लेकर हंगामा हुआ। राज्यसभा में बीजेपी सांसद मेधा कुलकर्णी ने तो लोकसभा में जेपीसी चेयरमैन और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने इस रिपोर्ट को पेश किया। इसे लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने आपत्ति जताई। इनका आरोप है कि जेपीसी रिपोर्ट में उनकी असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'जेपीसी की यह रिपोर्ट फर्जी है। इसमें विपक्ष की असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। ये असंवैधानिक है।' आप सांसद संजय सिंह ने कहा, 'हमने अपना पक्ष रखा। इससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन कूड़ेदान में कैसे डाल सकते हैं।'

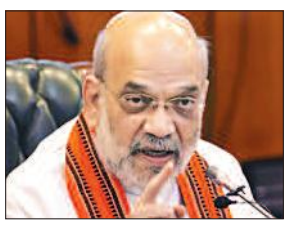

इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'विपक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई थी कि उनकी राय को इसमें नहीं जोड़ा गया। मैं कहना चाहता हूं कि विपक्ष के सदस्य संसदीय कार्य प्रणाली के तहत जो कुछ भी जोड़ना चाहते हैं, वो जोड़ सकते हैं। उनकी पार्टी को इसमें कोई भी आपत्ति नहीं है।'

समरावता आंदोलनकारियों से कहा, 'मेरे फोटो, वीडियो इस्तेमाल ना करें'

किरोड़ी ने कहा, 'मैं सरकार का हिस्सा हूं'

जयपुर (मसं.)। टेलिफोन टैपिंग प्रकरण में पार्टी के कारण बताओ नोटिस का सामना कर चुके कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने समरावता में आंदोलनकारियों से कहा है कि पोस्टर-बैनर आदि से उनका फोटो हटा दें, क्योंकि वे सरकार का हिस्सा हैं और इससे उन्हें समस्या हो सकती है।

किरोड़ीलाल मीणा ने गुरुवार रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा - 'मैं जनता के सहयोग के लिए तीन बार समरावता गया। जेल में आंदोलनकारियों से भी मिला। अब आंदोलनकारी विधानसभा का घेराव करने वाले हैं। कृपया इससे जुड़े पोस्टर-बैनर में मेरे फोटो और पुराने वीडियो आदि का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि मै सरकार का हिस्सा हूं, इससे मुझे समस्या खड़ी हो सकती है।' किरोड़ी की यह सोशल मीडिया पोस्ट पार्टी को भेजे कारण बताओ नोटिस के जवाब के अगले ही दिन आई है। नोटिस के जवाब के बारे में उन्होंने हालांकि कोई खुलासा नहीं किया था, लेकिन यह माना था कि जो गलती हुई, वह नोटिस में दी गई और इसका मैंने जवाब दे दिया है। वहीं अब उन्होंने साफ तौर पर स्वीकार किया है कि मैं सरकार का हिस्सा हूं। यानी किरोड़ी लाल मीणा पार्टी से किसी तरह के टकराव के मूड में नजर नहीं आ रहे हैं।

समृद्ध परम्परा

फ्रांस की प्रथम महिला को भेंट किया राजस्थान का टेबल मिरर

मोदी के राजनयिक तोहफों में दिखी देश की विरासत

महानगर संवाददाता

जयपुर। उपहार देना हमेशा से कूटनीति का एक प्रमुख अंग रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की इस समृद्ध परम्परा को अपनाते हुए राजनयिक तोहफों के रूप में उत्कृष्ट शिल्प कौशल, सांस्कृतिक विरासत और गहरे प्रतीकात्मक महत्व वाले उपहारों का सावधानीपूर्वक चयन किया है। ये उपहार देश के उद्योगों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं और इससे स्थानीय शिल्प कौशल और व्यवसायों को व्यापक मान्यता मिली है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद से ही मोदी ने महत्वपूर्ण संदेश देने के लिए राजनयिक उपहारों का उपयोग किया है। जो चीज उन्हें अलग करती है, वह है दो प्रमुख नवाचारों को एकीकृत करने की उनकी क्षमता। उपहार के लिए उनके चयन में-एक जिला, एक उत्पाद और वोकल फॉर लोकल का विशेष रूप से फोकस होता है। इस दृष्टिकोण के माध्यम से वह न केवल भारत की उत्कृष्ट शिल्पकला को दुनिया के सम्मुख रखते हैं, बल्कि स्थानीय उत्पादन को समर्थन देने के महत्व को भी मजबूती देते हैं।

प्रधानमंत्री ने फ्रांस में हुए एआई एक्शन समिट में हिस्सा लिया। अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के परिवार को सावधानीपूर्वक तैयार किए गए उपहार दिए। हर उपहार भारत की कलात्मक उत्कृष्टता, टिकाऊ शिल्प कौशल और पारंपरिक विरासत को प्रदर्शित करने वाला था।

ये दिए उपहार

राष्ट्रपति मैक्रों को भेंट देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पारंपरिक संगीतकारों को चित्रित करने वाली एक उत्कृष्ट डोकरा कलाकृति का चयन किया। डोकरा कला छत्तीसगढ़ की एक प्रसिद्ध धातु-ढलाई की परंपरा से जुड़ी है। लैंपिस लाजुली (नीले रंग का एक कीमती पत्थर) और मूंगा से सुसज्जित पीतल और तांबे की यह कलाकृति भारत की आदिवासी विरासत की जीवंतता का प्रतीक है।

वहीं फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों को उन्होंने हाथ से उकेरा गया चांदी का टेबल मिरर भेंट किया है। यह शीशा राजस्थान की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है। फूलों और मोर की आकृतियों से सुसज्जित शीशा सुंदरता, अनुग्रह और प्रकृति का प्रतीक है। सावधानीपूर्वक उकेरा गया और चमकदार पॉलिश किया गया यह शीशा कलात्मक विरासत है, जो पारंपरिक शिल्प कौशल को संरक्षित करने के लिए भारत के अनुराग का प्रतीक है।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति के बेटे इवान ब्लेन वेंस को भारतीय लोक चित्रों वाली एक जिग्सॉ पजल भेंट में दी गई। जिग्सॉ पजल में पश्चिम बंगाल की कालीघाट चित्रकला, पूर्वी भारत की संथाल पेंटिंग और बिहार की मधुबनी पेंटिंग शामिल हैं।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति के पुत्र विवेक वैंस के लिए लकड़ी का रेलवे खिलौना सेट चुना गया था जो पुरानी यादों को जोड़ता है और शिल्प कौशल के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूक करता है। हल्दी, चुकंदर, नील और नीम से हासिल किए गए पारंपरिक रंग, भारत की जैविक और हस्तनिर्मित खिलौनों की विरासत को उजागर करते हैं।

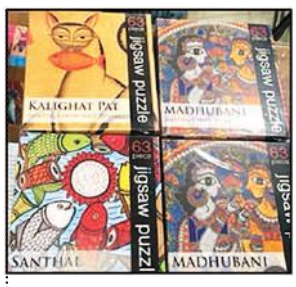

अमेरिका के उपराष्ट्रपति की बेटी मिराबेल रोज वेंस के लिए एक लकड़ी के वर्णमाला सेट का चयन किया गया था। यह भारत की हस्तनिर्मित लकड़ी के खिलौनों की दीर्घकालिक परंपरा को दर्शाता है। पहेलिया हल करने और संज्ञानात्मक विकास को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया, पर्यावरण-अनुकूल सेट हानिकारक रसायनों से मुक्त होने के साथ-साथ इंटरैक्टिव सीख को भी बढ़ावा देता है।

धरातल पर उतरने लगे 'राइजिंग राजस्थान' में हुए 1.66 लाख करोड़ के एमओयू

मुख्य सचिव ने की एमओयू क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा

महानगर संवाददाता

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के दौरान हस्ताक्षरित किए गए एमओयू क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने केवल दो महीने में ही 1.66 लाख करोड़ रुपए के एमओयू को क्रियान्वयन के स्तर पर लाने के लिए विभिन्न विभागों की सराहना की और अधिकारियों को निवेशकों के साथ नियमित रूप से संपर्क बनाए रखने का भी निर्देश दिया।

निवेशक इंटरफेस के शुभारंभ के लिए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव को बधाई देते हुए पंत ने कहा कि यह पहल राज्य में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और व्यापारिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पंत ने विभागीय सचिवों को निवेशकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के लिए कहा ताकि इन निवेश प्रस्तावों को सुचारु रूप से क्रियान्वित किया जा सके।

समीक्षा बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) की प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार उपस्थित रहे।

आयुक्त ने देखी शहर की सफाई व्यवस्था, दिए निर्देश

मालवीय नगर जोन, विद्याधर नगर जोन, झोटवाड़ा जोन एवं मुरलीपुरा जोन के विभिन्न स्थानों का किया निरीक्षण

महानगर संवाददाता

जयपुर। शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए केंद्र की टीम कभी भी शहर का दौरा कर सकती है। इसी कड़ी में दोनों निगमों के आयुक्तों ने मोर्चा संभाल लिया है। गुरुवार को ग्रेटर निगम आयुक्त रुकमणि रियाड़ ने 4 जोन क्षेत्रों का दौरा कर मौजूदा सफाई व्यवस्था देखी। आयुक्त ने मालवीय नगर जोन, विद्याधर नगर जोन, झोटवाड़ा जोन एवं मुरलीपुरा जोन के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने अपना दौरा टोंक रोड से शुरू किया जिसके बाद नारायण सिंह सर्किल, एसएमएस अस्पताल, रामबाग चौराहा सहित विभिन्न स्थानों से होते हुए सहकार मार्ग, बाईस गोदाम, अम्बाबाड़ी सर्किल से होते हुए झोटवाड़ा चौमूं पुलिया, क्वीन्स रोड, काटा पंखा आदि स्थानों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने अधिकारियों को जीवीपी पॉइन्ट एवं ओपन कचरा डिपो को हटाने, येलो एवं रेड स्पॉट को हटाने, जिन निर्माणाधीन बिल्डिंगों पर ग्रीन नेट नहीं हो, उन पर चालान करने की कारवाई करने, सब्जियों मंडियों की साफ-सफाई पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। जिसके बाद मालवीय नगर जोन उपायुक्त ने खुद लालकोठी सब्जी मण्डी पहुंचकर सड़क पर कचरा फैलाने वालों और सड़क किनारे अवैध रूप से थड़ी ठेले लगाने वाले दुकानदारों को समझाइश की।

आवारा पशुओं को देख जताई नाराजगी

आयुक्त ने सड़कों पर घूम रहे निराश्रित एवं बेसहारा पशुओं को देखकर नाराजगी जताई तथा मौके से उन्हें पकड़कर गौशाला भेजने के निर्देश दिए। इधर, उपायुक्त मानसरोवर जोन लक्ष्मीकांत कटारा ने भी मानसरोवर जोन सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जगतपुरा जोन उपायुक्त ममता नागर ने भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा आमजन को गीले व सूखे कचरे, होम कम्पोस्टिंग के बारे में समझाइश की।

निगम ग्रेटर ने हटाए अतिक्रमण, 7 केन्टर सामान जब्त

महानगर संवाददाता

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल, ट्रोमा सेन्टर एवं दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के बाहर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 7 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि दौरे के दौरान मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले, अन्यथा नगर निगम चालान या प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 : बगरू विधानसभा जगतपुरा जोन, नगर निगम ग्रेटर

वार्डों में सीवर लाइन की कमी, शहरी क्षेत्र में नियमित सफाई

जगतपुरा पुलिया के पास फुटकर व्यापारियों ने किया अतिक्रमण

सीवरेज, कचरा संग्रहण वाहनों के नियमित नहीं आने से बढ़ी समस्याएं

महानगर ग्राउंड रिपोर्ट V

महानगर संवाददाता

जयपुर। केन्द्र सरकार द्वारा सालाना कराए जाने वाला स्वच्छ सर्वेक्षण अब अपने अंतिम दौर में है। जयपुर की सफाई का सर्वेक्षण करने के लिए केंद्र की टीम इस सप्ताह के अंत तक शहर का दौरा करने वाली है। इसे लेकर शहर के दोनों नगर निगम मुस्तैद हो गए हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर शहर को अव्वल लाने की तैयारियों की पड़ताल को लेकर जयपुर महानगर टाइम्स द्वारा शुरू की गई जोनवाइज श्रृंखला के तहत गुरुवार को जयपुर नगर निगम ग्रेटर के जगतपुरा जोन के कुल 20 वार्डों में स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों को लेकर प्रस्तुत है एक रिपोर्ट...।

बगरू विधानसभा (जगतपुरा जोन): जयपुर नगर निगम ग्रेटर

जयपुर नगर निगम ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में आने वाले जगतपुरा जोन में कुल 20 वार्ड सम्मलित हैं। सत्ताधारी निगम बोर्ड के अलावा यहां राज्य की सत्ताधारी पार्टी से भाजपा के विधायक हैं। बगरु विधानसभा के अंतर्गत आने वाले जगतपुरा जोन में सबसे बड़ी समस्या सीवरेज को लेकर है। इसके अलावा भीतरी कॉलोनियों में नियमित सफाई हो रही है। जोन उपायुक्त ने पिछले एक सप्ताह के दौरान 10 से ज्यादा दौरे किए हैं, जिससे सफाई व्यवस्था में सुधार देखने को मिला है। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर यहां के भाजपा पार्षदों ने बताया कि पिछली बार से ज्यादा अच्छी रैकिंग के लिए वार्डों में मुख्य फोकस नियमित सफाई को लेकर है। ओपन कचरा डिपो हटाकर वहां स्थायी सफाई व्यवस्था शुरू की गई है।

जोन की बड़ी समस्याएं, जो बनी परेशानी

सड़कें खस्ताहाल

जगतपुरा जोन क्षेत्र विशेषकर सब्जी मंडी के पास अतिक्रमण के चलते लोगों को आवागमन में खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाम के समय यहां लगने वाली सब्जी मंडी से वाहनों को निकलने के लिए जगह नही मिलती है, जिससे घंटों जाम लगता है। दूसरी ओर, कई वार्डों में अवैध डेयरियों की शिकायत पर कार्रवाई ना होने से गौवंश खुले में विचरण कर रहे हैं। हालांकि मुख्य मार्गों से सटे वार्डों में नियमित सफाई हो रही है। जोन क्षेत्र के गेटोर, रेलवे लाइन के आस-पास व भीतरी कच्ची बस्तियों में सफाई का कार्य धीमा है। बारिश के पानी के चलते कई बार जलभराव की समस्या देखने को मिलती है। संबंधित वार्डों में जलभराव की समस्या को लेकर कई बार पार्षदों ने विरोध भी जताया।

उपलब्धि, जिससे मिली बड़ी राहत

जोन में कुल 20 वार्ड आते हैं। इनमें से लगभग 16 से ज्यादा वार्डों में सीवरेज का काम लगभग पूरा हो चुका है। लोगों का कहना है कि सीवरेज के बाद यहां सड़कों का काम शुरू होगा, जिससे काफी राहत मिलने की संभावना है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 को लेकर पार्षदों से बातचीत

कैलाश मीणा, पार्षद वार्ड 106

जगतपुरा जोन के वार्ड 106 के पार्षद कैलााश मीणा ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में जयपुर को अव्वल लाने के उद्देश्य पर मेरे वार्ड में अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं हो पाया है। मैंने स्वयं मेयर व हमारे विधायक को कई बार नियमित सफाई के लिए गुहार की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वार्डों में सफाई कर्मचारियों की संख्या कम होने से नियमित होने वाली सफाई सप्ताह में केवल एक या दो बार ही हो रही है। कई जगहों पर ओपन कचरा डिपो पनप चुके हैं।

रामकिशोर सोयल, पार्षद वार्ड 123

स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को लेकर वार्ड में की जाने वाली साफ सफाई को लेकर निगम जोन कार्यालय से पूरा सहयोग मिल रहा है। जोन उपायुक्त भी लगातार दौरें कर रहे हैं।

आमजन की राय

जगतपुरा जोन के वार्ड 108 के निवासी प्रदीप कुमार सोनी ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से सफाई कार्यों में तेजी देखने को मिली है। नियमित सफाई भी हो रही है। निगम प्रशासन यदि इस कार्य को आगे भी नियमित रखे, तो हमारा वार्ड स्वच्छता की मिसाल बन सकता है।

सब्जी मंडी रोड जगतपुरा निवासी नितेश कुमार ने बताया कि नियमित सफाई के अलावा अब यहां दिन में तीन बार सफाई के निरीक्षण के लिए कर्मचारी आते हैं, लेकिन कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ियां नियमित नहीं आ रही है, जिससे घरों में कचरा जमा हो जाता है।

बजट से देश के विकास और नागरिकों की समृद्धि की उम्मीद : भूपेंद्र यादव

महानगर संवाददाता

जयपुर/अलवर। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव गुरुवार को चैम्बर ऑफ कॉमर्स में आयोजित पीएनबी एमएसएमई एक्सपो 2025 में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने पीएनबी द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि बजट 2025-26 देश के 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल सरकारी खजाने को भरने तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की जेब भरने, उनकी बचत बढ़ाने और उन्हें देश के विकास में भागीदार बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने आगे कहा कि बजट में बचत, निवेश, खपत और विकास को प्राथमिकता दी गई है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों के लिए की गई घोषणाएं कृषि क्षेत्र और पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई क्रांति की नींव रखेंगी।

ज्योति कलश यात्रा का पूजा-अर्चना कर किया स्वागत

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने भरतपुर से अलवर पहुंची ज्योति कलश रथ यात्रा का गायत्री मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की खुशहाली की कामना की। साथ ही पुष्प चढाकर रथ यात्रा का जिले में प्रवेश करने पर स्वागत किया।

निगम वित्त समिति की बैठक में बजट स्वीकृति को लेकर रखा एजेंडा

महानगर संवाददाता

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के ई.सी. मीटिंग हॉल में गुरुवार को वित्त समिति अध्यक्ष शील धाभाई की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें नगर निगम ग्रेटर के संशोधित बजट वर्ष 2024-25 एवं बजट अनुमान वर्ष 2025-26 की स्वीकृति के संबंध में एजेंडा रखा गया। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष शील धाभाई ने कहा कि यह नगर निगम ग्रेटर के प्रथम बोर्ड का आखिरी बजट है जिसके लिए सर्वोत्तम प्रयास किए गए हैं। उद्यान शाखा, स्वास्थ्य शाखा, राजस्व शाखा, विद्युत शाखा सहित करीब 6 से भी अधिक शाखाओं के अधिकारियों, सदस्यों के साथ 5 से भी अधिक बैठक कर विस्तृत चर्चा की तथा विशलेषण करने के बाद ही बजट तैयार किया गया है। बैठक में चेयरमैन एवं पार्षद लक्ष्मण नूनीवाल, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, भंवर लाल मालाकार, सुमन गुप्ता राजवंशी, अक्षत खूंटेटा, रामबाबू रावत वित्तीय सलाहकार, उपायुक्त उद्यान, उपायुक्त स्वास्थ्य, राजस्व अधिकारी, अधीक्षण अभियंता सहित अधिकारी मौजूद रहे।

दरा में ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत, वैकल्पिक मार्ग की मरम्मत शुरू

अस्थायी मार्ग से डायवर्ट होंगे हल्के वाहन, ओवरटेक पर होगी सख्ती

महानगर संवाददाता

जयपुर/कोटा। दरा नाल क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन सक्रिय हो गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश के बाद सभी विभाग और एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं। बुधवार से ही इस पुराने मार्ग की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके शुरू होने के बाद हल्के वाहनों को इस मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा, जिससे मुख्य मार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा। वहीं, एक्सप्रेस से कोटा और जयपुर की ओर जाने वाले भारी वाहनों को रावतभाटा की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। दरा नाल के दोनों ओर 500 मीटर के दायरे में स्प्रिंग बैरियर्स लगाने का कार्य गुरुवार से शुरू किया जाएगा।

एन.एच.ए.आई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया कि बीते दिनों हुई बैठक में दरा नाल के पास से जा रहे रियासतकालीन मार्ग को पुनः शुरू करने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई थी।

दरा नाल में रियासतकालीन मार्ग को पुनः शुरू करने की कवायद तेज

दरा नाल क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान की दिशा में रियासतकालीन मार्ग को पुनः शुरू करने की कवायद अब तेज हो गई है। इसे लेकर गुरुवार को दरा नाल के तीसरे हिस्से को भी आवागमन के लिए तैयार कर लिया गया है। अब जल्द ही इसे वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम हो सकेगी।

युद्धस्तर पर लग रहे स्प्रिंग बैरियर्स : यातायात को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए दरा नाल के दोनों ओर 500 मीटर के दायरे में स्प्रिंग बैरियर्स लगाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू हो गया है। पीडब्ल्यूडी द्वारा इसका ट्रायल किया जा चुका है। इससे ओवरटेकिंग को रोका जा सकेगा, जो इस क्षेत्र में ट्रैफिक जाम का प्रमुख कारण है।

वेलेंटाइन डे नहीं स्कूली बच्चे मनाएंगे मातृ-पितृ पूजन दिवस

महानगर संवाददाता

जयपुर। पाश्चात्य संस्कृति के वेलेंटाइन डे पर जहां एक तरफ पूरा बाजार सजा हुआ है, वहीं प्रदेश के सरकारी स्कूल इसे मातृ-पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाएंगे और माता-पिता को एक पत्र लिख कर मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह करेंगे। प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद से वेलेंटाइन डे को प्रदेश के सरकारी स्कूलों में मातृ-पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है ताकि उन्हें वेलेंटाइन डे के नाम पर होने वाली फिजूल गतिविधियों से दूर रखा जा सके।

इसी के तहत इस बार स्कूलों में एक पाती मां और पिता के नाम गतिविधि का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत भविष्य के मतदाता यानी बच्चे अपने माता-पिता को एक पत्र लिखेंगे और इसके जरिए उनसे अपने मताधिकार का नैतिक उपयोग करने और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई डिजीटल सुविधाओं जैसे वीएचए एप, सक्षम एप, केवाईसी एप, सीविजिल एप आदि का उपयोग करने का आग्रह करेंगे।

फोन टैपिंग विवादः कांग्रेस-भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज

कांग्रेस ने सीएम को घेरा, भाजपा ने कहा- फोन टैपिंग कांग्रेस के कल्चर में

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रदेश में फोन टैपिंग विवाद ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया है। वहीं, कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रेसवार्ता करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को निशाने पर लिया। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय भी फोन टैपिंग के आरोप लगे थे, लेकिन मैंने विधानसभा में पूरी ईमानदारी से जवाब दिया था। अगर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पास वास्तविकता की जानकारी है, तो उन्हें भी सदन में आकर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। गहलोत ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष में रहते हुए भाजपा फोन टैपिंग का मुद्दा उठाती थी, लेकिन अब अपनी ही सरकार में चुप क्यों है?

गहलोत ने कहा कि गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म सदन के बाहर सफाई दे रहे हैं तो सदन के भीतर क्यों नहीं बोल रहे? इसका मुख्यमंत्री को जवाब देना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में फोन टैप करने की परंपरा नहीं है। इस बात की कानून भी अनुमति नहीं देता है।

पर्ची के बिना एक शब्द नहीं बोल सकते सीएम

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री वही बात कह सकते हैं, जो दिल्ली से पर्ची में लिखकर आती है। राज्यपाल के अभिभाषण पर सीएम ने घंटो तक भाषणा दिया, लेकिन फोन टैपिंग मामले पर एक शब्द भी नहीं बोला।

राजेंद्र राठौड़ का पलटवार, गहलोत पर साधा निशाना

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोलते हुए टेलीफोन टैपिंग मामले पर बड़ा बयान दिया। राठौड़ ने कहा कि

गहलोत सरकार के कार्यकाल में फोन टैपिंग जैसे षड्यंत्र रचे गए और इस मामले की सच्चाई गहलोत से बेहतर कोई नहीं जानता। राठौड़ ने कहा कि टेलीफोन टैपिंग पर संदेह जताना और बयान देना ऐसा है जैसे नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा की बातचीत के वीडियो मीडिया में मौजूद हैं और उनके ओएसडी ने खुद फोन टैपिंग पर इकबालिया बयान दिया था। राठौड़ ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी मुद्दाविहीन हो गई है और चाय के प्याले में तूफान खड़ा करने की कोशिश कर रही है।

मुझे लगता है कि किरोड़ी लाल मीणा इस पर स्पष्टीकरण दे चुके हैं। कम से कम राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत को उनके ओएसडी के कन्फेशन को देखना चाहिए। उनके ओएसडी ने जो न्यायालय में कन्फेशन किया है, उसके बाद इस तरह के बयान देना उचित नहीं।

-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री

फोन टैपिंग कांग्रेस पार्टी की परंपरा में है। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा खुद कह चुके है कि मेरा फोन टैप नहीं हुआ है, तो फिर सदन में जवाब देने की जरूरत क्यों?

-जवाहर सिंह बेढम, कैबिनेट मंत्री

टेली-मानस और ई-संजीवनी स्वास्थ्य सेवाएं आमजन को दे रही राहत : राठौड़

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में केंद्रीय राज्य मंत्री जाधव ने दी जानकारी

महानगर संवाददाता

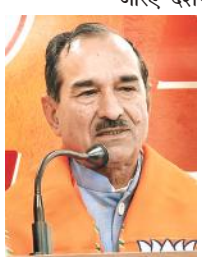

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरुवार को सदन में राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को लेकर सवाल लगाया, जिसके जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने जानकारी साझा की। राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की 2022 में शुरुआत की गई। इसके जरिए देशभर में 20 भाषाओं में 18 लाख से अधिक कॉल पर आमजन को सेवाएं दी गई। राठौड़ ने कहा कि देश के 36 राज्यों व संघ क्षेत्रों में 53 टेली मानसा प्रकोष्ठ की स्थापना भी की जा चुकी है।

राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार करते हुए टेली मानस सेवाओं के साथ ई-संजीवनी सेवा भी देशभर में शुरू की है।

अमृत स्टेशन योजना : 90 फीसदी से अधिक कार्य पूरा, अब यात्रियों को मिल सकेंगी बेहतर सुविधाएं

बिजयनगर स्टेशन की बदली तस्वीर... लुभा रहा हेरिटेज लुक

महानगर संवाददाता

जयपुर। भारतीय रेलवे की ओर से स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करने और स्टेशनों की बिल्डिंग को नया स्वरूप प्रदान करने की दिशा में त्वरित गति से काम किया जा रहा है। अमृत स्टेशन योजना के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे पर अजमेर मंडल के बिजयनगर स्टेशन सहित 77 स्टेशनों का लगभग 4 हजार करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है... पेश है ग्राउंड रिपोर्ट..।

अमृत स्टेशन योजना के तहत बिजयनगर स्टेशन पहुंचे तो देखने को मिला कि यहां किए जा रहे पुनर्विकास में स्थानीय कला को ध्यान में रखकर आधुनिकता का समावेश किया जा रहा है। अमृत स्टेशन योजना के तहत बिजयनगर स्टेशन पर 15.40 करोड़ रुपए से किए जा रहे पुनर्विकास के कार्य अंतिम चरण में हैं, जिसके मई तक पूरा होने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है।

दरअसल, बिजयनगर के पुराने स्टेशन भवन में सौंदर्य की कमी थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यहां पूरे स्टेशन भवन को जीर्णोद्धार द्वारा सुधारा गया है। अब स्टेशन भवन अधिक विशाल और यात्री अनुकूल है। पहले यहां सर्कुलेटिंग एरिया में वाहनों की आवाजाही के लिए सिंगल एंट्री और एग्जिट की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन अब एंट्री/एग्जिट और पार्किंग स्पेस में वृद्धि के माध्यम से इसमें सुधार किया गया है। इससे सर्कुलेटिंग एरिया में

नया

पुराना

वाहनों की आवाजाही में आसानी होगी और वाहनों का सही तरीके से आवागमन हो सकेगा। स्टेशन प्लेटफॉर्म की सतह को ऊपर उठाया गया है।

18 स्टेशनों पर 1374 करोड़ से पुनर्विकास

उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से गुरुवार को यहां मीडिया को जानकारी देते हुए बताया गया कि अजमेर मंडल में बिजयनगर सहित 18 स्टेशनों का 1374 करोड़ रुपए से पुनर्विकास कार्य जारी है। जिनमें सोजत रोड, मावली, राणाप्रताप नगर, पिंडवाड़ा, डूंगरपुर, मारवाड़ जंक्शन, फालना, कपासन, भीलवाड़ा, ब्यावर, सोमेसर, रानी, जंवाई बांध, फतेहनगर, आबू रोड़, अजमेर और उदयपुर सिटी स्टेशन शामिल है। अमृत स्टेशन योजना के तहत बिजयनगर स्टेशन पर 15.40 करोड़ रुपए से पुनर्विकास कार्य अंतिम चरण मे है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यहां बिजयनगर स्टेशन पर वरिष्ठ मंडल इंजीनियर शेर सिंह मीना, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर विजेंदर कुमार, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी कमल जोशी सहित कई रेल अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा करने वाले यात्रियों के लिए अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर प्रदान किए गए हैं, जिससे गर्मी और बारिश के मौसम में यात्रियों को सहूलियत मिलेगी। नए विशाल प्रतीक्षालय हॉल का निर्माण किया जा रहा है। बुकिंग सुविधा के साथ नए कॉनकोर्स का निर्माण किया गया है। उपयोगकर्ताओं को स्वच्छ और आरामदायक अनुभव प्रदान करने के लिए आधुनिक शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है।

एक नजर : बिजयनगर स्टेशन पर विकसित हो रही सुविधाओं पर...

- नए स्टेशन भवन का निर्माण।
- अलग प्रवेश और निकास द्वार के साथ सर्कुलेटिंग एरिया का विकास।
- ऑटो, दोपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए अलग पार्किंग। दोपहिया-चौपहिया वाहनों को मिलाकर करीब 250 की पार्किंग क्षमता।
- रेल यात्रियों को उतारने और चढ़ाने के लिए पोर्च का प्रावधान।
- प्रवेश हॉल का प्रावधान। महिला-पुरुषों के लिए बेहतर अलग प्रतीक्षा कक्षों का प्रावधान।
- स्टेशन पर 2 लिफ्ट और नए प्लेटफार्म शेल्टर।
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के साथ नए शौचालय ब्लॉक और पानी के बूथ। पेयजल के लिए पानी की टंकी का निर्माण।
- बेहतर साइनेज और प्लेटफार्म पर कोच इंडिकेशन बोर्ड।
- 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज(एफओबी) का प्रावधान।

स्टेशन भवन की यह भी खासियत

स्टेशन डिजाइन में मेहराब, जाली, कोटा स्टोन, लाल पत्थर को काम में लेते हुए राजस्थानी वास्तुकला और विरासत का ध्यान रखा गया है। जिसमें धौलपुर स्टोन से बाहरी आवरण, स्तंभ, छतरी, मेहराब स्पैन्ड्रेल बनाए गए हैं। जोधपुर पिंक स्टोन से पत्थर की रेलिंग, छतरी, प्लिंथ एज प्रोफाइल, पैरापेट पैनलिंग और रेड सैंड स्टोन से प्लिंथ, पट्टी प्रोफाइल, कपोला, हैंगिंग छज्जा और ब्रैकेट (टोडी), कॉलम आदि बनाए गए हैं।

मुख्य हॉल, सीढ़ी और राइजर, टिकटिंग विंडो और सर्विंग एरिया काउंटर टॉप आदि पर ग्रेनाइट स्टोन। बरामदा, ड्रॉप ऑफ, पोर्च, प्रशासनिक कार्यालय, प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल मेकोटा स्टोन, शौचालय की सतह और डेड दीवारों, कार्यालयों, रिजर्व लाउंज, खुदरा दुकानों के लिए फर्श टाइल्स का उपयोग किया गया है।

बिजयनगर रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिसके मई 2025 तक पूरा होने की संभावना है। पुनर्विकास कार्य पूरा होने के बाद स्टेशन आधुनिकता और दक्षता का प्रतीक बन जाएगा, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं में नए मानक स्थापित करेगा, साथ ही क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित करेगा।

- कैप्टन शशिकिरण, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर पश्चिम रेलवे

मुख्य भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। नई इमारत में बुकिंग शुरू हो गई है। प्लेटफॉर्म को ऊपर उठाना और प्लेटफॉर्म शेल्टर का काम पूरा हो गया है। सर्कुलेटिंग एरिया का विकास कार्य पूर्ण हो गया है। पाथ-वे और 12 मीटर चौड़े एफओबी का काम प्रगति पर है। दिव्यांगजनों के लिए रैम्प सहित अन्य सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

- अनूप कुमार शर्मा, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) अजमेर मंडल

स्टेशन पर लिफ्ट, एस्केलेटर, एग्जीक्यूटिव लांउज, वेटिंग रूम, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, कैफेटेरिया, पर्याप्त पार्किंग सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। अमृत स्टेशन पुनर्विकास योजना से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। स्वच्छ और आधुनिक रेलवे स्टेशनों से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास होगा।

- बीसीएस चौधरी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, अजमेर मंडल

इसलिए भी खास है बिजयनगर

बिजयनगर रेलवे स्टेशन की दिल्ली, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, कोलकाता, हैदराबाद, भोपाल, इंदौर, जम्मू, हरिद्वार, ऋषिकेश जैसे प्रमुख शहरों से सीधी रेल कनेक्टिविटी है। निकटतम हवाई अड्डा किशनगढ़ है, जो यहां से करीब 100 किलोमीटर दूर है। इसके अलावा इस स्टेशन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है, जो अजमेर की पूर्व रियासत का हिस्सा रहा है। बिजयनगर 6 लेन एक्सप्रेस-वे से जुड़ा हुआ है जो भारत के प्रमुख शहरों को जोड़ता है।

आरटीओ में पहली बार लॉटरी से निकलेगा परमिट!

भ्रष्टाचार पर लगाम : रूट नंबर-35 का मामला, गोनेर फाटक से विश्वकर्मा के यात्रियों को मिलेगी परिवहन सुविधा

महानगर संवाददाता

जयपुर। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में परिवहन विभाग की ओर से पहल की गई है। आरटीओ प्रथम कार्यालय की आरे से पहली बार राजधानी के रूट नंबर 35 के लिए जारी होने वाले परमिट इस बार लॉटरी से निकाले जाएंगे। वहीं, दूसरी ओर परमिट जारी होने से गोनेर फाटक से विश्वकर्मा जाने वाले यात्रियों को भी परिवहन की सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

दरअसल, प्रादेशिक परिवहन कार्यालय जयपुर प्रथम की ओर से जयपुर में रूट नंबर-35 के परमिट देने के लिए आवेदन मांगे गए थे। बताया जा रहा है कि यहां 20 परमिट के लिए करीब 100 आवेदन कार्यालय को प्राप्त हुए हैं। ऐसे में आरटीओ की ओर से पहल करते हुए पहली बार लॉटरी के जरिये परमिट जारी किए जाएंगे। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सकेगी और सभी कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न किया जा सकेगा। इसके लिए सभी आवेदकों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं।

40 किलोमीटर रूट के लोगों को सहूलियत

रूट नंबर-35 पर नए वाहनों को परमिट जारी होने से जयपुर के गोनेर फाटक से विश्वकर्मा रोड नंबर-17 तक यात्रा करने वाले लोगों को फायदा मिलेगा। इस रूट पर गोनेर फाटक से विश्वकर्मा रोड नंबर-17 रिको आवासीय योजना वाया सुखपुरिया, गौशाला, एयरपोर्ट सर्किल, दुर्गापुरा, ग्लास फैक्ट्री, रामबाग सर्किल, एसएमएस अस्पताल, अजमेरी गेट, अहिंसा सर्किल, गवर्नमेंट हॉस्टल, पोलोविक्ट्री, खासाकोठी, रेलवे स्टेशन, राममंदिर, पानीपेच तिराहा, चौमूं पुलिया, तिराहा, ढेहर के बालाजी, अल्का टॉकिज, विश्वकर्मा रोड नंबर 8 व 9, कुमावत रेस्टोरेन्ट और पाली केमीकल इण्डस्ट्री तक मार्ग शामिल है।

लापरवाह कार्मिकों पर हो रही कार्रवाई

आरटीओ प्रथम कार्यालय की ओर से ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। आरटीओ ने एमवीआई हरिसिंह मीणा को 17 सीसी का नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि पूरे महीने की फ्लाइंग ड्यूटी में केवल 33 चालान बनाए गए हैं। साथ ही, महीनेभर में करीब पचास हजार रुपए का सीएफ वसूला गया है। इसे अधिकारियों ने लापरवाही मानते हुए नोटिस थमाया है।

इसमें आवेदन की खामियों को दूर करने के लिए दो दिन का समय दिया गया है। 17 फरवरी को लॉटरी निकाली जाएगी। गौरतलब है कि परमिट जारी होने के दौरान कई बार अधिकारियों पर भ्रष्टाचार करने के आरोप लगते रहे हैं। उधर, इस संबंध में आरटीओ प्रथम राजेन्द्र सिंह शेखावत का कहना है कि रूट नंबर-35 पर करीब 20 परमिट जारी करने के स्कोप के चलते आवेदन मांगे गए थे। पात्र आवेदकों को ही लॉटरी प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

आईपीएल आयोजन को लेकर फिर बढ़ी तकरार

- **बीसीसीआई की मंजूरी बिना क्रीड़ा परिषद ने शुरू की तैयारियां**
- **एडहॉक कमेटी ने सीएम और खेल मंत्री को पत्र लिख जताई आपत्ति**

महानगर संवाददाता

जयपुर। आईपीएल-2025 के आगामी सीजन को लेकर राजस्थान क्रीड़ा परिषद और एडहॉक कमेटी के बीच तकरार खुलकर सामने आ गई है। जयपुर स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल 2025 के आयोजन की तैयारियों को लेकर दोनों पक्षों में तकरार बढ़ गई है। राजस्थान क्रीड़ा परिषद ने बिना बीसीसीआई की आधिकारिक अनुमति के स्टेडियम में तैयारियां शुरू कर दी हैं। परिषद ने स्टेडियम की पिच और अन्य सुविधाओं के रखरखाव का काम तेज कर दिया है।

हालांकि, एडहॉक कमेटी ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि बीसीसीआई ने आईपीएल के आयोजन की जिम्मेदारी आरसीए की एडहॉक कमेटी को सौंपी है। परिषद को स्टेडियम जल्द से जल्द उनके हवाले करना चाहिए। कमेटी ने कहा कि भले ही वर्तमान में क्रीड़ा परिषद के साथ मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) को आगे नहीं बढ़ाया हो, फिर भी वे शर्तों के साथ प्रति मैच 20 लाख रुपए क्रीड़ा परिषद को देने के लिए तैयार हैं।

एडहॉक कमेटी ने सीएम को लिखा पत्र

एडहॉक कमेटी ने आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री और खेल मंत्री को पत्र लिखकर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। पत्र में बताया है कि बीसीसीआई ने राजस्थान में आईपीएल के आयोजन की जिम्मेदारी आरसीए की एडहॉक कमेटी को सौंपी है, जिसका ई-मेल 8 फरवरी को बीसीसीआई से मिला है। पत्र में स्टेडियम को आरसीए को सौंपने की मांग की है। कमेटी ने परिषद के सचिव को भी पत्र लिखकर अवगत करवाया है।

अब नजरें बीसीसीआई पर

इस पूरे मामले में बीसीसीआई की भूमिका अहम मानी जा रही है। अंतिम निर्णय बीसीसीआई के पाले में है कि वह आयोजन की जिम्मेदारी किसे सौंपेगा। हालांकि बीसीसीआई ने अभी मैचों का शेड्यूल जारी नहीं किया है। ऐसे में अगर जल्दी समाधान नहीं हुआ तो जयपुर से आईपीएल के मैचों की मेजबानी छिनने तक की नौबत आ सकती है और जयपुर के क्रिकेट प्रेमियों को मायूसी झेलनी पड़ सकती है।

इन्होंने कहा...

शर्तों के साथ स्टेडियम सौंपने की मांग

बीसीसीआई की ओर से हमें स्पष्ट निर्देश मिले हैं कि आईपीएल की तैयारियों की जिम्मेदारी हमारे पास होगी। परिषद द्वारा बिना अनुमति के काम शुरू करना नियमों का उल्लंघन है। क्रीड़ा परिषद से तुरंत स्टेडियम हमें सौंपने की मांग की है। हमने पहले भी डॉमेस्टिक मैचों का सफल आयोजन किया है। तब परिषद ने क्यों जिम्मेदारी नहीं ली।

जयदीप बिहाणी, चेयरमैन एडहॉक कमेटी

क्रीड़ा परिषद अपनी जिम्मेदारी निभा रही, पत्र नहीं मिला है: नीरज के. पवन

राजस्थान क्रीड़ा परिषद चेयरमैन और आईएएस नीरज के. पवन ने एडहॉक कमेटी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि क्रीड़ा परिषद अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। उन्होंने कहा कि आईपीएल का टेंटेटिव शेड्यूल आ चुका है और इसे देखते हुए हमारी जिम्मेदारी बनती है कि सभी तैयारियां समय पर पूरी हों। सुरक्षा व्यवस्था से लेकर अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर काम शुरू कर दिया गया है। पिछली बार भी क्रीड़ा परिषद ने सफल आयोजन किया था। बीसीसीआई जो भी निर्णय लेगा, हम उसी के अनुरूप कार्य करेंगे। पवन ने यह भी कहा कि उन्हें अभी तक एडहॉक कमेटी की ओर से कोई पत्र नहीं मिला है। उन्होंने आरसीए द्वारा लगाए गए मनमानी के आरोपों को निराधार बताया।

पहले भी विवाद के बीच परिषद ने कराया था मैचों का आयोजन

पिछली बार भी आईपीएल के आयोजन को लेकर आरसीए और क्रीड़ा परिषद के बीच टकराव हुआ था। हालांकि, तब क्रीड़ा परिषद ने आयोजन का जिम्मा संभालते हुए मैचों को संपन्न कराया था। इस विवाद पर राजस्थान क्रीड़ा परिषद का कहना है कि स्टेडियम राज्य सरकार की संपत्ति है और हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसे हर बड़े आयोजन के लिए तैयार रखें।

जातिगत जनगणना सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए बेहद जरूरी : गहलोत

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जाति जनगणना करवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सिर्फ जाति तक सीमित नहीं जातिगत जनगणना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि दुनिया के अनेक विकसित और विकासशील देशों में सभी जरूरतमंद परिवारों को साप्ताहिक और मासिक तौर पर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत एक निश्चित राशि दी जाती है। भारत भी अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, परन्तु हमारे देश में ऐसी कोई स्थायी सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। इसीलिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं।

संविधान के अनुच्छेद 39 का उल्लेख

अशोक गहलोत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 39 में राज्य के नीति निर्देशक तत्व स्पष्ट कहते हैं कि सभी नागरिकों को, चाहे वे पुरुष हों या महिला, समान रूप से, आजीविका के पर्याप्त साधनों का अधिकार है एवं समाज के भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार वितरित किया जाए कि वह सर्वजन हिताय हो। इस देश में रहने वाला हर नागरिक टैक्स देता है। कुछ डायरेक्ट टैक्स (इनकम टैक्स) देते हैं और सभी इनडायरेक्ट टैक्स देते हैं। सरकार का काम उस टैक्स की कमाई को अलग-अलग वर्गों की जरूरत के मुताबिक समाज में बांटना है। यूपीए सरकार के दौरान खाद्य सुरक्षा योजना आने के बाद से ही पहले सामान्य तौर पर आने वाली भूख से मौत की खबरें आना बन्द हो गई हैं। चिरंजीवी योजना जैसी निशुल्क बीमा स्कीम और फ्री इलाज से उपचार के अभाव में मृत्यु कम हुई है।

केंद्र सरकार तय करें फार्मूला

गहलोत ने कहा कि भाजपा इसे केवल जातिगत जनगणना तक सीमित कर बताती है परन्तु इसमें जाति के साथ आर्थिक एवं सामाजिक पृष्टभूमि की भी जानकारी मिल सकेगी। इस प्रकार यदि सरकार के पास सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का उचित डाटा होगा तो पूरे देश के लिए एक सामाजिक सुरक्षा योजना बनाई जा सकती है। इसके बाद तथाकथित 'फ्रीबीज' कही जाने वाली योजनाएं चुनाव से पूर्व पार्टियों के घोषणापत्रों अथवा राज्य सरकारों के कार्यक्रमों में आना बन्द हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि अब समय आ चुका है कि केन्द्र सरकार सही डाटा इकट्ठा कर सभी राज्यों से चर्चा कर एक फॉर्मूला तय करे जिससे जरूरतमंद परिवारों को सहायता दी जा सके। पूरे देश में एक जैसी योजना होने पर समाज के समृद्ध वर्ग में यह भावना आनी भी बन्द हो जाएगी कि सरकारें टैक्स के पैसे को केवल गरीब वर्ग पर लुटा रही हैं।

'उपभोक्ताओं को सुगमता से मिले बिजली'

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने किया एईएन कार्यालयों का निरीक्षण

जयपुर (मसं)। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने गुरुवार को चाकसू, निवाई, टोंक ए-प्रथम तथा हिंडोली एईएन कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभियंताओं को निचले स्तर तक निगम की उपभोक्ता सेवाओं को सुगम और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए बिजली कनेक्शन, ट्रांसफार्मर बदलने, लोड बढ़ाने, बिजली बिल में सुधार और निर्बाध बिजली आपूर्ति जैसी आमजन से जुड़ी सेवाओं में कोई कोताही नहीं हो। इनका समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

डोगरा ने संबंधित 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रबी सीजन के अंतिम चरण सहित आगामी गर्मी में बिजली की संभावित डिमांड को देखते हुए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर, केबल, रोस्टर स्विच, आइसोलेटर, वीसी ब्रेकर जैसे लाइन मैटेरियल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, ट्रिपिंग की समस्या वाले फीडरों में उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाने को कहा। डोगरा ने इस दौरान एईएन कार्यालयों में भंडार शाखा, उपभोक्ता शाखा, राजस्व एवं बिलिंग तथा संस्थापन शाखाओं से संबधित कार्यों का निरीक्षण किया।

रोजगार सृजन | **'नया राजस्थान, बदलता राजस्थान, राइजिंग राजस्थान का सपना होगा साकार'**

निवेश बढ़ाने को योजनाबद्ध तरीके से हो रहा काम: भजनलाल

महानगर संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके लिए सरकार तथा निजी क्षेत्र द्वारा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। हम सभी के प्रयासों से 'नया राजस्थान, बदलता राजस्थान, राइजिंग राजस्थान' का सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री शर्मा गुरुवार को जयपुर शहर में एक होटल में जेनपैक्ट ग्लोबल मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेनपैक्ट के गठन के 20 वर्ष पूरे होने की बधाई देते हुए कहा कि जयपुर और जोधपुर में जेनपैक्ट में कार्यरत लगभग 8 हजार लोगों में से 90 प्रतिशत से अधिक स्थानीय हैं। यह पूरा इको-सिस्टम राज्य में रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में भी जेनपैक्ट ने निवेश कर हजारों लोगों को रोजगार देने की योजना बनाई है। इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन चिन्हीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए पूरा सहयोग कर रही है।

उद्यमियों के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ-साथ इन्विट एवं हैम जैसे मॉडलों के आधार पर बड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। हमने पहले ही वर्ष में आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने निवेशकों की सुविधा के लिए डेटा सेंटर नीति, एवीजीसी-एक्सआर नीति एवं राजस्थान निवेश प्रोत्साहन जैसी नई नीतियां जारी की हैं। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना के तहत सूचना प्रौद्योगिकी एवं इससे संबंधित सेक्टर को थ्रस्ट सेक्टर का दर्जा दिया गया है, जिससे राज्य में इस क्षेत्र में निवेश को और प्रोत्साहित किया जा सके।

राजस्थान में अपार संभावनाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है तथा यहां विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य सरकार ने भारत सरकार की विभिन्न कंपनियों के साथ 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि के निवेश के लिए एमओयू किए हैं। साथ ही, राज्य में पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार के साथ एमओए कर लगभग 10 हजार करोड़ रुपए के कार्यों के लिए कार्य आदेश भी जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में भू-जल के रिचार्ज को बढ़ाने के लिए अटल भू-जल योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान एवं कर्मभूमि से मातृभूमि जैसे कार्य मों के माध्यम से अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। जेनपैक्ट के सीईओ बी.के. कालरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में निवेश में अभूतपूर्व काम हो रहा है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट से निवेशकों के लिए राज्य में निवेश की नई राह खुली है। उन्होंने कंपनी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जेनपैक्ट वर्तमान में राज्य में हजारों युवाओं को रोजगार दे रही है तथा आगे भी प्रदेश के विकास में वे अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएंगे।

इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाने के लिए सरकार कटिबद्ध

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही पूंजीगत व्यय में 65 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश को और अधिक बढ़ाने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, सिस्को, अडोबी जैसी अनेक कम्पनियों से साझेदारी की गई है। इससे बड़ी संख्या में इच्छुक युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

'विद्यार्थियों के लिए सही विषय का चयन करना महत्वपूर्ण'

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुआ कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम

महानगर संवाददाता

नवलगढ़। ग्राम बाय के सेठ कालूराम हनुमान प्रसाद केड़िया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंट जयपुर चैप्टर सीएमए हरेंद्र कुमार पारीक रहे, जबकि अध्यक्षता व्याख्याता जितेंद्र सिंह निर्वाण ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि हरेंद्र पारीक ने विद्यार्थियों के लिए अपने बेहतर भविष्य का चयन करना सबसे महत्वपूर्ण विकल्पों में से एक बताया। विद्यार्थी जीवन में कॅरियर परामर्श व मार्गदर्शन का बहुत महत्व है। पारीक कहा कि कॅरियर अवेयरनेस कार्यक्रमों के तहत विद्यार्थियों को पेशेवर कोर्स की संभावनाओं व महत्व से अवगत करवाया जा रहा है, ताकि उनके समक्ष एक बेहतर भविष्य का विकल्प रखा जा सकें। उन्होंने कहा कि 12वीं कक्षा के बाद सीएमए, सीए, सीएस कोर्स को किया जा सकता है। कोर्स करने के उपरांत केंद्र व राज्य सरकार और गैर सरकारी व विदेशी कंपनियों में नौकरी लगने के बेहतर अवसर उपलब्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि इन कॅरियर अवेयरनेस कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के कॅरियर के अवसरों का मार्गदर्शन किया जा रहा है। कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह निर्माण, विजय कुमार सैनी, सुमन कुमारी, सुलोचना भास्कर, कमलेश कटारिया, विनोद लोहिया सहित विद्यालय का सभी स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन महेश मार्शल ने किया।

उन्नत तिलहन फसलों के उत्पादन तकनीक की दी जानकारी

महिला कृषि पर्यवेक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

महानगर संवाददाता

श्रीमाधोपुर। कृषि विज्ञान केंद्र अरनिया-श्रीमाधोपुर की ओर से आयोजित महिला कृषि पर्यवेक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गुरुवार को हुआ। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी व उद्यान वैज्ञानिक डॉ. महेश चौधरी ने देश की 9 प्रमुख तिलहनी फसलों के उत्पादन की स्थिति के बारे में जानकारी दी और बताया कि तिलहन फसलों के उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन प्रारंभ किया है, जिसका उद्देश्य घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना प खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। केंद्र के तिलहन फसलों के नॉडल अधिकारी डॉ. शंकर लाल कस्वां ने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय मिशन ऑन एडिबल ऑयल-वृक्ष जनित तिलहन के अंतर्गत कार्यालय संयुक्त निदेशक कृषि विभाग सीकर के सौजन्य से करवाया जा

रहा है, जिसमें जिले की 25 महिला कृषि पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान फसल के क्षेत्र विस्तार, मिट्टी जांच सहित तिलहन खेती पर विस्तार से बताया गया।

सहायक निदेशक कृषि रामचंद्र बाजिया ने तिलहन फसलों पर चर्चा करते हुए अन्य खाद्यान्न फसलों की तुलना में इनकी सार्थकता पर प्रकाश डाला। रामवतार मिश्रा ने तिलहन फसलों में जैविक तरीके से कीट व बीमारियों के नियंत्रण करने के तौर-तरीकों के बारे में बताया। कृषि अधिकारी मंजू मीणा व सहायक कृषि अधिकारी गोपाली देवी ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को सही तरीके से क्रियान्वित करने के तरीकों से अवगत करवाया। वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक छाजूराम जाट ने प्रगतिशील किसान सोहन लाल यादव के बीज उत्पादन फार्म का भ्रमण करवाया। अंत में डॉ. महेश चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सैलानियों ने देखी सुरक्षा बलों की वीरता और समर्पण दर्शाने वाली फिल्में

डेजर्ट फेस्टिवल में बीएसएफ के आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन

महानगर संवाददाता

जैसलमेर। स्वर्ण नगरी में आयोजित डेजर्ट फेस्टिवल के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पहली बार एक विशेष हथियार प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला कलेक्टर प्रताप सिंह नाथावत, विधायक छोटू सिंह भाटी, बीएसएफ डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौड़ व एसपी सुधीर चौधरी ने किया।

इस मौके पर डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रदर्शनी में बीएसएफ द्वारा उपयोग में लिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के आधुनिक हथियारों को प्रदर्शित किया गया, ताकि सैलानी व स्थानीय लोग देश की सुरक्षा में लगे सुरक्षा बलों की कार्यशैली और

उनके योगदान को समझ सकें। यह प्रदर्शनी बीएसएफ के उत्तर क्षेत्र के उप महानिरीक्षक योगेंद्र सिंह राठौड़ की प्रेरणा से आयोजित की गई थी।

इस प्रदर्शनी में सैलानियों को बीएसएफ द्वारा इस्तेमाल किए गए जाने वाले आधुनिक हथियारों का अवलोकन करने का अवसर मिला। साथ ही जवानों की वीरता और देश के प्रति उनके समर्पण को दर्शाने वाली फिल्में भी प्रदर्शित की गईं, जो दर्शकों को जवानों की कठिनाइयों व बलिदानों से परिचित कराती थीं। प्रदर्शनी में आए देसी व विदेशी सैलानियों ने बीएसएफ के जवानों द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके योगदान को सराहा। इसके अलावा उन्होंने बीएसएफ में भर्ती होने के विभिन्न रास्तों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस आयोजन ने भारतीय सेना और बीएसएफ के प्रति सम्मान और राष्ट्र प्रेम की भावना को मजबूत किया। बीएसएफ की यह पहल न केवल सुरक्षा बलों के कार्य करने के तरीके को उजागर करती है, बल्कि यह आम जनता को देश की सुरक्षा के महत्व और हमारे सुरक्षा बलों के महान कार्यों के प्रति जागरूक भी करती है।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुन दिए समाधान के निर्देश

महानगर संवाददाता

श्रीमाधोपुर। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने पंचायत समिति श्रीमाधोपुर की ग्राम पंचायत नांगल भीम में रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुन कर मौके पर ही अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर ने आमजन की प्राप्त 40 परिवेदनाओं को सुना और विभागीय अधिकारियों को त्वरित राहत प्रदान कराने के लिए निर्देशित किया। रात्रि चौपाल में जलदाय, चिकित्सा व स्वास्थ्य, विद्युत, शिक्षा, सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, कृषि विभाग और पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों को दी। रात्रि चौपाल में शिक्षा, विद्युत, पेयजल, सड़क, सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, पंचायती राज, रसद, पीडब्ल्यूडी सहित विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरण प्राप्त हुए, जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश जिला कलेक्टर ने दिए। रात्रि चौपाल में अतिरिक्त जिला कलेक्टर नीमकाथाना भागीरथ साख, उपखण्ड अधिकारी श्रीमाधोपुर अनिल कुमार सहित जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, ग्राम पंचायत नांगल भीम के प्रशासक महेंद्र कुमार, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

पंडित नरेंद्र कृष्णा का 'शिव-पार्वती संगम' का पहला ट्रैक जारी

महानगर संवाददाता

सुजानगढ़। सुजानगढ़ के निकट बिदासर में दिसंबर 1983 को जन्मे कत्थक नृत्य गुरु पंडित नरेन्द्र कृष्ण गंगानी ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है और भारत सहित विदेशों में कई स्थानों पर हजारों स्टेज शो किए हैं। वर्ष 2003 के बाद से नरेंद्र 'कृष्ण झंकर कत्थक केंद्र' के निदेशक हैं, जिनमें 2500 से अधिक छात्रों को कत्थक, तबला, हारमोनियम, गायन आदि की शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में पंडित नरेंद्र कृष्णा गंगानी ने स्पॉटिफाय, यूट्यूब, जियो सावन व अन्य स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों

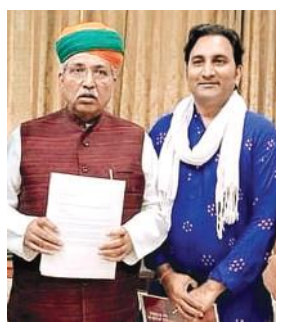

पर खुद द्वारा रचित अपना पहला ट्रैक 'शिव-पार्वती संगम' जारी किया है। इसे शिष्या वेदा नेरूरकर ने गाया है। पंडित नरेन्द्र कृष्ण के अदिति शाह, लेखनी खंडेलवाल, महिका गोयल जैसे कुछ शिष्य हैं, जो विदेश में रहते हैं और कत्थक की कला सीख रहे हैं।

'सरकार को दबाव में लाने के लिए जनता को आना होगा आगे'

सीकर संभाग और नीमकाथाना जिला बहाल करने की मांग को लेकर धरना जारी

महानगर संवाददाता

सीकर। सीकर संभाग और नीमकाथाना जिला बहाल करने की मांग को लेकर सीकर में कोर्ट परिसर के बाहर चल रहा वकीलों का क्रमिक अनशन व धरना गुरुवार को 11वें दिन भी जारी रहा। पूर्व पीसीसी चीफ चौधरी नारायण सिंह भी इस धरने में शामिल होने के लिए पहुंचे और करीब 2 घंटे तक वे धरने पर बैठे। धरने को संबोधित करते हुए नारायण सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो निर्णय किया है, उसे बदलवाने के लिए वकील धरने पर बैठे हैं, इन्हें जरूर इसमें सफलता मिलेगी, लेकिन इनके अकेले अगवानी करने और आंदोलन करने से काम नहीं चलेगा। आम आदमी भी इस आंदोलन से जुड़े और महसूस करें कि अन्याय

और कुठाराघात हुआ है। नेतृत्व तो वकीलों का रहेगा ही, लेकिन हम सबको साथ मिलकर सरकार के इस आदेश को निरस्त करवाना है। सिर्फ पांच आदमियों के बैठने से सरकार को दबाव में नहीं लिया जा सकता।

जब हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर आएंगे, तभी कुछ होगा, वरना आप लोग उम्मीद छोड़ दें कि वकील जो धरने पर बैठे हैं, उनसे सरकार अपना निर्णय बदलेगी। आम आदमी अन्याय सहन करता है तो वह सबसे बड़ा दोषी है। अगर इस भाजपा सरकार में आपके साथ अन्याय हुआ है और आप अन्याय सहन कर रहे हैं तो आप सबसे बड़े दोष के भागी हैं। इसलिए सब मिलकर काम करें और फैसला करें कि भाजपा सरकार का जो फैसला है, उसे बदलवाएं।

खिरोड़ को नगरपालिका बनाने की मांग को लेकर हुई सभा

महानगर संवाददाता

नवलगढ़। खिरोड़ में सर्वसमाज की एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित की गई, जिसमें खिरोड़ को नगरपालिका बनाने की मांग पर विस्तार से चर्चा हुई। इस सभा में बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे और सभी ने एकजुट होकर इस मांग का समर्थन किया। सभा की अगुवाई बीजेपी लीडर राजेश कटेवा ने की, जिन्होंने खिरोड़ के विकास के लिए इसे नगरपालिका का दर्जा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नगरपालिका बनने से गांव को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा और क्षेत्र का समग्र विकास संभव होगा। बैठक में विभिन्न वर्गों के लोगों ने भी अपने विचार रखे और सर्वसम्मति से सरकार से खिरोड़ को जल्द से जल्द नगरपालिका घोषित करने की मांग की। सभा में मौजूद ग्रामीणों ने इस उद्देश्य को लेकर आगे भी संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

'शेखावाटी में नवाचार व उद्यमिता के लिए श्रेष्ठ मंच'

स्पार्कअप इवेंट-2025 में चयनित प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किए अपने प्रोजेक्ट

महानगर संवाददाता

नवलगढ़। दी आनन्दीलाल पोदार ट्रस्ट की ओर से कस्बे में संचालित सेठ जीबी पोदार कॉलेज के डॉ. रामनाथ ए. पोदार सभागार में गुरुवार को कान्ति कुमार आर. पोदार इन्क्युबेशन सेंटर द्वारा स्पार्कअप इवेंट-2025 का आयोजन हुआ।

समारोह का शुभारम्भ उद्योगपति अनंत सिंघानिया, जेके एंटरप्राइजेज के सीईओ राज नायर, किंजल गजेरा के अतुल जोशी, राजीव के. पोदार, वेदांत आर. पोदार व रिषिका पोदार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। आनन्दीलाल पोदार ट्रस्ट के चेयरमैन राजीव पोदार ने सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनन्दन किया। स्पार्कअप इवेंट का तीन अलग-अलग चरणों में आयोजन हुआ, जिसमें अंतिम चरण में चयनित प्रतिभागियों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण दिया। स्पार्कअप इवेंट को सम्बोधित करते हुए जेके ग्रुप के सीईओ अनंत सिंघानिया ने कहा कि पोदार ट्रस्ट उद्यमशीलता व नवाचार के क्षेत्र में बेहतरीन मंच प्रदान कर रहा है, विद्यार्थियों को इससे जुड़कर अपने कॅरियर का निर्माण करना चाहिए।

उद्योगपति व निवेशक राज नायर ने कहा कि विद्यार्थियों व स्टार्टअप को नए अवसर व परिवर्तनों की पहचान करनी होगी, जिससे उद्योग व व्यापार जगत में अपनी जमीन तैयार की जा सके। निवेशक अतुल जोशी ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र के लिए स्पार्कअप इवेंट जनजागृति व अवसरों की सौगात देने वाला कार्यक्रम है। युवा उद्योगपति किंजल गजेरा ने कहा कि नवलगढ़ जैसे कस्बे में स्टार्टअप के लिए मंच प्रदान करना पोदार ट्रस्ट के लिए बड़ी कामयाबी है। स्पार्कअप व बडिंग स्पार्कस की सलाहकार व परियोजना प्रमुख रिषिका पोदार ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि आज के युवा स्टार्टअप व उद्यमियों ने जो ऊर्जा व उत्साह का प्रदर्शन किया है, वह हमारे लिए प्रेरणादायी है। पोदार एडुस्पेस के सह संस्थापक व सीईओ वेदांत आर. पोदार ने प्रतिभागियों के जबरदस्त उत्साह व नए विचारों की सराहना की व बधाई दी। आनन्दीलाल पोदार ट्रस्ट के चेयरमैन राजीव के. पोदार ने सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित उद्यमशीलता व नवाचारों के लिए बधाई दी और कहा कि प्रतिभागी पोदार ट्रस्ट से जुड़कर अपने कॅरियर को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 344 रोगी लाभान्वित

महानगर संवाददाता

नवलगढ़। जांगिड़ अस्पताल में शारदा क्रोपकेम मुम्बई के आर्थिक सौजन्य से सामाजिक विकास हेरिटेज एंड वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन फाउण्डेशन द्वारा जिला अंधता निवारण समिति झुंझुनूं के आर्थिक सहयोग और डॉ. विमलेश आई केयर मेडिको सोसासटी व अलायन्स क्लब नवलगढ़ लार्ड कृष्णा द्वारा आयोजित 214वां निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर छावसरिया धर्मशाला में आयोजित किया गया। शिविर में 344 रोगी लाभान्वित हुए, जिनमें से 68 रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया, जिनका ऑपरेशन जांगिड़ अस्पताल में डॉ. अविनाश पुरोहित की टीम करेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी कंट्रोलर बीएसएफ ने लाभार्थियों की संख्या देखकर प्रसन्नता जताई और बताया कि डॉ. दयाशंकर जांगिड़ व उनकी टीम साधुवाद की पात्र है। शिविर संयोजक डॉ. दयाशंकर जांगिड़ ने बताया कि शिविर में पिछले शिविर के 68 लोगों की जांच कर चश्में वितरित किए गए। शिविर में डॉ. शंकरलाल सैनी, मेजर डीपी शर्मा, रामावतार सबलानिया, मुरली मनोहर चोबदार, डॉ. मीनाक्षी जांगिड़, डॉ. मनीष शर्मा सहित जांगिड़ अस्पताल के स्टाफ ने सहयोग दिया।

नेपाल में डॉक्टरेट की मानद उपाधि मिलने पर किया सम्मान

महानगर संवाददाता

श्रीमाधोपुर। गांधी पीस फाऊंडेशन नेपाल की ओर से डॉक्टरेट की मानद उपाधि से विभूषित हुए राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय मूंडरू के प्रधानाचार्य डॉक्टर राजेंद्र कुमार रैगर, उपभोक्ता संरक्षण मंच के डॉक्टर अशोक कुमार पारीक व असिस्टेंट गवर्नर रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर के डॉक्टर दिलीप सिंह शेखावत का राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय मूंडरू में माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक लक्ष्मी नारायण सैनी ने किया। स्वागत करते हुए वरिष्ठ अध्यापक हेमराज सैनी ने सम्बोधित कया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार के सुपुत्र डॉक्टर गगनदीप वर्मा ने संपूर्ण स्टाफ का माला व साफा पहनकर स्वागत किया। वहीं सम्मानित डॉक्टरों ने सभी अध्यापकों, आध्यापिकाओं और छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्राध्यापक बनवारी लाल मीणा, प्राध्यापिका प्रियंका सैनी, वरिष्ठ अध्यापक सुभाष चंद नापित, अध्यापक रणवीर सिंह शेखावत, चौथमल सैनी, सुरेश कुमार, हिनाक्षी शर्मा सहित विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

'अपेल फाउण्डेशन' के मोहित व समृद्ध सेठी ने रचा कीर्तिमान

महानगर संवाददाता

लालसोट। शहर के सवाई माधोपुर रोड पर स्थित अपेल फाउण्डेशन क्लासेस के छात्र मोहित शर्मा व समृद्ध सेठी आईआईटी जेईई मेंस के परीक्षा परिणाम में टॉपर रहे। लालसोट निवासी राजेश सेठी के पुत्र समृद्ध सेठी ने 99.31 प्रतिशत व बालमुकुंद शर्मा के पुत्र मोहित शर्मा ने 99.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लालसोट और अपने संस्थान का नाम रोशन किया है। अपेल

फाउण्डेशन सचिव राकेश शर्मा ने गर्व के साथ बताया कि अपेल फाउण्डेशन के प्रथम सत्र में ही आईआईटी जेईई मेंस में समृद्ध सेठी, मोहित शर्मा व मोहित मीना ने सफलता हासिल की है।

छात्रों की इस सफलता पर संस्थान सचिव राकेश सेडूलाई, चांदनी गौतम, काउंसलर मनीष गौतम व विद्यालय परिवार की तरफ से उन्हें माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

बालिका विद्यालय का निरीक्षण कर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

सवाई माधोपुर (मसं)। जिला कलेक्टर शुभम चौधरी ने गुरुवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मानटाउन का औचक निरीक्षण कर विद्यालय परिसर, कक्षा-कक्षों, लाईब्रेरी, मिड-डे मील आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने शिक्षकों से विद्यालय में संचालित शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त कर विद्यालय की प्राचार्या रेणु भास्कर को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने उपस्थित छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि आप सभी हमारे समाज का भविष्य हैं और आपके उज्ज्वल भविष्य

के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण साधन है। बालिकाओं की शिक्षा अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि शिक्षित नारी एक परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव को मजबूत बनाती है। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से लाईब्रेरी से प्राप्त होने वाली पुस्तकों की जानकारी लेते हुए पुस्तकों से प्राप्त होने वाली नैतिक शिक्षा को जीवन में उतारने की बात कहीं। उन्होंने लाईब्रेरी का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद करते हुए कविताएं भी सुनी। इस दौरान जिला कलेक्टर ने मिड-डे मील के तहत बनाए गए भोजन की गुणवत्ता को चखकर जांचा। उन्होंने मिड-डे मील रसोई घर का निरीक्षण कर दाल, चावल, गेंहू, मसाले सहित अन्य खाद्य सामग्री की जांच करते हुए रसोई घर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

'उद्यानिकी फसलें अपनाकर आय में वृद्धि कर सकते हैं किसान'

महानगर संवाददाता

सवाई माधोपुर। जिला प्रशासन व उप निदेशक उद्यान सवाई माधोपुर की ओर से राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अन्तर्गत उद्यानिक फसलों की वैज्ञानिक खेती विषय पर दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषक सेमीनार का आयोजन गुरुवार को जिला कलेक्टर शुभम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। सेमिनार में जिले के प्रगतिशील किसानों को सम्बोधित करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि परंपरागत खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों की वैज्ञानिक खेती अपनाकर अधिक उत्पादन व बेहतर गुणवत्ता से किसान अपनी आय में निरंतर वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सहभागिता, आपसी सहयोग व नई तकनीक से किसान के जीवन को समृद्ध बनाना राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय है। सवाई माधोपुर जिले में परम्परागत फसलों के साथ-साथ अमरूद, आंवला, मिर्ची, टमाटर आदि फलों व सब्जियों की खेती की अपार संभावनाएं है। उन्होंने किसानों से जागरूक रहकर फसल उत्पादन में विविधता लाने और ग्रीन हाउस, पॉली हाउस, शेडनेट आदि कृषि तकनीकों का उपयोग करने की अपील की।

जनसुनवाई में प्राप्त परिवादों का शीघ्र निस्तारण के निर्देश

जिला कलेक्टर रामसर उपखंड मुख्यालय पर सुनी आमजन की समस्याएं

बाड़मेर (मसं)। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने गुरुवार को रामसर उपखंड मुख्यालय पर जन सुनवाई के दौरान विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले परिवादों का समयबद्ध व त्वरित निस्तारण किया जाए, ताकि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को राहत मिल सके। परिवादियों को संवेदनशीलता से सुनने के साथ यथासंभव तत्काल राहत पहुंचाने का प्रयास किया जाए। इस दौरान जिला कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उपखंड स्तरीय जन सुनवाई को अधिक प्रभावी बनाएं। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के दौरान अधिकाधिक समस्याओं का समाधान करवाएं, ताकि आमजन को अपनी परिवेदनाएं लेकर जिला स्तरीय जन सुनवाई में आना ही नहीं पड़े। उन्होंने कहा कि उपखंड स्तरीय जन सुनवाई का ग्राम विकास अधिकारियों व पटवारियों के माध्यम से पूर्व में व्यापक प्रचार प्रसार कराएं, ताकि लोग जन सुनवाई में अपनी समस्याओं को रख सके। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को शत प्रतिशत लाभांवित करवाने के निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान बिजली, पानी, सड़क, जल जीवन मिशन, मनरेगा, अतिक्रमण, राजस्व रिकॉर्ड में शुद्धिकरण समेत विभिन्न प्रकार के परिवाद प्राप्त हुए।

जगद्गुरु आश्रम में श्रीमद्भगवद् कथा का आयोजन आज से

महानगर संवाददाता

जयपुर। श्री जगद्गुरु परमार्थिक न्यास के तत्वावधान में गोविंददेवजी मंदिर के पास स्थित जगद्गुरु आश्रम में शुक्रवार को दोपहर एक बजे से श्रीमद्भगवद् कथा का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व सुबह ग्यारह बजे श्री गोविंददेवजी मंदिर से पोथी यात्रा प्रारंभ होगी। व्यासपीठ से भागवत भूषण आचार्य डॉ. ब्रजबिहारी कथा श्रवण कराएंगे। कथा के मुख्य यजमान चंद्र महेश झालानी ने बताया कि कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव की अध्यक्षता उत्तर काशी के स्वामी अक्षयानंद महाराज करेंगे। मुख्य आयोजक सत्य नारायण तिवाड़ी ने बताया कि कथा में सान्निध्य प्रदान करने के लिए स्वामी राजेश्वराश्रम महाराज हरिद्वार से पधार रहे हैं।

शब-ए-बारात पर रोशन हुई मस्जिदें, रातभर जागकर की खुदा की इबादत

महानगर संवाददाता

जयपुर। मुस्लिम समाज ने गुरुवार को शब-ए-बारात अकीदत और इबादत के साथ मनाई। इस मौके पर सभी मस्जिदों को रोशनी से सजाया गया। अकीदतमंदों ने रातभर जागकर खुदा की इबादत की। कब्रिस्तानों में मगफिरत की दुआएं की गई। घरों में अलग-अलग पकवानों पर नियाज पेश कर पूर्वजों को याद कर फातिहा पढ़ा गया। शहर मुफ्ती मोहम्मद जाकिर नोमानी ने बताया कि शब-ए-बारात की रात को इबादत करने से जन्नत मिलती है। इसके अगले दिन रोजा रख कर सवाब मिलता है। शब-ए-बरात बरकत वाली रात है। इसलिए नफली नमाजें पढ़ी गई और कुरान पाक की तिलावत के साथ ही वजीफे पढ़े गए। रात में अपने और दूसरों के लिए दुआएं मांगने के बाद कब्रिस्तानों में जाकर बुजुर्गों और रिश्तेदारों के लिए मगफिरत की दुआ की गइ। कई अकीदतमंदों ने पूरी रात नमाज अदा की और कुरान पढ़ते हुए अल्लाह से अपने गुनाह की माफी मांगी।

विद्यार्थियों को गर्म जर्सियां वितरित

महानगर संवाददाता

जयपुर। श्री नरवर आश्रम सेवा समिति श्री खोले के हनुमान मंदिर प्रन्यास के तत्वावधान में बस्सी के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को 2101 गर्म जर्सियां वितरित की गई। ब्रह्मलीन पं. राधेलाल चौबे की स्मृति में 6750 जर्सियां वितरित करने का लक्ष्य है। समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि समिति की ओर से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुथाड़ा खुर्द में 203, हरडी 57, कला 163, नोरस की ढाणी 28, बूरथल 171, रामसिंहपुरा 464, भटेसरी 60, हिंगोनिया 53, झर की ढाणी 72, कानड़बास 42, मीणा की ढाणी 34, बगराना 691 एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय पुराना बगराना में 54 गर्म जर्सियां वितरित की गई। समिति के उपाध्यक्ष लेखराज शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य रामदयाल गुप्ता इस दौरान उपस्थित रहे।

रावत स्कूल का रंगारंग वार्षिकोत्सव 'कथानक' हर्षोल्लास से मनाया

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में रावत सीनियर सैकेंडरी स्कूल विवेक विहार का 42वां वार्षिकोत्सव 'कथानक' हर्षोल्लास से मनाया गया।

कार्यक्रम में करीब 2000 से अधिक लोग शामिल हुए। इस अवसर पर चीफ पब्लिक रिलेशन ऑफिसर, नॉर्थ वेस्ट रेलवे कैप्टन शशि किरण मुख्य अतिथि व आईपीएस अशोक गुप्ता विशिष्ट मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बीएस रावत, चेयरपर्सन निर्मला रावत, रावत कॉलेज की निदेशक, हेमेंद्र रावत एवं रावत पब्लिक स्कूल भांकरोटा की निदेशक डॉ. अक्षिता रावत ने दीप प्रज्वलन कर किया। 'कथानक' में विद्यार्थियों ने वीर शिवाजी, महाराणा प्रताप, झांसी की रानी की वीरगाथाओं को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मेधावी विद्यार्थियों और विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक एवं अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के सचिव नरेंद्र सिंह रावत ने सभी विजेताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय की प्राचार्या सुशीला नेगी ने विद्यालय की एनुअल रिपोर्ट प्रस्तुत की।

पूरे फाल्गुन माह बरसेगा ढूंढाड़ी रचनाओं से भक्ति रस

महानगर संवाददाता

जयपुर। फाल्गुन का महीना गुरुवार से शुरू हो गया। छोटीकाशी में होली का खुमार छाएगा। गोविंददेवजी मंदिर में 23 फरवरी से 9 मार्च तक रचना झांकी सजेगी। दोपहर 12:30 से 12:45 बजे तक ठाकुर श्रीजी की विभिन्न लीलाओं का रंग-बिरंगी गुलाल से चित्रण किया जाएगा। सुभाष चौक पानो का दरीबा स्थित श्री सरस निकुंज में गुरुवार को ठाकुर श्री राधा सरस बिहारी सरकार को फाल्गुनी भजन सुनाए गए। शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज ने ठाकुर जी के लाड़ लड़ाए। श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि शुक संप्रदाय के आचार्यों द्वारा लिखित फाल्गुनी पदों का गायन किया गया। यह क्रम सायंकालीन बेला में पूरे फाल्गुन माह चलेगा।

हालांकि ब्रज में होली की शुरुआत वसंत पंचमी से हो चुकी है। तब से प्रतिदिन ठाकुर श्री राधा गोविंद भगवान को पांच तरह की गुलाल अर्पित की जा रही है। होली तक ठाकुरजी को राजभोग झांकी में गुलाल अर्पित की जाएगी। रचना झांकी में ठाकुर जी भक्तों संग होली खेलेंगे। इस दौरान ठाकुरजी वसंती पोशाक धारण कर कमर में फेंटा बांधकर दर्शन देंगे।

उनकी यह भंगिमा होली के लिए तैयार होने का प्रतीक है। चौड़ा रास्ता स्थित राधा दामोदर जी, पुरानी बस्ती स्थित गोपीनाथ जी, सुभाष चौक पानों का दरीबा स्थित श्री सरस निकुंज, रामगंज बाजार के लाड़लीजी, चांदनी चौक स्थित आनंद कृष्ण बिहारी सहित अन्य वैष्णव मंदिरों में रंगों का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।

ढप-चंग पर गूंजेंगे फाल्गुनी भजन

जयपुर। श्री श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति के तत्वावधान में शनिवार को आरपीए रोड शास्त्रीनगर स्थित अखिल भारतीय खण्डेलवाल महासभा भवन में शाम सात बजे से फागोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्री श्याम प्रभु का दरबार सजाकर अखंड ज्योति प्रज्जवलित की जाएगी। पुष्प और इत्र वर्षा के बीच ढप-चंग पर फाल्गुनी भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। आरपी गुप्ता, ऋषभ गुप्ता, शंकरलाल नाटाणी, राजू महरवाल, शंकर झालानी भजनों की प्रस्तुतियां देंगे।

प्रेमभाया मंडल मंदिरों में मनाएगा फागोत्सव

श्री प्रेमभाया मंडल समिति की ओर से फाल्गुन माह में शहर के विभिन्न देवालयों में फागोत्सव मनाया जाएगा। सर्वप्रथम 15 फरवरी को युगल कुटीर, जयलाल मुंशी का रास्ता चांदपोल बाजार में श्री प्रेमभाया सरकार के शाम 7:30 से रात्रि 10: 30 तक फागोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर भक्तों द्वारा खेली जाएगी फूलों की होली।

समिति के अध्यक्ष विजय किशोर शर्मा ने बताया कि 16 फरवरी को मंदिर श्री प्रेमभाया सरकार, हरियुगल विहार, चंदलाई रोड, शिवदासपुरा में शाम 5 से रात्रि से 8 बजे तक फागोत्सव मनाया जाएगा।

23 फरवरी नृसिंह जी का मंदिर, नींदड़ राव जी का रास्ता, चांदपोल बाजार, 2 मार्च को गुलाब गार्डन, सिरसी रोड, भांकरोटा, अजमेर रोड। 9 मार्च को शिव मन्दिर, शिव मार्ग, डूंडलोद हाउस, सोडाला, 22 फरवरी, 1 मार्च, 8 मार्च को युगल कुटीर, जयलाल मुंशी का रास्ता, चांदपोल बाजार में शाम 7:30 से रात्रि 10:30 बजे तक श्री प्रेमभाया सरकार के फागोत्सव आयोजित किया जाएगा। ढूंढाड़ी भक्त महाकवि युगलजी महाराज द्वारा रचित ढूंढाड़ी भक्ति रचनाओं से ठाकुरजी को रिझाया जाएगा।

प्रयागराज में लिया देश में 10 नए गुरुकुल खोलने का नव संकल्प

सुधांशु महाराज के सान्निध्य में होगा दिव्य भक्ति संत्संग का आयोजन

महानगर संवाददाता

जयपुर। विश्व जागृति मिशन (विजामि) के संस्थापक और आध्यात्मिक संत आचार्य सुधांशु महाराज प्रयागराज में महाकुंभ में विशेष साधना के बाद शनिवार को जयपुर पहुंचेंगे। जयपुर मंडल के प्रधान मदनलाल अग्रवाल ने बताया कि गुरुदेव ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में साधना के दौरान विश्व जागृति मिशन के तहत देश में 10 नए गुरुकुल स्थापित करने का नव संकल्प लिया है। इसमें से मुरादाबाद और कोलकाता में दो गुरुकुल स्थापित करने की घोषणा की गई है।

मीडिया से मुखातिब होते हुए जयपुर मंडल के पदाधिकारियों वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण दास गंगवानी, महामंत्री दिनेश गुप्ता, सचिव द्वारका प्रसाद मुटरेजा, संगठन सचिव हेम कुमार भार्गव, संगठन मंत्री पीआर खुराना, जीवन संचेतना अधिकारी सुरेश कुमार शर्मा, आचार्य विष्णु कुमार शर्मा, फूल मुटरेजा, इंदु भार्गव और दिलीप हीरारमानी ने आचार्य सुधांशु महाराज की प्रेरणा और मार्गदर्शन में जयपुर में चलाए जा रहे सामाजिक चेतना, व्यक्तित्व विकास और देश सेवा की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

देश में 80 आश्रमों के जरिए सतत सेवा

जयपुर मंडल के आचार्य मोहनलाल शास्त्री ने बताया कि आचार्य सुधांशु महाराज द्वारा 1991 में विश्व जागृति मिशन की स्थापना की गई, इसके बाद देश में 80 से अधिक आश्रमों की श्रृंखला के माध्यम से देश और समाज सेवा के प्रकल्पों को नियमित संचालन किया जा रहा है।

नानी बाई का मायरा कथा आज से

महानगर संवाददाता

जयपुर। पानीपेच स्थित टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट की ओर से नेहरू नगर के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में 14 से 16 फरवरी तक नानी बाई को मायरो कथा का आयोजन किया जाएगा। व्यासपीठ से कथा वाचक धनश्रीराम दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक कथा श्रवण कराएंगे। टीम 39 के प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी और मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि 14 फरवरी को नेहरू नगर के श्री सीताराम मंदिर से सुबह 8 बजे 101 महिलाओं की कलश यात्रा निकाली जाएगी।

जैन श्रद्धालुओं का दल आठ दिवसीय धार्मिक यात्रा पर रवाना

महानगर संवाददाता

जयपुर। जैन धर्म के शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी सहित अन्य कई तीर्थ क्षेत्रों की यात्रा करने, अहिंसा, शाकाहार, भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार प्रसार करने के लिए जैन श्रद्धालुओं का दल गुरुवार को आठ दिवसीय धार्मिक यात्रा पर रवाना हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री एवं ऋषभ सेवा संस्थान के मानद् सचिव विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि गणमान्य श्रष्ठीजनों ने शुभकामनाएं देकर दल को रवाना किया।

इस मौके पर जयपुर जंक्शन भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालु 14 फरवरी को झारखंड स्थित पारसनाथ पहुंचेंगे। वहां ईसरी स्थित दिगंबर जैन मंदिरों के दर्शन, पूजा-अर्चना के बाद मधुवन स्थित शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर पहुंचकर दर्शन करेंगे। श्रद्धालु शनिवार को 27 किलोमीटर की पर्वत वंदना के लिए रवाना होंगे।

श्रीश्याम मंदिर में रक्तदान शिविर 16 को

महानगर संवाददाता

जयपुर। फाल्गुन माह में छोटीकाशी के श्रीश्याम मंदिरों में फागोत्सव के आयोजन जमकर होंगे। लेकिन विजयबाड़ी पथ नंबर सात सीकर रोड के श्रीश्याम मंदिर में फागोत्सव के साथ रक्तदान शिविर जैसे परोपकारी कार्य भी किया जाएगा। भजनों में बार बार कहा जाता है कि बाबा श्याम हारे का सहारा है। इसी को ध्येय वाक्य मानकर श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, विजयबाड़ी सीकर रोड का पंचम रक्तदान शिविर 16 फरवरी को श्रीश्याम मंदिर में सुबह आठ से अपराह्न तीन बजे तक आयोजित करेगी। मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी होंगी। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, विजयबाड़ी सीकर रोड के संस्थापक श्याम सुंदर गोयल, नथमल चौमाल के मार्गदर्शन में हो रहे रक्तदान शिविर की तैयारियां जोरों पर है। लघु उद्योग भारती सरना डूंगर इकाई के अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत, हरि ओम जन सेवा समिति के अध्यक्ष पकंज गोयल, वार्ड नंबर 25 के पार्षद सुरेश जांगिड़, कार्यक्रम संयोजक अंकुश लंबोरिया सहित अन्य रक्तदान शिविर को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

पचपदरा के ग्रामीणों ने देखी विधानसभा

महानगर संवाददाता

जयपुर। पचपदरा विधान सभा क्षेत्र के सात गांवों के महिला-पुरुषों ने विधानसभा भवन और संग्रहालय को देखा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का ग्रामीण महिलाओं ने आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार राजस्थान विधान सभा के ऐतिहासिक भवन को देखा है। ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। देवनानी ने ग्रामीणों के साथ छायाचित्र भी कराए।

पूर्व विधायक अमराराम के साथ महाकुंभ में स्नान करने के बाद अपने गांव लौट रहे इस दल ने राजस्थान विधान सभा के राजनीतिक आख्यान संग्रहालय को भी देखा। दल में शामिल सभी 45 पुरुष और महिलाएं मूल रूप से कृषि और पशुपालन कार्य से जुड़े हुए हैं।

पचपदरा के विधायक अरुण चौधरी ने ग्रामीण क्षेत्र के परुषों और महिलाओं को विधान सभा दिखाने और उनसे मुलाकात का अवसर प्रदान करने के लिए विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का आभार जताया।

विधानसभा अध्यक्ष से कानपुर के संत पीठाधीश्वर ने की मुलाकात

देवनानी को 'नित्येश्वर ज्ञान गंगा' पुस्तक भेंट

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से कानपुर के नित्येश्वर आश्रम (उदासीन) के संत पीठाधीश्वर ने गुरुवार को विधानसभा में मुलाकात कर महाशिवरात्रि के मौके पर आयोजित होने वाले नित्येश्वर महादेव के महारुद्राभिषेक और विशाल भंडारा के लिए आमंत्रित किया। देवनानी ने संत पीठाधीश्वर को सनातनी परम्परा के महापर्व पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी।

इस दौरान देवनानी को संत पीठाधीश्वर ने नित्येश्वर ज्ञान गंगा की प्रति भेंट की। देवनानी को बताया कि पुस्तक में सनातन परम्परा और आध्यात्म विषयों से संबंधित तपस्या, वैराग्य, साधना, परमात्मा, वास्तविक शांति, पूजा, भक्ति, अराधना, पाप, पुण्य सहित आस्था और विश्वास से संबंधित आमजन के सामान्य प्रश्नों का सरलता से जवाब दिया गया है।

जयपुर के व्यापारी महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज रवाना

महानगर संवाददाता

जयपुर। जयपुर के कई उद्योगपति, ज्वैलर व बड़े व्यवसायियों का 26 सदस्यीय दल गुरुवार को महाकुंभ स्नान के लिए बीकानेर ह्यावड़ा ट्रेन से रवाना हुआ। राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि सभी सदस्यों ने रेलवे स्टेशन पर भगवा झंडा लहराकर जय श्रीराम के जयकारे लगाए। प्रयागराज जाने वालों में राजकुमार अग्रवाल, विनोद गुप्ता, राजेश जिंदल, अनिल अग्रवाल, अशोक केडिया, पराग रुंगटा, सुनील लोढ़ा, श्याम बजाज, शिवाकांत फतेहपुरिया, रामकिशन अग्रवाल मुख्य हैं।

समारोह में देशभर के शामिल हुए श्रद्धालु

भक्तिभाव से मनाया अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर का 28वां दीक्षा दिवस

महानगर संवाददाता

जयपुर। अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर का 28वां दीक्षा दिवस समारोह हीरा पथ मानसरोवर में श्रद्धा भक्ति पूर्वक मनाया गया। दीक्षा समारोह में देशभर के श्रद्धालु शामिल हुए। मुनिश्री को लवाजमे और बैंडबाजों के साथ अयोध्या नगरी सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 6 हीरापथ मानसरोवर लाया गया।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल ने बताया कि दीक्षा दिवस समारोह की तैयारियां लंबे समय से चल रही थी। सभी पदाधिकारी और समाज के लोग इसमें जुटे हुए थे। दीक्षा दिवस के अंतर्गत संत शिरोमणी आचार्य विद्या सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण करने के साथ दीक्षा दिवस समारोह की शुरूआत की गई। भामाशाह अशोक पाटनी की धर्मपत्नी सुशीला पाटनी ने चित्र का अनावरण किया। इसके बाद सुशीला पाटनी ने मुनिश्री का पाद प्रच्छालन कर शास्त्र भेंट किया। इसके बाद 28 परिवारों ने पाद प्रक्षालन किया और 28 परिवारों ने शास्त्र भेंट किए। बालिकाओं ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। आचार्य विद्या सागर महाराज, नवाचार्य समता सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज की अष्ट द्रव्य से पूजा की गई। मुनिवर आज मेरी कुटिया में आए है..., एक वार आओजी मुनिवर मेरी कुटिया में...,गुरूवर मेरी नैया पार लगा देना..., जैसे भजनों पर श्रावक - श्राविकाओं ने भक्ति नृत्य किया। इस मौके पर मुनिश्री की जीवनी को एक नाटिका के रूप में दिखाया गया। गत 28 वर्षों की उनकी अनदेखी फोटोज की एक डॉक्युमेंट्री भी दिखाई गई और चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें मुनिश्री के ब्रह्मचर्य से लेकर वर्तमान तक के सफर का बहुत ही सुंदर चित्रण पेश किया। अंत में मुनिश्री की 1100 दीपकों से मंगल आरती की गई। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल एवं मंत्री सुरेंद्र कुमार जैन ने आभार व्यक्त किया। हीरा पथ महिला मंडल एवं युवा मंडल ने आयोजन की व्यवस्थाएं संभाली। युवा मंडल के मंत्री विवेक कासलीवाल एवं महिला मंडल अध्यक्ष तारामणी जैन, मंत्री अनिता जैन पूरी कार्यकारिणी के साथ उपस्थित रहे।

राजकीय विद्यालय में पुस्तक मेला आयोजित

महानगर संवाददाता

जयपुर। बनीपार्क के राजकीय आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लेबर कॉलोनी में बुधवार को वैशालीनगर गायत्री चेतना केन्द्र की ओर से पुस्तक मेला लगाया गया। विद्यालय की प्रिंसिपल तृप्ति चौहान ने पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी पसंद की पुस्तकें खरीदी। पुस्तक मेले में बाल निर्माण की कहानियां, देश-विदेश के महापुरुषों, महानायिकाओं के व्यक्तित्व पर आधारित पुस्तकें विशेष रूप से प्रदर्शित की गई। केन्द्र की प्रभारी उमा भाटी ने इस मौके पर कहा कि विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के साथ प्रेरणादायी पुस्तकें भी पढ़नी चाहिए। पुस्तकों को पढ़ने तुरंत प्रकाश मिलता है। इस मौके पर रीना अग्रवाल, कृष्णा शर्मा, ज्योति शर्मा, भावना चौधरी, बबीता, सुमन मिश्रा सहित अन्य अध्यापिकाएं भी उपस्थित रहीं।

facebook YouTube twitter
देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

मुफ्तखोर आबादी देश के लिए घातक

सरकारी खैरात पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता को गंभीरता से समझिए

किसी भी सरकार की कामयाबी इस बात से आंकी जाती है कि उसने नागरिकों के लिए काम का कैसा वातावरण बनाया और देश के आर्थिक विकास में उनका कितना योगदान सुनिश्चित किया है। मगर हमारे यहां गरीबी उन्मूलन के नाम पर चलाई जा रही खैरात की योजनाओं को उपलब्धि की तरह रेखांकित किया जाने लगा है। जब भी कोई चुनाव आता है, तो हर राजनीतिक दल बढ़-चढ़ कर मुफ्त की योजनाओं की फेहरिश्त पेश करना शुरू कर देते हैं। इस पर उचित ही सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी जाहिर की है। अदालत ने कहा कि वोट के लालच में मुफ्तखोरों और परजीवियों का एक वर्ग तैयार हो रहा है। लोगों को बिना किसी काम के मुफ्त राशन और पैसा देना सही नहीं है। सरकार की कोशिश होनी चाहिए कि वह इन लोगों को मुख्यधारा में लाए, ताकि वे भी देश के विकास में योगदान दे सकें। पहले भी मुफ्त की योजनाओं को लेकर गुहार लगाई गई थी, तब अदालत ने कहा था कि चुनाव में ऐसी घोषणाओं से परहेज किया जाना चाहिए। मगर किसी भी दल ने उस नसीहत को गंभीरता से नहीं लिया। यह ठीक है कि कोई भी सरकार अपने नागरिकों को भूख से नहीं मरने दे सकती, इसीलिए भोजन का अधिकार कानून लाया गया था। मगर इसका यह अर्थ नहीं कि देश की एक बड़ी आबादी को इस तरह मुफ्तखोर और अकर्मण्य बना दिया जाए। यह व्यवस्था तभी होनी चाहिए, जब लोगों को काम न मिल सके। हर परिवार को काम देने की गारंटी के साथ मनरेगा कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसमें कम से कम सौ दिन का काम देने की गारंटी दी गई थी। मगर उस कार्यक्रम की स्थिति यह है कि हर वर्ष उसमें पंजीकृत लोगों की कटौती हो रही है। धन का आवंटन और काम के दिन घटते जा रहे हैं। बहुत सारे लोगों को अब वर्ष में पचास दिन काम भी मुश्किल से मिल पाता है। ऐसी स्थिति में सरकारें किसानों, महिलाओं आदि को हर महीने नगदी हस्तांतरण करने के वादे कर रही हैं। जबकि हकीकत यह है कि अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, महिलाओं और किसानों को नगदी हस्तांतरण, बिजली-पानी मुफ्त देने जैसी योजनाओं के कारण कई राज्य सरकारों पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। जाहिर है, इससे देश की तरक्की की कोई अच्छी सूरत नहीं बनती। यह स्वाभाविक है कि जब लोगों को मुफ्त का राशन और नगदी मिलेगी, तो वे शारीरिक श्रम करने से बचेंगे। सर्वोच्च न्यायालय की चिंता वाजिब है कि देश की बड़ी आबादी को खैरात की योजनाओं से अकर्मण्य बना देना देश के विकास में रोड़े अटकाने जैसा है। अब धीरे-धीरे लोगों में यह मानसिकता बनती गई लगती है कि वे मुफ्त की योजनाओं को अपना अधिकार समझने लगे हैं और चुनावों के दौरान नजर टिकाए रहते हैं कि कौनसा दल क्या-क्या और कितनी मुफ्त की योजनाएं देने का वादा करता है। यह मानसिकता ज्यादा खतरनाक है। किसी भी देश का विकास अपने नागरिकों को खैरात पर जीवन जीने को प्रोत्साहित करके संभव ही नहीं हो सकता। योजनाएं ऐसी बननी चाहिए, जिनसे लोगों को काम के अवसर पैदा हों, वे कमा कर खाएं और स्वाभिमान के साथ जीवन जी सकें। उचित तो यह होगा कि सभी राजनीतिक दल तय करें कि चुनाव मुद्दों पर लड़ेंगे और खैरात की योजनाएं सिर्फ उन लोगों के लिए बनेंगी, जो बहुत जरूरतमंद होंगे। क्योंकि वर्तमान में यह हो रहा है कि सरकार योजनाओं को लाभ उठाने के लिए लोग फर्जी दस्तावेज बनाने से भी गुरेज नहीं करते हैं। सामने आए कई प्रकरणों में यह देखा गया है कि सरकारी नौकरी कर मोटा वेतन पाने वाले भी बीपीएल श्रेणी का लाभ उठा रहे हैं। ऐसे में यह समझा जा सकता है कि सरकारी योजनाओं का किस तरह से दुरुपयोग कर राजस्व में सेंध लगाई जा रही है। दरअसल, होना यह चाहिए कि हर वर्ग को आत्मनिर्भर बनाकर देश निर्माण में उसका प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सहयोग लिया जाए। सुदृढ़ राष्ट्र के निर्माण के लिए यही सबसे ज्यादा जरूरी है। क्योंकि चुनाव के समय बांटी गईं रेवड़ियां आगे चलकर सरकारों के लिए ही गलफांस बनती हैं। पंजाब विधानसभा चुनावों के समय आम आदमी पार्टी की ओर से राज्य की प्रत्येक महिला को एक-एक हजार रुपए प्रतिमाह दिए जाने की घोषणा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। भगवंत मान की सरकार अब तक उस वायदे को पूरा नहीं कर पाई है। इसी तरह हाल में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को अपनी ओर रिझाने के लिए एक से बढ़कर एक वादे किए और अब इन पर अमल करने की बारी है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटना अब सिर्फ चुनावी वादा नहीं रह गया है, बल्कि चुनाव जीतने के लिए एक जरूरी दांव बन गया है। एक्वीटॉस इनवेस्टमेंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक राजनीतिक पार्टियां वोट पाने के लिए कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर मुफ्त की चीजें बांट रही हैं। इससे सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे-जैसे राजनीतिक दलों के बीच होड़ बढ़ रही है, कल्याणकारी योजनाएं और मुफ्त की रेवड़ियां चुनावी वादों से आगे बढ़कर राजनीतिक शक्ति का नया पैमाना बन गई हैं। मतलब साफ है कि राजनीतिक दलों के बीच मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट हासिल करने की होड़ मची हुई है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2024 के आम चुनावों ने देश की वित्तीय नीतियों में एक बड़ा बदलाव ला दिया है। विधानसभा चुनावों से यह और साफ हो गया है कि राजनीतिक दल एक-दूसरे से आगे निकलने के लिए किस हद तक रेवड़ियां बांटने में लगे हैं। ऐसी योजनाएं भले ही लोगों को थोड़े समय के लिए फायदा पहुंचाएं लेकिन लंबे समय में राज्यों के लिए आर्थिक संकट पैदा कर सकती हैं। रिपोर्ट कहती है कि हमें ध्यान रखना होगा कि आज का फायदा कल मुसीबत न बन जाए। कर्नाटक इसका एक बड़ा उदाहरण है। कांग्रेस की जीत के बाद वहां कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू हुईं। गृह लक्ष्मी योजना में महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए मिलते हैं। इसी तरह गृह ज्योति योजना में 200 यूनिट बिजली मुफ्त है। इन दोनों योजनाओं पर करीब 52,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह रकम राज्य के 2023-24 के वित्तीय घाटे का 78 फीसदी है। इससे कर्नाटक की आर्थिक स्थिरता पर सवाल उठ रहे हैं। अत: अब समय आ गया है कि सियासी दल शीर्ष कोर्ट की चिंता को समझकर आगे बढ़ें।

यह ठीक है कि कोई भी सरकार अपने नागरिकों को भूख से नहीं मरने दे सकती, इसीलिए भोजन का अधिकार कानून लाया गया था। मगर इसका यह अर्थ नहीं कि देश की एक बड़ी आबादी को इस तरह मुफ्तखोर और अकर्मण्य बना दिया जाए। यह व्यवस्था तभी होनी चाहिए, जब लोगों को काम न मिल सके। किसी भी देश का विकास अपने नागरिकों को खैरात पर जीवन जीने को प्रोत्साहित करके संभव ही नहीं हो सकता। योजनाएं ऐसी बननी चाहिए, जिनसे लोगों को काम के अवसर पैदा हों, वे कमा कर खाएं और स्वाभिमान के साथ जीवन जी सकें।

अब चुनौतियों के साथ मौके भी हैं

आलोक पुराणिक

अमेरिका और चीन का व्यापार युद्ध बाकायदा शुरू हो गया है। अमेरिका ने चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। इसके बाद चीन भी अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगा रहा है। चीन ने कोयला तथा तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादों पर 15 प्रतिशत, कच्चे तेल, कृषि मशीनरी और बड़ी कारों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की बात कही है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर भी 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाकर एक तरह से इन देशों को धमकाया था, पर बातचीत के बाद फिलहाल यह आयात शुल्क स्थगित हो गया है। भारत फिलहाल इस युद्ध में अभी अमेरिका के निशाने पर नहीं है। लेकिन उसे अपनी तैयारियां रखनी होंगी। दूसरी बात, अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख बाजारों का धीमा आर्थिक विकास भी भारत के निर्यात को प्रभावित कर सकता है। इन देशों में मंदी से भारतीय उत्पादों की मांग कम हो सकती है। टैरिफ वार के कारण भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो गई है। इससे भारतीय निर्यातकों की लागत बढ़ सकती है, जिससे उनका लाभ प्रभावित होगा। इसलिए भारत को अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की आवश्यकता है। यदि प्रमुख बाजारों में मांग घटती है, तो नए बाजारों की पहचान कर उसमें प्रवेश करना होगा। साथ ही, नई तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन प्रक्रिया को बेहतर बनाना और लागत को कम करना होगा। हालांकि, यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन सही रणनीति से इसे संभव बनाया जा सकता है।

बजट में एमएसएमई व निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की गई है, जैसे भारत ट्रेडनेट की शुरुआत, शुल्क मुक्त प्रोत्साहन और एमएसएमई के लिए टर्म-लोन। आसान ऋण, ब्याज दरों में छूट, बेहतर बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक जैसे कदम निर्यातकों को समर्थन देने और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। 2,250 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन की भी घोषणा की गई है। यह मिशन निर्यातकों की वित्तीय और दूसरे किस्म की मदद करेगा। भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका का बाजार महत्वपूर्ण है, पर अब भारतीय निर्यातकों को पूरी मजबूती के साथ नए अवसरों की तलाश करनी होगी। भारत से विदेशों में होने वाले कुल निर्यात में एमएसएमई का लगभग 48 प्रतिशत योगदान है। ये छोटे उद्योग वस्त्र, चमड़ा, हैंडक्राफ्ट और खाद्य जैसे उत्पाद बनाते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी हैं। भारत का मौजूदा निर्यात प्रतिशत 2024-25 में 4.86 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 393.22 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने एक मीडिया साक्षात्कार में कहा है कि भूमंडलीकरण अब अतीत की बात हो सकती है। अमेरिका अपने बाजार में बाहरी साज-सामान का प्रवेश मुश्किल और महंगा बना सकता है। वह भारत से मांग कर सकता है कि अमेरिका से भारत आने वाले साज-सामान पर आयात शुल्क कम करे। हालांकि, बजट में कुछ-कुछ अमेरिकी आकांक्षाएं पूरी होती दिख रही हैं। जैसे-1600 सीसी इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिल के आयात पर आयात शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत। वहीं 1600 सीसी से अधिक की क्षमता वाली मोटरसाइकिल पर आयात शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। अमेरिकी ब्रांड की मोटरसाइकिल हार्ले डेविडसन को इसका लाभ मिलेगा। भारत के पास तमाम नए मौके हैं, उन्हें बेहतर तरीके से भुनाया जा सकता है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 1994 से

2022 के बीच भारत ने कई नए क्षेत्रों में काम किया है। भारत अब दुनिया भर में पानी के जहाज बनाकर निर्यात करता है। पानी के जहाज के विश्व बाजार में भारत का हिस्सा लगभग 33 प्रतिशत है। पानी के जहाज निर्माण का काम ऐसा है कि जिसमें मांग लगातार बनी रहती है। भारत तो बहुत ही पुराने वक्त से जहाज निर्माण के मामले में अपनी क्षमताओं को प्रमाणित करता रहा है। इसी तरह, भारत का कपड़ा निर्यात हमेशा ही महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, कपड़ा और परिधान कारोबार भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 2.3 प्रतिशत के बराबर योगदान करता है। इसका कुल औद्योगिक उत्पादन में लगभग 13 प्रतिशत और निर्यात में लगभग 12 प्रतिशत का योगदान है। 2023 में भारत ने लगभग 34 अरब डॉलर के कपड़े से जुड़े उत्पादों का निर्यात किया। इसमें अभी बेहतरी की गुंजाइश है। अभी कपड़ा बाजार में वियतनाम और बांग्लादेश भारत को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। तैयार परिधानों के वैश्विक बाजार में भारत का हिस्सा लगभग 2.8 प्रतिशत था, जबकि चीन का लगभग 30 प्रतिशत, बांग्लादेश का 9 प्रतिशत और वियतनाम का हिस्सा लगभग 7 प्रतिशत था।

अभी बांग्लादेश की स्थिति डावांडोल है। भारत को इसका लाभ उठाकर अपने लिए नए अवसर पैदा करने की आवश्यकता है। यूरोप और अमेरिका निश्चय ही बेहतर बाजार हैं, पर समग्र दुनिया के बाजारों की तरफ देखकर भारतीय निर्यातक बेहतर अवसर पैदा कर सकते हैं। तकनीक के स्तर पर बांग्लादेश के पास ऐसा क्या है कि वह कपड़ों के अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, इस सवाल का जवाब तलाशा जाना चाहिए। भारत के पास तकनीक है, क्षमताएं हैं तो नए मौकों की तलाश को अब टालना नहीं चाहिए। इसके अलावा, अप्रेल-दिसंबर 2024 के बीच गैर पेट्रोलियम निर्यात 7.1 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात 28.6 प्रतिशत बढ़ा। भारत अब मोबाइल का बड़ा निर्यातक बनकर उभर रहा है।

एप्पल कंपनी भारत में मोबाइल बनाकर निर्यात कर रही है। अगर एप्पल कंपनी भारत में उत्पादित मोबाइल फोन को संतोषजनक मान सकती है, तो फिर पूरी दुनिया की मोबाइल कंपनियां भारत को अपना मूल निर्माण केंद्र बना सकती हैं। इस संबंध में और प्रयास लगातार किए जाने चाहिए। भारत हथियारों के बाजार में भी निर्यातक के तौर पर उभर रहा है। भारत की ब्रह्मोस मिसाइल को कई खरीदार मिले हैं। भारत कई छोटे देशों को अपने हथियार बेच सकता है, क्योंकि भारतीय हथियार अमेरिकी और यूरोपीय हथियारों के मुकाबले तो सस्ते ही होंगे। इस तरह के कदमों से अमेरिका सहित तमाम देशों को साफ संदेश जा सकता है कि भारत को धमका कर कोई परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते। अमेरिका और चीन के बीच के व्यापार युद्ध के बाद चीन की आर्थिक स्थिति के पहले के मुकाबले कमजोर होने के आसार हैं। अमेरिका के साथ दिक्कत यह है कि वह जिन ताकतों को प्रश्रय देता है, वही ताकतें उसके हितों पर चोट करती हैं। पाकिस्तान का ही उदाहरण लें, अमेरिका हर तरह से पाकिस्तान की मदद करता रहा। उसे अरबों डॉलर की आर्थिक सहायता दी, लेकिन पाकिस्तान ने क्या किया? उसने अमेरिका पर भीषण आतंकी हमला करने वाले आतंकी ओसामा बिन लादेन को पाला-पोसा। इसी तरह, अमेरिकी बाजारों की पहुंच के चलते ही चीन की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। इसलिए अमेरिकी नीतियों के प्रति भारत को सावधान रहना होगा।

निर्यात संवर्धन मिशन: इस मिशन का उद्देश्य भारतीय निर्यात को बढ़ावा देना और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है, ताकि निर्यात बढ़ाया जा सके। इसके लिए बजट में 2,250 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो निर्यातकों को आसान और सस्ते ऋण से लेकर सीमा पार 'फैक्टरिंग' सुविधाएं, विदेशी बाजारों में एमएसएमई की पहुंच और दूसरे देशों द्वारा लगाए गए गैर-शुल्क उपायों सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने में सहायता प्रदान करेगा। साथ ही, विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय को बढ़ावा देगा और निर्यात संबंधी नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करेगा। इस मिशन को वाणिज्य, एमएसएमई और वित्त मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा।

संस्कृत की धरोहर से हमारी संस्कृति को नई दिशा

लेखराज शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में भारतीय संसद में संस्कृत की प्रासंगिकता और इसके प्रचार-प्रसार पर तीव्र बहस हुई। यह बहस उस समय शुरू हुई, जब

एक सांसद ने संस्कृत पर करदाताओं के पैसे खर्च करने को लेकर सवाल उठाए। उनका कहना था कि संस्कृत केवल 25,000 लोग ही बोलते हैं, जबकि भारत की जनसंख्या 1.4 बिलियन के करीब है। उनका तर्क था कि संस्कृत न तो कोई राजभाषा है, न ही आम तौर पर बोलचाल में उपयोगी है, तो फिर क्यों सरकार इसे प्राथमिकता दे रही है, जबकि यह न तो संचार का एक सामान्य माध्यम है और न ही व्यापक रूप से बोली जाती है।

इसके साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संस्कृत का प्रचार कुछ खास समूहों, विशेष रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा देश के लिए एक विशिष्ट विचारधारा को प्रसारित करने की कोशिश हो सकती है। इस पर लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिरला ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की और संस्कृत को 'राष्ट्र का गौरव' और 'सभी भाषाओं की जननी' बताया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भले ही संस्कृत बोलने वालों की संख्या कम हो, इसका भारतीय भाषाई प्रणाली में जो स्थान है, वह अनमोल है।

ओम बिरला ने सदन को यह याद दिलाया कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता की नींव है। यह वही भाषा है जिसमें वेद, उपनिषद और अन्य अनगिनत धार्मिक, दार्शनिक और वैज्ञानिक ग्रंथ लिखे गए थे। इन ग्रंथों ने भारतीय मानसिकता और संस्कृति को आकार दिया। इसलिए संस्कृत को केवल उसकी वर्तमान बोली जाने वाली संख्या के आधार पर नकारना हमारे सांस्कृतिक धरोहर के महत्व को नजरअंदाज करना होगा।

दरअसल, संस्कृत को बढ़ावा देना केवल एक प्राचीन भाषा को पुनर्जीवित करना नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक गर्व और एकता को बढ़ावा देने का एक तरीका है। संस्कृत ने न केवल भारतीय भाषाओं को प्रभावित किया, बल्कि यह विश्वभर के विद्वानों और भाषाविदों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु बनी हुई है। गणित, खगोलशास्त्र और दर्शन के

क्षेत्र में संस्कृत के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। आज भी भारत की भाषाएं, जैसे हिंदी, मराठी और बंगाली, संस्कृत से बहुत प्रभावित हैं। अतः संस्कृत भारतीय भाषाओं के विविध परिप्रेक्ष्य की जड़ है।

सांसद का यह तर्क कि संस्कृत आज उपयोगी नहीं है, दरअसल यह विचार करना भूल है कि किसी भाषा का संरक्षण केवल उसके तत्कालिक उपयोगिता या संख्या पर निर्भर नहीं करता। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने और आने वाली पीढ़ियों को हमारी सभ्यता से जोड़ने का एक तरीका है। संस्कृत की महत्ता को समझते हुए, हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और उसे आगे बढ़ाने में सफल होंगे।

इसलिए, भारत का भविष्य अपनी सांस्कृतिक धरोहर को अपनाने में निहित है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के अनुसार,

संक्षेप में, संस्कृत केवल कुछ लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा नहीं है, यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर का एक शक्तिशाली प्रतीक है। यह हमें हमारे अतीत और जड़ों से जोड़ती है और इसका पुनरुद्धार हमारे साझा धरोहर में गर्व की एक नई भावना पैदा कर सकता है।

अगर हम संस्कृत को देश की 22 शीर्ष भाषाओं में शामिल करते हैं, तो हम न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि एक समावेशी और गर्वित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आज संस्कृत ज्ञान और समझ का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय संवाद और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

संक्षेप में, संस्कृत केवल कुछ लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा नहीं है, यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर का एक शक्तिशाली प्रतीक है। यह हमें हमारे अतीत और जड़ों से जोड़ती है और इसका पुनरुद्धार हमारे साझा धरोहर में गर्व की एक नई भावना पैदा कर सकता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हमें यह समझना होगा कि संस्कृत जैसी भाषाओं में निहित संस्कृति हमारा राष्ट्र आगे बढ़ने में मदद कर सकती है, जो अपने अतीत पर गर्व और भविष्य की उम्मीदों से भरा हुआ हो।

संस्कृत देव वाणी है। संस्कृत पढ़कर इस धरती पर एक से बढ़कर एक प्रकांड विद्वान हुए हैं। संस्कृत दुनिया की सबसे पुरानी एवं लिखित भाषा है। संस्कृत से ही हिंदी, बांग्ला, मराठी, सिंधी आदि भाषण बनी है। संस्कृत का व्याकरण एवं वर्णमाला वैज्ञानिक है। संस्कृत से ही प्राचीन भारतीय ज्ञान विज्ञान, आयुर्वेद, वास्तु शास्त्र, निर्माण कला, वैदिक गणित आदि का पता चलता है। संस्कृत भाषा को कई भाषाओं का जनक भी कहा जाता है। सरकार को संस्कृत भाषा को कक्षा 11 एवं कक्षा 12 में अनिवार्य विषय कर देना चाहिए। संस्कृत पढ़ा हुआ मनुष्य कभी भी किसी भी परिस्थिति से लड़ सकता है। संस्कृत भाषा जीवन जीना सिखाती है। देश में बच्चे जो आत्महत्या कर रहे हैं, उनमें कहीं ना कहीं संस्कृत भाषा की कमी है। यह लेखक के अपने विचार हैं। सरकार को इस पर विचार करना चाहिए।

राशिफल

आज दिनांक 14 फरवरी, 2025, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2081, फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष द्वितीया, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र, तैतिल करण, अतिगंड योग, राहुकाल: सुबह 11:16 से 12:40 बजे तक, सूर्योदय सुबह 7:03 बजे, सूर्यास्त सायं 6:18 बजे, चंद्रोदय रात 8.00 बजे, चंद्रास्त सुबह 8:32 बजे, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:18 बजे से 1:03 बजे, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:26 से 6:14 बजे तक, चंद्रमा सिंह राशि में संचार करेगा।

आप में से जो दफ्तर में ओवरटाइम कर रहे थे और ऊर्जा की कमी से जूझ रहे थे, आज उन्हें फिर वैसी ही समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीजें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए।

खाने में थोड़ा-सा तीखापन उसे और भी लजीज बना देता है, उसी तरह ऐसी परिस्थितियां आपको खुशियों की सही कीमत बताती हैं। अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें।

बहुत ज्यादा खाने से बचें और वजन पर नजर रखें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए खुशनुमा अहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके जरिए अपने सपने साकार होते देखेंगे।

स्वत: ही अपनी चिकित्सा करना घातक सिद्ध होगा। कोई भी औषधि लेने से पहले चिकित्सक की सलाह लें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ की संभावना है। हालात को काबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें।

आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं।

दूसरों की इच्छाएं आपकी अपना खयाल रखने की इच्छा से टकराएगी-अपने जज्बात को बांधें नहीं और वे काम करें जिससे आपको सुकून मिले। दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नजर रखें और जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। संबंधी आपके उदार स्वभाव का गलत फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है।

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान खींचेगा। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फायदा होगा। हो सकता है कि आप अपने परिवार के लोगों की सभी बातों से सहमत न हों, लेकिन आपको उनके तजुर्बे से सीखने की कोशिश करनी चाहिए।

व्यक्तिगत समस्याएं मानसिक शांति भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। अपने दिल की बात जाहिर करके आप खुद को काफी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे।

सेहत अच्छी रहेगी। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है।

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

विषय के रुझानों को समझने में करीबी आपकी मदद कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। वैवाहिक जीवन में सूखे-सर्दीले दौर के बाद आपको धूप नसीब हो सकती है।

संघर्ष का महत्व

एक बार एक किसान परमात्मा से बड़ा नाराज हो गया। कभी बाढ़ आ जाए, कभी सूखा पड़ जाए, कभी धूप बहुत तेज हो जाए तो कभी ओले पड़ जाएं। हर बार कुछ ना कुछ कारण से उसकी फसल थोड़ी खराब हो जाती थी। एक दिन बड़ा तंग आकर उसने परमात्मा से कहा - देखिए प्रभु, आप परमात्मा हैं, लेकिन लगता है आपको खेती बाड़ी की ज्यादा जानकारी नहीं है, एक प्रार्थना है कि एक साल मुझे मौका दीजिए, जैसा मैं चाहूं वैसा मौसम हो, फिर आप देखना मैं कैसे अन्न के भंडार भर दूंगा। परमात्मा मुस्कुराए और कहा - ठीक है, जैसा तुम कहोगे वैसा ही मौसम दूंगा, मैं दखल नहीं करूंगा। अब, किसान ने गेहूं की फसल बोई, जब धूप चाही, तब धूप मिली, जब पानी चाहा तब पानी। तेज धूप, ओले, बाढ़, आंधी तो उसने आने ही नहीं दी, समय के साथ फसल बढ़ी और किसान की खुशी भी, क्योंकि ऐसी फसल तो आज तक नहीं हुई थी। किसान ने मन ही मन सोचा अब पता चलेगा परमात्मा को कि फसल कैसे करते हैं, बेकार ही इतने बरस हम किसानों को परेशान करते रहे।

फसल काटने का समय भी आया, किसान बड़े गर्व से फसल काटने गया, लेकिन जैसे ही फसल काटने लगा ,एकदम से छाती पर हाथ रख कर बैठ गया! गेहूं की एक भी बाली के अंदर दाना नहीं था, सारी बालियां अंदर से खाली थीं, बड़ा दुखी होकर उसने परमात्मा से कहा - प्रभु ये क्या हुआ ? तब परमात्मा बोले- 'ये तो होना ही था , तुमने पौधों को संघर्ष का जरा सा भी मौका नहीं दिया। ना तेज धूप में उनको तपने दिया, ना आंधी ओलों से जूझने दिया, उनको किसी प्रकार की चुनौती का अहसास जरा भी नहीं होने दिया, इसीलिए सब पौधे खोखले रह गए। जब आंधी आती है, तेज बारिश होती है ओले गिरते हैं तब पौधा अपने बल से ही खड़ा रहता है, वो अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष करता है और इस संघर्ष से जो बल पैदा होता है वो ही उसे शक्ति देता है, ऊर्जा देता है, उसकी जीवटता को उभारता है। सोने को भी कुंदन बनने के लिए आग में तपने, हथौड़ी से पिटने,गलने जैसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है तभी उसकी स्वर्णिम आभा उभरती है, उसे अनमोल बनाती है। '

इसी तरह जिंदगी में भी अगर संघर्ष ना हो, चुनौती ना हो तो आदमी खोखला ही रह जाता है, उसके अंदर कोई गुण नहीं आ पाता। ये चुनौतियां ही हैं जो आदमी रूपी तलवार को धार देती हैं, उसे सशक्त और प्रखर बनाती हैं, अगर प्रतिभाशाली बनना है तो चुनौतियां तो स्वीकार करनी ही पड़ेंगी, अन्यथा हम खोखले ही रह जाएंगे। अगर जिंदगी में प्रखर बनना है, प्रतिभाशाली बनना है, तो संघर्ष और चुनौतियों का सामना तो करना ही पड़ेगा।

सुडोकु 2022

						6		
3	4				7			
5			6			2	3	
1			9		5		4	
					8			2
		7		1		8		
					4	9	5	
							2	
4	9		5	7	1			8

संकेत: आड़े, खड़े व 3 गुणा 3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। उत्तर अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

सुडोकु 2021 का हल

1	2	9	8	6	3	4	7	5
3	4	6	7	9	5	1	2	8
5	7	8	1	2	4	9	6	3
9	1	5	2	4	8	7	3	6
2	8	7	9	3	6	5	1	4
4	6	3	5	7	1	2	8	9
8	5	2	3	1	9	6	4	7
6	3	1	4	5	7	8	9	2
7	9	4	6	8	2	3	5	1

विविध

जेडीए की नवसृजित अटल विहार आवासीय योजना की लॉटरी आज

महानगर संवाददाता

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नवसृजित योजना अटल विहार आवासीय योजना की लॉटरी 14 फरवरी को नागरिक सेवा केंद्र में दोपहर 2 बजे निकाली जाएगी।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि जविप्रा द्वारा जोन-12 में कालवाड रोड पर चक पीथावास उर्फ नारी का बास में अटल विहार आवासीय योजना विकसित की गई है। योजना में ऑनलाइन आवेदन दिनांक 18.12.2024 से 08.02.2025 तक आमंत्रित किए गए। योजना में कुल 284 भूखंड है। उक्त योजना में 45 व.मी. तक के भूखंडों की संख्या 43, 46-75 व.मी. तक के भूखंडों की संख्या 99, 76-120 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्या 11, 121-220 वर्ग मीटर तक के भूखंडों की संख्या 96 एवं 220 वर्ग मीटर से अधिक भूखंडों की संख्या 35 है। योजना की आरक्षित दर रुपए 14,000 प्रति व.मी. निर्धारित है एवं रेरा पंजीयन क्रमांक RAJ/P/2023/2361 है। लॉटरी के समय इच्छुक आवेदक उपस्थित रह सकते है। आवेदकों का प्रवेश जेडीए गेट नं. 3, जेएलएन मार्ग से रहेगा एवं बैठने की व्यवस्था जेडीए गेट नं. 3 के पास उत्तरी लॉन में की गई है।

पूर्व सांसद करण सिंह के जन्मदिन पर लगे शिविरों में 383 यूनिट रक्त संग्रहित

महानगर संवाददाता

जयपुर। जन कल्याण युवा संस्था की ओर से पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव का जन्म पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान राज्य में अनेक स्थानों पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। साथ ही जयपुर, अलवर, पिलानी, बहरोड व नीमराणा में अलग-अलग स्थानों पर रक्तदान शिविर लगाए गए। इन शिविरों में 383 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। जन कल्याण युवा संस्था के प्रदेशाध्यक्ष हृदय शल्य चिकित्सक डॉ. रामगोपाल यादव ने बताया कि संस्था की ओर से जन्म पखवाड़े के तहत सात स्थानों पर रक्तदान शिविर लगाए गए थे। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रामगोपाल यादव ने बताया कि इस मौके पर दैनिक व्यायाम विषयक संगोष्ठी तथा पोस्टर विमोचन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। वहीं पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव के जन्म दिवस पर बहरोड व नीमराणा में कन्या पूजन कर प्रत्येक कन्या को 2100 रुपए का चेक भेंट किया गया है।

एयर फोर्स स्टेशन ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत किया जागरूक

महानगर संवाददाता

जयपुर। एयर फोर्स स्टेशन जयपुर की ओर से 10 से 13 फरवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवधि में यातायात नियमों की जागरूकता, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और जीवन बचाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन गुरुवार को एयर फोर्स स्टेशन जयपुर-जल महल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एवं स्टेशन मास्टर विनय भारद्वाज रहे। समारोह के दौरान परिवहन निरीक्षक दिनेश सिंह फौजदार ने लाइसेंस प्रणाली और सड़क दुर्घटनाओं के घातक कारणों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके अलावा, मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी की डायरेक्टर नेहा खुल्लर ने सड़क सुरक्षा कानून और मोटर वाहन ड्राइविंग नियमों पर व्याख्यान दिया, जबकि मुस्कान फाउंडेशन के प्रशिक्षक समीर नैणावत ने यातायात संकेतों (साइनज) की महत्ता पर जागरूकता बढ़ाई। इस दौरान एयर फोर्स स्कूल के छात्रों को सड़क सुरक्षा पर पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

विधायक कालीचरण सराफ ने किया सीवर लाइन व सीसी सड़कों का लोकार्पण

महानगर संवाददाता

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने गुरुवार को वार्ड 140 शारदा कॉलोनी विस्तार में नगर निगम ग्रेटर के द्वारा डाली गई सीवर लाइन एवं नवनिर्मित सीसी सड़कों का रिबिन काटकर लोकार्पण किया। स्थानीय नेता प्रेम बड़ेतिया ने बताया कि शारदा कॉलोनी विस्तार में काफी समय से सड़क क्षतिग्रस्त थी। सराफ के प्रयास से नगर निगम ग्रेटर के द्वारा नई सीवरेज लाइन डाली गई एवं सीसी सड़कों का नवीनीकरण करवाया गया। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने सराफ का माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष महेश नगर दीनदयाल सैनी, सुभाष अग्रवाल, उषा पारीक, मनमोहन सोनी, राजसिंह गोपालिया, विमला कुमावत, पंकज शर्मा, शिखर चंद जैन, तरुण गॉड, आत्माराम खड़िया, रामकिशोर कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

विधायक जाखल ने गोपीनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

नवलगढ़ (मसं.)। महाकुंभ प्रयागराज में स्नान करके लौटने पर विधायक विक्रम सिंह जाखल ने मुकुंदगढ़ के नगर सेठ गोपीनाथ मंदिर में जल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मुकुंदगढ़ नगरपालिका चेयरमैन मनीष चौधरी, पूर्व घोडीवारा सरपंच हेमन्त सिंह, पार्षद कपिल सैनी, पार्षद प्रेम गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, पंकज गुर्जर, राजू सोनी, उपेंद्र गुर्जर, पंकज गुर्जर, विक्रम गुर्जर, मदन शर्मा, विक्रम गुर्जर, मुकुल गुर्जर व अन्य मौजूद रहे।

डब्ल्यूपीएल का रोमांच आज से

महिला प्रीमियर लीग: 5 टीमों के बीच होगी टक्कर, 4 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। इंतजार की घड़ियां खत्म होने वाली हैं। शुक्रवार से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के तीसरे सीजन का आगाज होने जा रहा है। फाइनल 15 मार्च को खेला जाएगा।

पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना गुजरात जायंट्स से होगा। तीसरे सीजन के सभी मैच 4 वेन्यू पर खेले जाएंगे। मुकाबले वडोदरा, बेंगलुरु, लखनऊ और मुंबई में होंगे। तीसरे सीजन में ग्रुप स्टेज में 20 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद दो नॉकआउट गेम होंगे।

डब्ल्यूपीएल 2025 का फॉर्मेट

डब्ल्यूपीएल 2025 राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेला जाएगा। जिसके बाद नॉकआउट स्टेज होगा। पांच टीमों में से प्रत्येक टीम राउंड-रॉबिन स्टेज के दौरान दो बार अन्य टीमों का सामना करेगी। जीतने वाली टीम को 2 अंक मिलेंगे।

अगर कोई मैच रद हो जाता है, तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा। राउंड-रॉबिन स्टेज के बाद अंक तालिका में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल में सीधे एंट्री करेगी। वहीं दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर मैच खेलेंगी। एलिमिनेटर की विनर टीम फाइनल में जगह बनाएगी।

15 मार्च को खेला जाएगा फाइनल

डब्ल्यूपीएल 2025 टीमें
- गुजरात जायंट्स
- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- मुंबई इंडियंस
- दिल्ली कैपिटल्स
- - यूपी वारियर्स

डब्ल्यूपीएल 2025 शेड्यूल

वडोदरा- कोटाम्बी स्टेडियम
- 14 फरवरीः गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, शाम 7.30 बजे
- 15 फरवरीः मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स, शाम 7.30 बजे
- 16 फरवरीः गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वारियर्स, शाम 7.30 बजे
- 17 फरवरीः दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, शाम 7.30 बजे
- 18 फरवरीः गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस, शाम 7.30 बजे
- 19 फरवरीः यूपी वारियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, शाम 7.30 बजे

बेंगलुरु - एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम
- 21 फरवरीः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस, शाम 7.30 बजे
- 22 फरवरीः दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वारियर्स, शाम 7.30 बजे
- 24 फरवरीः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वारियर्स, शाम 7.30 बजे
- 25 फरवरीः दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जाइंट्स, शाम 7.30 बजे
- 26 फरवरीः मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वारियर्स, शाम 7.30 बजे
- 27 फरवरीः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स, 7.30 बजे
- 28 फरवरीः दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस, शाम 7.30 बजे
- 1 मार्चः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स, शाम 7.30 बजे

लखनऊ - इकाना क्रिकेट स्टेडियम
- 3 मार्चः यूपी वारियर्स बनाम गुजरात जायंट्स, शाम 7.30 बजे
- 6 मार्चः यूपी वारियर्स बनाम मुंबई इंडियंस, शाम 7.30 बजे
- 7 मार्चः गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, शाम 7.30 बजे
- 8 मार्चः यूपी वारियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, शाम 7.30 बजे

मुंबई - ब्रेबॉर्न स्टेडियम
- 10 मार्चः मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जाइंट्स, शाम 7.30 बजे
- 11 मार्चः मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, शाम 7.30 बजे
- नॉकआउट मैच - ब्रेबॉर्न स्टेडियम, मुंबई
- 13 मार्चः एलिमिनेटर, शाम 7.30 बजे
- 15 मार्चः फाइनल, शाम 7.30 बजे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नए कप्तान बने रजत पाटीदार

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी के 2024-25 सीजन में मप्र के रह चुके कैप्टन

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। रजत पाटीदार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के नए कप्तान बनाए गए हैं। फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को एक्स पोस्ट के जरिए रजत को नया कप्तान घोषित किया। इससे पहले विराट कोहली को कप्तान बनाए जाने की अटकलें थी, हालांकि ऐसा नहीं हुआ। फ्रेंचाइजी ने कोहली का एक वीडियो शेयर किया, इसमें उन्होंने पाटीदार को कप्तान बनाए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि रजत मैं और टीम के अन्य सदस्य आपके साथ हैं। जिस तरह से आपने इस फ्रेंचाइजी में प्रगति की है और जिस तरह से आपने प्रदर्शन किया है, आपने सभी आरसीबी प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई है। आप इसके हकदार हैं।

31 साल के पाटीदार फाफ डु प्लेसिस की जगह लेंगे। डु प्लेसिस ने 2022 से 2024 के सीजन में आरसीबी की कप्तानी की थी, लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें 2025 के लिए रिटेन नहीं किया था। रजत 2021 से टीम के साथ हैं। फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा ऑक्शन-2024 से पहले रिटेन किया था। रजत सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी के 2024-25 सीजन में मध्य प्रदेश के कप्तान रहे हैं।

'कोहली का अनुभव कप्तान की भूमिका में करेगा मदद': हमारे पास लीडर्स का एक ग्रुप है। उनके अनुभव नए रोल में मेरी मदद करेंगे। मेरे लिए यह क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक (कोहली) से सीखने का शानदार मौका है। उनका अनुभव कप्तान की भूमिका में मेरी मदद करेगा। रजत पाटीदार ने मप्र को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 के फाइनल में पहुंचाया था। मप्र की टीम को फाइनल मुकाबले में मुंबई ने 5 विकेट से हराया था, जिसमें रजत ने 81 रनों की नाबाद पारी खेली थी, लेकिन अपनी टीम को चैंपियन नहीं बना सके। रजत ने इस सीजन में 9 मैचों में 61.14 की एवरेज से 428 रन बनाए थे। वे अजिंक्य रहाणे के बाद टॉप स्कोरर रहे। रहाणे ने 8 मैचों में 469 रन बनाए।

भारत चैंपियंस ट्रॉफी से पहले नहीं खेलेगा अभ्यास मैच, बीसीसीआई ने लिया फैसला

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3-0 से हराने वाली भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेगी। इस आईसीसी टूर्नामेंट का आयोजन 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में होगा। भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा, क्योंकि उसने इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया था। अभ्यास मैच 14 से 17 फरवरी के बीच खेले जाएंगे।

भारतीय टीम कल पहुंचेगी दुबई: पाकिस्तान ने तीन शहीन्स (पाकिस्तान ए टीम) टीम की घोषणा की, जो बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभ्यास मैच नहीं खेलने का फैसला किया है, क्योंकि भारत इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की वनडे सीरीज खेल रहा था जो बुधवार को ही संपन्न हुई है। भारतीय टीम को 15 फरवरी को दुबई पहुंचना है। अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश तीन अभ्यास मैच 14 और 17 फरवरी को खेलेंगे। अफगानिस्तान 16 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी अभ्यास मैच खेलेगा।

अन्य टीमें खेलेंगी अभ्यास मैच: दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड पहले ही पाकिस्तान में घरेलू टीम के साथ त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं। शादाब खान 14 फरवरी को लाहौर में अफगानिस्तान के खिलाफ शाहीन्स टीम की अगुआई करेंगे, जबकि 17 फरवरी को कराची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में शाहीन्स टीम की कमान मुहम्मद हुरैरा के हाथ में होगी। दुबई में 17 फरवरी को ही बांग्लादेश के खिलाफ शाहीन्स टीम की कप्तानी मोहम्मद हारिस करेंगे। न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच अभ्यास मैच 16 फरवरी को कराची में खेला जाएगा। सभी अभ्यास मैच दिन-रात्रि के होंगे।

भारत का पहला लीग मैच बांग्लादेश से

भारत अपना पहला लीग स्टेज का मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 23 फरवरी को पाकिस्तान से मुकाबले के बाद टीम इंडिया को सात दिन का आराम मिलेगा। इसके बाद दो मार्च को भारतीय टीम न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। भारत ने पिछली बार चैंपियंस ट्रॉफी 2013 में जीती थी, तब महेंद्र सिंह धोनी टीम के कप्तान थे। वहीं बारिश के कारण 2002 में फाइनल रद्द हो गया था। तब भारत और श्रीलंका संयुक्त विजेता रहे थे। भारतीय टीम कुल मिलाकर चार बार फाइनल में पहुंच चुकी है। 2013 व 2002 के अलावा ऐसा 2000 और 2017 में हुआ था।

ऋषभ पंत को नहीं मिलेगी जगह

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली। यह टीम इंडिया के लिए 50 ओवर फॉर्मेट में खेली जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले आखिरी वनडे सीरीज थी। इस सीरीज के जरिए भारतीय टीम ने कहीं ना कहीं चैंपियंस ट्रॉफी के लिए प्लेइंग इलेवन तय कर ली होगी। वनडे सीरीज के तीनों ही मुकाबलों में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मौका नहीं मिला। अब उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में भी मौका मिलना भी नामुकिन सा लग रहा है। इस बात को टीम इंडिया के हैड कोच गौतम गंभीर ने कहीं ना कहीं साफ कर दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद मीडिया से बात करते हुए गौतम गंभीर ने कहा कि केएल राहुल नंबर वन विकेटकीपर हैं और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा पंत के बारे में हैड कोच ने कहा कि वक्त आने पर उन्हें मौका मिल सकता है। गंभीर ने कहा कि अंततः किसी एक के बारे में बात करना काफी मुश्किल है, लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि अगर वह टीम का हिस्सा हैं तो वक्त आने पर उन्हें मौका मिल सकता है, लेकिन फिलहाल जाहिर तौर पर केएल राहुल नंबर वन विकेटकीपर हैं।

टी-20 के बाद वनडे सीरीज हारने पर पीटरसन ने इंग्लैंड को लताड़ा

महानगर संवाददाता

अहमदाबाद। पूर्व स्टार बल्लेबाज केविन पीटरसन ने भारत दौरे पर अभ्यास की कमी के लिए इंग्लैंड टीम पर निशाना साधते हुए कहा कि खिलाड़ियों को नेट गेंदबाजों का सामना करना चाहिए था और स्पिन खेलने की अपनी क्षमता पर काम करना चाहिए था। इंग्लैंड के लिए भारत का सीमित ओवरों का दौरा बेहद निराशाजनक रहा, जिसमें टीम को टी-20 श्रृंखला 1-4 से गंवाने के बाद एकदिवसीय श्रृंखला में 0-3 से क्लीनस्वीप का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड ने पुणे व मुंबई में क्रमशः चौथे व पांचवें टी-20 मैच से पहले ट्रेनिंग नहीं की। टीम ने कटक व अहमदाबाद में दूसरे और तीसरे एक दिवसीय मैच से पहले भी ट्रेनिंग सत्र आयोजित नहीं किए। इससे निराश पीटरसन ने सोशल साइट 'एक्स' पर लिखा कि मुझे खेद है, लेकिन मैं इस बात से पूरी तरह हैरान हूं कि इंग्लैंड ने पहला एक दिवसीय मैच हारने और टी-20 श्रृंखला गंवाने के बाद से एक भी अभ्यास सत्र आयोजित नहीं किया।

केकेआर और आरसीबी में होगा आईपीएल का ओपनिंग मैच

22 मार्च से शुरुआत, ईडन गार्डन्स स्टेडियम में फाइनल

महानगर संवाददाता

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी। पिछली चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के होम ग्राउंड ईडन गार्डन्स में ओपनिंग और फाइनल मैच होगा। पहले मैच में केकेआर के सामने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) होगी। क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार आईपीएल का पूरा शेड्यूल 1 या 2 दिन में रिलीज किया जा सकता है।

फ्रेंचाइजी टीमों को अहम मैचों के बारे में बता दिया गया है। कोलकाता ने 2024 के फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआएच) को हराकर खिताब जीता था। हैदराबाद में इस बार प्लेऑफ के 2 मैच खेले जाएंगे। हैदराबाद भी होमग्राउंड से करेगा शुरुआत 17वें सीजन की रनर-अप सनराइजर्स हैदराबाद भी अपने अभियान की शुरुआत होमग्राउंड उप्पल से ही करेगी। 23 मार्च को उनका सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा, मैच दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा। दोनों टीमें पिछले सीजन के क्वालिफायर-2 में भी भिड़ी थीं। हैदराबाद ने मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी। आईपीएल में डिफेंडिंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर ओपनिंग और फाइनल मैच होता है। इस बार भी कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में दोनों अहम मैच होंगे। फाइनल 25 मई को खेला जाएगा। कोलकाता में ही क्वालिफायर-2 भी होगा। वहीं पिछली रनर-अप एसआरएच के होमग्राउंड हैदराबाद में क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर खेला जाएगा।

आरसीबी और केकेआर नए कप्तान की लीडरशिप में उतरेगी

आरसीबी ने गुरुवार को ही अपने नए कप्तान की जानकारी दी। मध्य प्रदेश के रजत पाटीदार 18वें सीजन में टीम की कप्तानी करेंगे। केकेआर भी नए कप्तान को लेकर टूर्नामेंट खेलेगी। पिछले कप्तान श्रेयस अय्यर इस सीजन पंजाब किंग्स से खेलेंगे, इसलिए केकेआर को नया कप्तान चुनना ही होगा।

राजस्थान लेखा सेवा महिला टीम ने जीती सीएस चैलेंजर कप बैडमिंटन ट्रॉफी

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थान लेखा सेवा महिला टीम ने सीएस चैलेंजर कप बैडमिंटन ट्रॉफी पर तीसरी बार कब्जा किया है। एसएमएस स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में राजस्थान लेखा सेवा महिला अधिकारी टीम ने चिकित्सा सेवा की डॉक्टर्स टीम को 2-0 से हराया। लेखा सेवा ने लगातार तीसरे साल यह ट्रॉफी जीती है। फाइनल मैच में राजस्थान लेखा सेवा की लेखाधिकारी (परिवहन) सुनिता सैनी व लेखाधिकारी (कोषाधिकारी) जयपुर शहर महिमा और एसएमएस हॉस्पिटल की डॉ. अक्षी व डॉ. भारती के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। विजेताओं को मुख्य सचिव सुधांश पंत ने ट्रॉफी प्रदान की। फाइनल मैच में मुख्य सचिव सुधांश पंत, कार्मिक सचिव केके पाठक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मालिनी अग्रवाल, संभागीय आयुक्त पूनम, जयपुर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नाम-परिवर्तन

मेरा नाम सुरज्ञान सोनी उर्फ सुमन सोनी पत्नी अमरचंद सोनी है। भविष्य में मुझे एक ही नाम सुरज्ञान सोनी से जाना व पहचाना जावेगा,
15 बालाजी विहार, जयसिंह पुरा ,कुंड रोड, खोर, जयपुर।
मोबाइल 8769143881

खोया-पाया

सुमित कॉलोनाइजर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सर्जित योजना गंगा विहार एक्लेव निजी खातेदार के भूखण्ड संख्या 218 ए का मूल साइट प्लान 7 नंबर बस स्टैंड जगतपुरा के आस-पास खो गया है मिलने पर सूचित करें। श्रीमती प्रेम पत्नी स्व. जगदीश नारायण रैगर मो.नं.-9001944433

कृषि उपज मण्डी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण

ई-मेल : kusm.jaipurfv@rajasthan.gov.in
क्रमांक : 3141 दिनांक : 07.02.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर टर्मिनल मार्केट मुहाना में फर्म मैसर्स बाबा भगवानदास फ्रूट एण्ड वेजीटेबल मर्चेन्ट को आवंटित भूखण्ड संख्या डी-243 के मालिक श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री मोहन लाल शर्मा का दिनांक 25.10.2024 को स्वर्गवास उपरान्तर पंजिकृत वसीयतनामा दिनांक 21.04.2022 के आधार पर उनके वारिस श्री आकाश चौधरी पुत्र श्री जयप्रकाश चौधरी द्वारा आवंटित भूखण्ड में उत्तराधिकारी के रूप में नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः स्व. श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री मोहन लाल शर्मा मालिक मैसर्स बाबा भगवानदास फ्रूट एवं वेजीटेबल मर्चेन्ट आवंटित भूखण्ड संख्या डी-243 मुख्य मण्डी यार्ड टर्मिनल मार्केट मुहाना के स्वर्गवास उपरान्त प्रार्थी श्री आकाश चौधरी पुत्र श्री जयप्रकाश चौधरी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र मय पंजिकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदन कर्ता का नाम भूखण्ड संख्या डी-243 टर्मिनल मार्केट एवं उससे सम्बन्धित रिकॉर्ड में मालिक के रूप में दर्ज करने पर किसी को कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में 15 दिवस में प्रस्तुत करे। अवधि समाप्त होने के उपरान्त प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

सचिव
कृ.उ.म.स. (फ.स.) जयपुर

ममता कुलकर्णी 2 दिन बाद फिर महामंडलेश्वर बनीं, इस्तीफा नामंजूर

बोलीं- गुरु डॉ. लक्ष्मी त्रिपाठी पर आरोप लगने से दुखी थीं

महानगर संवाददाता

प्रयागराज। ममता कुलकर्णी 2 दिन बाद फिर किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बन गईं। उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। गुरुवार को वीडियो जारी करते हुए कहा, 'उनकी गुरु डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने इस्तीफा स्वीकार नहीं किया।'

ममता ने दो दिन पहले इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर महामंडलेश्वर पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था, 'किन्नर अखाड़े में लोग आपस में झगड़ रहे हैं। इससे दुखी हूं।'

आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी त्रिपाठी ने कहा, 'ममता कुलकर्णी को हमने महामंडलेश्वर बनाया था। वह किन्नर अखाड़े में थीं, हैं और आगे भी रहेंगी।'

प्रयागराज महाकुंभ में 24 जनवरी को ममता को महामंडलेश्वर बनाया गया था। ममता को नया नाम श्रीयामाई ममता नंद गिरि मिला था। करीब 7 दिन तक वह महाकुंभ में ही रहीं।

दोबारा महामंडलेश्वर पद लेने पर ममता ने कहा, 'मैं श्रीयामाई ममता नंद गिरि। दो दिन पहले मेरे पट्टा गुरु लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी पर कुछ लोगों ने गलत आक्षेप लगाए थे। इस भावना में आकर मैंने अपने पद से इस्तीफा दिया, लेकिन उन्होंने इस्तीफा नामंजूर कर दिया और जो गुरु भेंट मैंने आचार्य लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी को दी थी, वो एक महामंडलेश्वर बनने के बाद जो छत्र, छड़ी और चंवर होते हैं, उसके लिए थे। जो थोड़े बचे, वो भंडारे के लिए समर्पित किया था। मैंने उनकी कृतज्ञ हूं कि उन्होंने वापस इस पद पर बैठाया। आगे चलकर मैं अपना जीवन किन्नर अखाड़ा और सनातन धर्म के लिए समर्पित करूंगी।'

महाकुम्भ में पहुंच रहे फिल्मी सितारे, कांग्रेसी नेता

महानगर संवाददाता

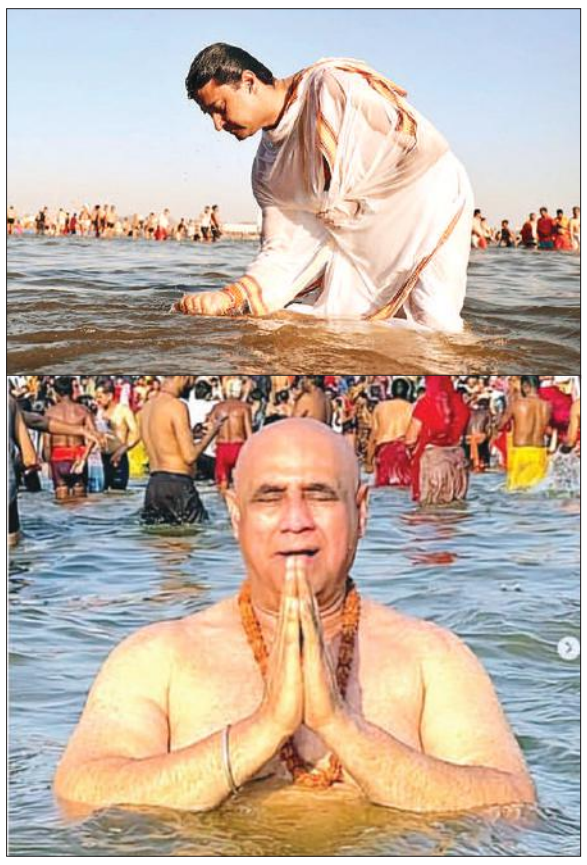

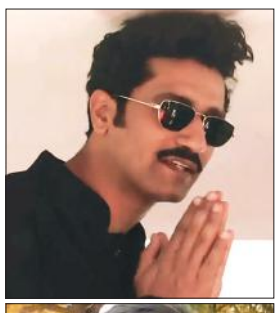

प्रयागराज। संगम तट पर चले महाकुम्भ में चौथे अमृत स्नान के बाद अब सेलेब्रिटीज का आगमन शुरू हो गया है। इसके साथ ही कुछ कांग्रेसी नेता भी महाकुम्भ पहुंच कर स्नान का पुण्य प्राप्त कर रहे हैं। गुरुवार को फिल्म जगत के बड़े कलाकार विवेक ओबराय व विक्की कौशल ने संगम में डुबकी लगाई। वहीं, महाराष्ट्र की फायरब्रांड नेत्री और पूर्व एक्ट्रेस नवनीत राणा ने भी संगम में स्नान किया। कांग्रेसी नेताओं की बात करें तो मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट तथा छत्तीसगढ में विपक्ष के विधायक वहां के सीएम के साथ महाकुम्भ में पहुंचे।

शुक्रवार को शिवाजी महाराज के पुत्र सम्भाजी महाराज की जीवनी पर आधारित फिल्म छावा की रिलीज के पहले गुरुवार को एक्टर विक्की कौशल ने तीर्थराज प्रयागराज पहुंचकर संगम में पवित्र डुबकी लगाई और फिल्म की सफलता की कामना की। विक्की कौशल गुरुवार को दोपहर अरैल घाट से क्रूज में सवार होकर संगम स्थल गए, जहां उन्होंने पवित्र डुबकी लगाई। उन्होंने मीडिया को दिए संक्षिप्त इंटरव्यू में महाकुम्भ का हिस्सा बनने के लिए खुद को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि वह कई दिन से इस अवसर की प्रतीक्षा में थे और आज जाकर उनकी यह इच्छा पूरी हो सकी। गुरुवार को ही एक्टर विवेक ओबराय भी महाकुम्भ मेला क्षेत्र में स्थापित परमार्थ निकेतन के शिविर में पहुंचे और सपरिवार उन्होंने संगम में डुबकी लगाते हुए इस पूरे अनुभव को अभूतपूर्व करार दिया। उन्होंने इस अवसर को अपने बच्चों के अंदर आध्यात्मिक गुणों को विकसित करने और अपने साथ ही परिवार की आध्यात्मिक शक्तियों को जागृत करने का भी माध्यम बताया। इनके अलावा नवनीत राणा, शिवमणि, पुनीत इस्सर समेत कई सितारों ने भी यहां स्नान किया। पिछले दो दिनों में पंकज त्रिपाठी व सुनील शेट्टी जैसे दिग्गजों समेत कई कलाकार महाकुम्भ में डुबकी लगाकर खुद को धन्य बता चुके हैं।

माघ पूर्णिमा स्नान के तुरंत बाद साफ हो गए घाट

माघ पूर्णिमा के स्नान पर्व के बाद संगम घाटों की सफाई को लेकर मेला प्रशासन ने एक बार फिर अपनी तत्परता साबित की। स्नान पर्व समाप्त होने के बाद शाम को ही सफाईकर्मियों की टीम ने व्यापक सफाई अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप रातों-रात संगम घाट फिर से स्वच्छ और सुंदर नजर आने लगे। उल्लेखनीय है कि माघ पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को 2 करोड़ से ज्यादा लोगों ने संगम स्नान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने फूल, माला, कपड़े, खाना घाट पर ही छोड़ दिया। साथ ही बड़ी संख्या में शौचालयों का भी उपयोग किया गया। मेला प्रशासन ने घाटों पर भीड़ घटने के बाद सफाई अभियान चलाया और सुबह तक एक बार फिर घाटों को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सफलता प्राप्त की।

पायलट और दिग्विजय सिंह ने किया स्नान

महाकुम्भ को लेकर कांग्रेस आलाकमान के नेता चाहे कैसे भी बयान दे रहे हों, लेकिन पार्टी नेता यहां पहुंच कर धर्मलाभ ले रहे हैं। गुरुवार को मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट यहां स्नान के लिए पहुंचे। वहीं उत्तर प्रदेश और राजस्थान कैबिनेट के बाद छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में 166 सदस्यीय दल त्रिवेणी संगम में स्नान करने पहुंचा। इसमें विपक्षी दल के विधायक भी बड़ी संख्या में शामिल रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव ने महाकुम्भ के दिव्य-भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने त्रिवेणी में डुबकी लगाने के साथ ही अपने प्रदेश की जनता के कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की।

मणिपुर में सीआरपीएफ जवान ने की 2 साथियों की हत्या

खुद को भी गोली मारी, घटना में 8 जवान घायल, कारणों की जांच जारी

महानगर संवाददाता

इंफाल। मणिपुर के एक कैंप में गुरुवार में एक सीआरपीएफ जवान ने अपने दो साथियों की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। इस घटना में आठ अन्य जवान घायल हुए हैं। सभी को इम्फाल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में भर्ती कराया गया है।

इम्फाल वेस्ट जिले के लामफेल स्थित सीआरपीएफ कैंप में गुरुवार रात करीब 8.20 बजे यह घटना हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी हवलदार संजय कुमार ने अपनी सर्विस राइफल से गोलीबारी की, जिसमें एक कॉन्स्टेबल और एक सब-इंस्पेक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी जवान सीआरपीएफ की 120वीं बटालियन का सदस्य था। फिलहाल घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सीआरपीएफ की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

सीआरपीएफ के अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया

अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले में क्या वजह थी, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। सीआरपीएफ के अधिकारियों ने कैंप में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। जवानों के मानसिक स्वास्थ्य और कार्य क्षेत्र में तनाव को कम करने के उपायों पर भी विचार किया जा सकता है।

राहुल-केजरीवाल से मिले आदित्य ठाकरे

बोले- इलेक्शन फेयर नहीं, हमें साथ रहना होगा

चुनाव आयोग के आशीर्वाद से दिल्ली में जीती भाजपा

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने दिल्ली दौरे के दौरान गुरुवार को राहुल गांधी और केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी सांसदों को सोचना चाहिए कि हमारा अगला कदम क्या होगा, क्योंकि हमारे लोकतंत्र में इलेक्शन अब फेयर और निष्पक्ष नहीं रह गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि केजरीवाल ने 10 साल में बहुत काम किए हैं, जिन्हें जनता जानती है। भाजपा को चुनाव आयोग का आशीर्वाद था, इसी वजह से दिल्ली में जीती है। उसे चुनाव आयोग का आभार करना चाहिए। दिल्ली में काफी जगह वोट काटे गए थे, चुनाव आयोग ने लोगों से वोट डालने का अधिकार छीना है।

चुनाव आयोग ने कई राज्यों में की हेराफेरी

आदित्य ठाकरे ने चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र, हरियाणा, ओडिशा और दिल्ली सहित कई राज्यों में मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने लोगों के वोट देने के अधिकार को छीन लिया है और वह इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए भी तैयार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष इस मामले को औपचारिक रूप से उठाएगा। साथ ही ठाकरे ने जोर देकर कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव देश के लिए जरूरी हैं। ठाकरे ने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन रिश्ते बने रहते हैं। हमने केजरीवाल से दोस्ती के संकेत के तौर पर बैठक की। इसमें शिवसेना (बीटी) संजय राउत और प्रियंका चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। मीटिंग में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव और विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के भविष्य पर चर्चा की।

चुनाव की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

हमें लगता है कि देश में अब लोकतंत्र नहीं रहा। केजरीवाल और कांग्रेस के साथ जो हुआ, वह भविष्य में नीतीश, आरजेडी और चंद्रबाबू नायडू के साथ भी हो सकता है।

आईएनडीआईए में कोई एक नेता नहीं

भारत गठबंधन का नेतृत्व संयुक्त है। कोई एक नेता नहीं है। यह अहंकार या किसी के लाभ की लड़ाई नहीं है, बल्कि देश के भविष्य की लड़ाई है।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्रदास को दी गई जल समाधि

अयोध्या में बैंड-बाजे के साथ निकली अंतिम यात्रा, राम मंदिर के रास्ते नहीं गुजरी

महानगर संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्रदास को जल समाधि दी गई। उनके पार्थिव शरीर को 25-25 किलो बालू से भरी 4 बोरियों से बांधा गया। फिर सरयू की बीच धारा में शरीर को प्रवाहित कर दिया गया। आचार्य सत्येंद्रदास का बुधवार को 80 साल की उम्र में निधन हो गया था। इससे पहले, पार्थिव शरीर पालकी से लता मंगेशकर चौक होते हुए सरयू घाट लाया गया। इस दौरान उनके शिष्य प्रदीप और विजय साथ रहे। पहले पार्थिव शरीर को सरयू में स्नान कराया गया। इसके बाद संत तुलसीदास घाट पर जल समाधि दी गई। दोपहर करीब 12 बजे सत्येंद्र दास का पार्थिव शरीर रथ पर रखा गया। फिर बैंड-बाजे के साथ अंतिम यात्रा शुरू हुई। इस दौरान लोगों ने फूल बरसा कर उन्हें अंतिम विदाई दी। श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते आचार्य सत्येंद्रदास की अंतिम यात्रा राम मंदिर के सामने से नहीं निकाली गई। आचार्य के अंतिम दर्शन के लिए सरयू घाट के किनारे हजारों लोग कई घंटे तक खड़े रहे। केंद्रीय मंत्री सतीश शर्मा और अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने भी आचार्य सत्येंद्र दास को श्रद्धांजलि दी। आचार्य सत्येंद्र दास ने बुधवार को लखनऊ पीजीआई में आखिरी सांस ली। 3 फरवरी को ब्रेन हेमरेज के बाद उनको अयोध्या से लखनऊ रेफर किया गया था।

अंतिम यात्रा में जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, निर्वाणी अनिअखाड़ा के पूर्व महंत धर्मदास, विधायक वेद गुप्ता, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, वशिष्ठ भवन के महंत राघवेश दास शामिल हुए।

पाकिस्तान बॉर्डर पर युद्धविराम लागू: सेना

किसी भी तरह की गोलीबारी नहीं हुई, हालात पर नजर

सीमापार से फायरिंग की थी खबर

महानगर संवाददाता

श्रीनगर। भारतीय सेना ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर युद्धविराम लागू है। दोनों सेना (भारत और पाकिस्तान) आपसी समझ बनाए हुए हैं। फिलहाल एलओसी पर कोई गोलीबारी नहीं हुई। कोई छोटी घटनाएं भी नहीं हुईं। पाकिस्तान आर्मी के अफसरों से इस मसले पर बात हो चुकी है। इंडियन आर्मी अलर्ट है और हालात पर नजर रखे हुए है। इससे पहले खबर आई थी कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में (एलओसी पर) बुधवार देर रात पाकिस्तान सैनिकों ने सीजफायर तोड़ा। पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में गोलीबारी की गई, हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ। एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी गोलीबारी का भारतीय सेना ने भी जवाब दिया। आर्मी सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना के जवाबी हमले में पाकिस्तान के कई सैनिकों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं, सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी अधिकारियों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दिख रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में 6 लोगों के मारे जाने की भी बात कही गई।

अमानतुल्लाह की तलाश में पुलिस, गिरफ्तारी से बचने के लिए आप विधायक ने कोर्ट से लगाई गुहार

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। राउज एवेन्यू कोर्ट आज अग्रिम जमानत पर सुनवाई कर सकता है। जामिया नगर में पुलिस टीम पर हमले का कथित तौर पर नेतृत्व करने के आरोप में अमानतुल्लाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है।

ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान व उनके समर्थकों के खिलाफ सोमवार को पुलिस टीम पर हमला करने, दंगा भड़काने और सरकारी काम में बाधा डालने आदि धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई अपराध शाखा की टीम की गिरफ्त से हत्या के प्रयास के आरोपी शाबाज खान को छुड़ाने पर की गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम देर शाम को पूछताछ करने विधायक के घर गई थी, लेकिन वह नहीं मिले। दरअसल अपराध शाखा की टीम जामिया नगर में बदमाश को पकड़ने गई थी। विधायक की मौजूदगी में पुलिस कार्रवाई में बाधा डाली गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अपराध शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सुनील कालखंडे की टीम पर हमला कर हत्या के प्रयास के आरोपी को छुड़ा लिया गया। विधायक भी उस समय वहां मौजूद थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान ने 23 हजार से ज्यादा के अंतर से जीत दर्ज की। यहां उन्होंने भाजपा के मनीष चौधरी को हराया। मनीष को कुल 65304 वोट मिले, अमानतुल्लाह को 88943 वोट मिले।

अभावों के बीच बेटियों ने पाया मुकाम

बेहद गरीबी और आर्थिक तंगहाली के बाद भी आसमान में हौसलों से भरी ऊंची उड़ान

खूंटी की 18 आदिवासी लड़कियों ने जेईई मेन 2025 परीक्षा पास कर रचा इतिहास

महानगर संवाददाता

खूंटी। जिले की 18 आदिवासी लड़कियों ने जेईई मेन 2025 परीक्षा पास कर इतिहास रच दिया है। यह पहली बार है कि राज्य के किसी केजीबीवी स्कूल में पढ़ने वाली इतनी सारी लड़कियों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की जेईई मेन परीक्षा पास की है। यह सभी बच्चियां अलग अलग प्रखंड क्षेत्र की रहने वाली हैं। किसी के पिता नहीं हैं तो किसी की मां नहीं है। कुछ लड़कियों के परिजन मजदूरी करते हैं तो किसी के परिजन सड़क किनारे दुकान लगाकर घर चलाते हैं।

जेईई मेन परीक्षा पास कर इन 18 बच्चियों ने जिले को एक पहचान देने का काम किया है। जेईई मेन परीक्षा पास कर चुकी छात्राओं का सपना है कि वो एक इंजीनियर बनें और बिखरे समाज के बीच शिक्षा को बढ़ावा दें। जिला प्रशासन खूंटी द्वारा चलाए जा रहे 'संपूर्ण शिक्षा कवच' अभियान के तहत खूंटी के कालामाटी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने प्रतिष्ठित जेईई मेन 2025 में सफलता हासिल की है। जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि की सराहना की है।

डीसी लोकेश मिश्रा ने छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डीसी ने कहा कि यह हमारे जिले के लिए गौरव का क्षण है। इन 18 छात्राओं ने साबित कर दिया है कि संसाधनों की कमी के बावजूद अगर उचित मार्गदर्शन और सहयोग मिले तो ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल छात्राओं की कड़ी मेहनत का नतीजा है, बल्कि शिक्षकों और जिला प्रशासन द्वारा 'संपूर्ण शिक्षा कवच अभियान' के तहत किए जा रहे निरंतर प्रयासों की पुष्टि भी करती है।

छात्राओं में खासा उत्साह है और जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना उन्होंने की है। स्कूल की वार्डन मीना बडाईक भी जिला प्रशासन के इस अभियान से उत्साहित हैं और इस जिले की बच्चियों को पढ़ाने में वो खुद को गौवान्वित महसूस करती हैं। खूंटी जिला प्रशासन इस सफलता को ग्रामीण शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में देख रहा है और भविष्य में भी छात्राओं को इसी तरह का सहयोग प्रदान करने के लिए कृतसंकल्पित है। दिलचस्प बात यह है कि इसी स्कूल की 23 छात्राएं जेईई मेन्स 2024 की परीक्षा में शामिल हुई थीं, जिनमें से 22 छात्राएं परीक्षा में सफल रहीं। इसी स्कूल की 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम के तहत इंजीनियरिंग की तैयारी कर रही दस लड़कियों ने भी जेईई मेन्स 2023 में सफलता हासिल की है।

उल्लेखनीय है कि आकांक्षी जिले खूंटी में कम महिला साक्षरता और विज्ञान के प्रति युवा लड़कियों के कम रुझान जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने अक्टूबर 2021 में खूंटी के केजीबीवी के कलामाटी केंद्र में 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम शुरू किया था। 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम के माध्यम से जिले में छात्राओं के लिए एक मजबूत शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के तहत, खूंटी के केजीबीआरवी में कक्षा 11वीं और 12वीं की छात्राओं को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन कोचिंग प्रदान की जा रही है ताकि इंजीनियरिंग और मेडिकल परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने में मदद मिल सके।

नेमाटोड के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए सेमिनार आयोजित

महानगर संवाददाता

जयपुर। पहली बार, देश भर से 100 से अधिक कृषि वैज्ञानिक नेमाटोड के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय सेमिनार में एकत्र हुए। नेमाटोड्स फसलों की भारी क्षति के कारण बनते हैं, जिससे हर साल लगभग 25,000 करोड़ रुपए की आर्थिक हानि होती है। हाल ही में सिंजेंटा इंडिया द्वारा आयोजित इस सेमिनार में विशेषज्ञों ने प्रभावी नेमाटोड प्रबंधन की तात्कालिक आवश्यकता पर जोर दिया।, ताकि मृदा स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सके। वैज्ञानिकों ने सरकार के कृषि-केंद्रित बजट की सराहना करते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान में अधिक निवेश और एक मजबूत अनुसंधान एवं विकास पाइपलाइन की मांग की। सेमिनार का उद्घाटन करते हुए, सुशील कुमार, कंट्री हेड और एमडी, सिंजेंटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कृषि चुनौतियों से निपटने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सिंजेंटा इंडिया में फसल सुरक्षा अनुसंधान एवं विकास के प्रमुख विनोद शिवरैन ने कहा, भारत में प्रमुख पौध परजीवी नेमाटोड्स के कारण होने वाली वार्षिक फसल हानि लगभग 19.6 प्रतिशत है, जो 25,000 करोड़ रुपये के बराबर है। इसके बावजूद, किसानों में नेमाटोड्स के बारे में जागरूकता बहुत कम है, जिससे इस मुद्दे से निपटने के लिए सभी हितधारकों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने नुकसान को कम करने और दीर्घकालिक कृषि उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए फसल चक्र, प्रतिरोधी पौधों की किस्मों और जैविक नियंत्रण एजेंटों सहित टिकाऊ प्रबंधन रणनीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य जागरूकता बढ़ाना, नवीनतम तकनीकों को प्रदर्शित करना और पौध परजीवी नेमाटोड्स से निपटने के लिए प्रभावी एवं टिकाऊ समाधान विकसित करना है। कॉरपोरेट क्षेत्र और अकादमिक संस्थानों के बीच भागीदारी के माध्यम से हम तकनीकी विशेषज्ञता और संसाधनों का उपयोग कर नेमाटोड-रोग जटिलता का अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सकते हैं।

दिल्ली पब्लिक स्कूल का नाम अब धारव हाई स्कूल

महानगर संवाददाता

जयपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), जयपुर का आधिकारिक नाम बदलकर धारव हाई स्कूल कर दिया गया है। दिल्ली पब्लिक स्कूल, जयपुर लंबे समय से इस क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित सीबीएसई संस्थान के रूप में जाना जाता है और शिक्षा के क्षेत्र में अपने अभिनव दृष्टिकोण के लिए विख्यात है। स्कूल का नया नाम धारव हाई स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ने के स्कूल के विजन के साथ ही बच्चों में रचनात्मकता, नेतृत्व और जिम्मेदारी का भाव पैदा करने के लिए अपने लोकाचार के प्रति ईमानदार बने रहने का प्रतीक है। स्कूल का नया नाम स्कूल के उस विजन को दर्शाता है

डीपीएस इंटरनेशनल गुरुग्राम और धारव हाई स्कूल की डायरेक्टर अदिति मिश्रा ने कहा, 'स्कूल का नाम बदलना महज प्रतीकात्मक नहीं है, अपितु रचनात्मकता, नेतृत्व और सामुदायिक सेवा को बढ़ावा देने वाली शिक्षा के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि है। यह नई पहचान ऐसे सर्वांगीण युवाओं को आकार देने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है जो न केवल शैक्षणिक रूप से निपुण हों, बल्कि दयालु, जिम्मेदार और सर्वांगीण व्यक्तित्व वाले भी हों।' प्रिंसिपल सीमा सहजपाल ने कहा, 'धारव हाई स्कूल ऐसे वातावरण का निर्माण करने के लिए समर्पित है जहां विद्यार्थी ऐसे उपकरणों से सुसज्जित हैं जो उनको न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करते हैं, बल्कि उन्हें सहानुभूति, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ जिम्मेदार व्यक्तियों के रूप में विकसित करते हैं। यह समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि हमारे विद्यार्थी न केवल पढ़ाई में कामयाब हों, बल्कि दयालु नेता के रूप में भी विकसित हों जो समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें।' प्रो. वाइस चेयरपर्सन देवयानी जयपुरिया ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान देने तक सीमित नहीं है। हमारा उद्देश्य ऐसी नई पीढ़ी तैयार करना है, जो नवाचारी, दयालु और जिम्मेदार हो। धारव हाई स्कूल के रूप में हमारी नई पहचान हमारे इसी विजन को दर्शाती है। यह बदलाव केवल नाम परिवर्तन नहीं है, बल्कि रचनात्मकता, नेतृत्व और सामाजिक सेवा को बढ़ावा देने वाली हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि भी है।

संक्षिप्त समाचार

'भारत खिलौने, फुटवियर विनिर्माण के लिए नई नीतियां लाएगा'

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का ऐलान

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने देश में उच्च तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत करीब 2 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, साथ ही सेमीकॉन मिशन के लिए 74,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

सरकार जल्द ही भारत में खिलौनों और जूतों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां पेश करेगी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही है। गोयल ने कहा इस कदम का उद्देश्य देश को इन क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाना है। बुधवार को बेंगलुरु में इन्वेस्ट कर्नाटक 2025- ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में बोलते हुए, गोयल ने खिलौना उद्योग में सरकार के प्रयासों पर भी बात कही। उन्होंने कहा, हमारे खिलौनों का आयात घटकर 50 प्रतिशत रह गया है। हमारा निर्यात अब 5 साल पहले की तुलना में 3.5 गुना है, और हम जल्द ही खिलौनों, जूतों में विनिर्माण को और बढ़ावा देने के लिए नीतियां लेकर आएंगे, ताकि हम इन क्षेत्रों में वैश्विक चैंपियन बन सकें। उन्होंने कहा कि आगामी नीतियां भारत में खिलौनों और जूतों के विनिर्माण के विकास को और बढ़ावा देंगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने देश में उच्च तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत करीब 2 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, साथ ही सेमीकॉन मिशन के लिए 74,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऑटो कंपोनेंट, सेमीकंडक्टर और टेक्सटाइल जैसे उद्योगों को मजबूत करना है, जो महत्वपूर्ण रोजगार अवसर पैदा करते हैं। गोयल ने भारत की आर्थिक वृद्धि में कर्नाटक की महत्वपूर्ण भूमिका और विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान वैश्विक क्षमता केंद्रों पर है, जिन्हें पूरे देश में स्थापित किया जा रहा है और कर्नाटक, विशेष रूप से बेंगलुरु में बड़ी संख्या में वैश्विक क्षमता केंद्र हैं और आने वाले वर्षों में और भी कई केंद्र बनेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को दोहराया, जो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने पर केंद्रित है।

राज्यसभा में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण

'बजट 2025-26 को बहुत ही कठिन समय में तैयार किया गया'

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को राज्यसभा में बजट बहस पर जवाब दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025-26 में कई क्षेत्रों और राज्यों के लिए आवंटन में कटौती के विपक्ष के आरोपों को निराधार करार देते हुए राज्यसभा में कहा कि आयकर सीमा बढ़ाने सहित बजट में घोषित विभिन्न उपायों से मध्यम वर्ग के लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी। सीतारमण ने कहा कि उच्च सदन में आम बजट पर चर्चा में 90 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि बजट में उन सभी समस्याओं को ध्यान में रखा गया है जो आज देश के समक्ष हैं।

उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों द्वारा ली जा रही उधारी के कारण ब्याज का बोझ एक समस्या है। उन्होंने कहा कि इससे उबरने के लिए बुद्धिमत्ता से राजकोषीय प्रबंधन करना आवश्यक उपाय है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने इस बार बजट इस प्रकार बनाया है, जिससे विकास को गति मिल सके, समावेशी विकास को हासिल किया जा सके, निजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिल सके, गृहस्थ लोगों की भावनाओं को बल दिया जा सके तथा भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्रय शक्ति बढ़ायी जा सके।

उन्होंने कहा कि बजट में चार वर्गों- गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि पूरी अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। सीतारमण ने कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय पर पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने पिछले साल के आंकड़े देते हुए कहा कि आगामी वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय में कोई कमी नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में प्रभावी पूंजीगत व्यय 19.80 लाख करोड़ रुपए रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि चर्चा में कुछ सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में बजटीय आवंटन घटाने की बात की थी। वित्त मंत्री ने इन आशंकाओं को निर्मूल करार देते हुए कहा कि क्षेत्रवार बजट आवंटन में कोई कमी नहीं की गयी है। वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपए, ग्रामीण विकास के लिए 2.67 लाख करोड़ रुपए, शहरी विकास एवं परिवहन के लिए 6.45 लाख करोड़ रुपए, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए 2.27 लाख करोड़ रुपए तथा रक्षा क्षेत्र के लिए 4.92 लाख करोड़ रुपए (इसमें रक्षा क्षेत्र का पेंशन व्यय शामिल नहीं है) का बजट आवंटन किया गया। उन्होंने कहा कि 2025-26 में राज्यों को दिये गये कुल संसाधनों का मूल्य 25.01 लाख करोड़ रुपए होगा और इस प्रकार इसमें 4.92 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने कोविड संकट को संभाला और भारत दुनिया की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया, जबकि इससे पहले वैश्विक वित्तीय संकट के बाद हम पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में एक थे।

वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड के बाद के समय ने राज्यों को उधार लेने के लिए मजबूर किया है। न केवल भारतीय राज्यों को अन्य देशों को भी कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए उधार लेना पड़ा। बढ़ता कर्ज एक समस्या है... वैश्वीकरण बनाम विखंडन, वास्तविकता है राजकोषीय विवेक बनाम बढ़ता कर्ज, वास्तविकता है और हर कोई मुक्त बाजार की स्थिति चाहता है, लेकिन आपके पास आक्रामक टैरिफ बाधाएं और गैर-टैरिफ बाधाएं हैं, इसलिए आप एक ऐसी दुनिया का सामना कर रहे हैं, जहां बाजारों को मुक्त रखने के मामले में बहुत सारी बातें होती हैं। कोई भी देश अपने हित के लिए मुक्त बाजार नहीं चाहता है।

खाद्यान्न व्यापार 23 से 26 फरवरी तक रहेगा बंद

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ की कार्यकारिणी की बैठक संघ कार्यालय जयपुर में आयोजित की गयी।

राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ के चेयरमैन बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि राज्य की 247 मंडियों के व्यापारी, 1700 तेल मीलों, 1200 दाल मीलों, 800 छोटी-बड़ी आटा मीलों तथा मसाला उद्योगों से संबंधित 40 फैक्ट्रियों के उद्योगपति राज्य में लगने वाले कृषक कल्याण फीस तथा बाहर से आने वाले कृषि जिंसों पर राज्य में लगाए जा रहे मंडी टैक्स तथा कृषक कल्याण फीस से तथा श्रीअन्न पर यानि ज्वार, बाजरा, मक्का, जीरा, ईसबगोल आदि पर आड़त 2.25 प्रतिशत नहीं किए जाने के कारण व्यापार करने में दिक्कत महसूस कर रहा है। उद्योग धीरे-धीरे बंद हो रहे हैं। राज्य सरकार से बार-बार आग्रह करने पर भी राज्य में कृषि जिंस के क्रय-विक्रय पर संधारित कृषक कल्याण फीस को समाप्त नहीं किया जा रहा है। मोटे अनाज तथा जीरा व ईसबगोल पर आड़त 2.25 प्रतिशत नहीं की जा रही है। बाहर से आने वाले कृषि जिंस पर मण्डी टैक्स तथा कृषक कल्याण फीस वसूली जा रही है। इसलिये मजबूर होकर राज्य का व्यापारी 23, 24, 25 व 26 फरवरी को अपना व्यापार बंद रखने के लिए बाध्य होगा और 26 फरवरी को आमसभा आयोजित कर अग्रिम आंदोलन की रूपरेखा तय करने के लिये मजबूर होगा। जिसके लिये राज्य सरकार स्वयं जिम्मेवार होगी। मीटिंग में 247 मंडियों के प्रतिनिधि, तेल मिल, आटा मिल, दाल मिल तथा मसाला उद्योग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे

होमा स्मार्ट वाईफाई-घरेलू आटा व मसाला चक्की लॉन्च

महानगर संवाददाता

जयपुर। वैदेही इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने भारत की पहली स्मार्ट वाईफाई-सक्षम घरेलू आटा व मसाला चक्की होमा को लॉन्च किया है। वैदेही इंडस्ट्रीज के चेयरमैन सुरेश कालानी ने बताया कि यह अत्याधुनिक मशीन गेहूं, मक्का, जौ, चना, चावल और विभिन्न मसालों को शुद्ध और स्वचालित तरीके से पीसने में सक्षम है।

कंपनी के निदेशक तरुण कलानी और पुनीत कालानी ने कहा कि पैक आटे में प्रिजर्वेटिव्स, केमिकल्स और पोषण की हानि के चलते उपभोक्ताओं का स्वास्थ्य लगातार प्रभावित हो रहा है। ऐसे में होमा स्मार्ट आटा व मसाला चक्की हर घर में 100 प्रतिशत शुद्ध, ताजा और केमिकल-फ्री आटा उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई क्रांति लाने के लिए तैयार है।

फीचर्स : यह चक्की वाईफाई टेक्नोलॉजी से कनेक्टेड है जो मोबाइल ऐप से रिमोटली मॉनिटर और कंट्रोल होती है। लोहे और एमएस चेंबर के मुकाबले पूरी तरह सुरक्षित और जंग-रहित है। मशीन अनाज की पहचान कर स्वयं से एम्पियर और टेम्परेचर एडजस्ट करती है। बिना किसी आवाज के स्मूथ और कुशल ग्राइंडिंग करती है। प्रत्येक उपयोग के बाद मशीन स्वयं ही चेंबर की सफाई करने में सक्षम है।

उच्चतम गुणवत्ता और स्थायित्व

होमा में मेरिनो फैबवुड, इटालियन सेंट गोबेन टफेंड ग्लास और जर्मन क्लाइबेरिट एडहेसिव्स का उपयोग किया गया है, जिससे यह दीमक-रोधी, स्क्रैच-प्रूफ है। वैदेही इंडस्ट्रीज ने होमा के 16 अलग-अलग मॉडल्स लॉन्च किए हैं, जिनमें चार प्रमुख कैटेगरी हैं जिनकी बाजार में कीमत 13,490 से शुरू है तथा 16,990 तक के 4 मॉडल बिक्री के लिए उपलब्ध है। होमा स्मार्ट आटा व मसाला चक्की 13 फरवरी से खरीद के लिए उपलब्ध है।

पीएनबी का एमएसएमई लोन एक्सपो का आयोजित

महानगर संवाददाता

सीकर। सीकर में किसान भवन कृषि उपज मण्डी समिति स्थित मंडल कार्यालय में गुरुवार को पीएनबी का एमएसएमई लोन एक्सपो आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा ने किया। इस दौरान पीएनबी प्रधान कार्यालय से उप महा प्रबंधक मुकेश व्यास एवं अशोक कुमार चावड़ा सहायक महाप्रबंधक अंचल कार्यालय जयपुर मौजूद रहे। मंडल प्रमुख सुधांशु भूषण ने कहा कि बैंक का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अनुकूलित वित्तीय समाधान, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और त्वरित वितरण के साथ समर्थन और सशक्त बनाना है। इस बैंक द्वारा वर्तमान ग्राहकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया। सीकर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष महावीर मील ने बताया कि पीएनबी की ओर से यह एक अच्छी पहल है जहां एक ही छत के नीचे सीकर के उद्यमियों को इतनी सारी ऋण सुविधाओं के साथ अनुकूलित ऋण समाधान, प्रतिस्पर्धी ब्याज दरें, डिजिटल बैंकिंग उपकरण और व्यापार वृद्धि में तेजी लाने के लिए सरकार समर्थित योजनाओं तक पहुंच प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, उप मंडल प्रमुख विमल शर्मा, एमसीसी प्रमुख प्रशान्तवर्धन सिंह आदि उपस्थित रहे।

सोना 903 रुपए बढ़ा, चांदी भी महंगी

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में गुरुवार को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 903 रुपए बढ़कर 85,748 रुपए हो गया है। इससे पहले 12 फरवरी को सोना 84,845 रुपए पर था। वहीं 11 फरवरी को इसने 85,903 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था।

वहीं एक किलो चांदी की कीमत 1,360 रुपए बढ़कर 95,549 रुपए किलो पर पहुंच गई ह । कल चांदी का भाव 94,189 रुपए किलो था।

ओपन एआई खरीदने पर बढ़ी खींचतान! ऑल्टमैन के वकीलों ने कहा, कोर्ट ने खारिज किया मस्क का 'तर्क

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। टेस्ला के मालिक ईलॉन मस्क के ओपनएआई को खरीदने पर खींचातानी बढ़ सकती है। चैटजीपीटी के सीईओ सैम ऑल्टमैन के वकीलों का कहना है कि एआई स्टार्टअप को 'निजी लाभ' के लिए 'ट्रांसफर' नहीं कर सकते के तर्क को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। चैटजीपीटी के वकीलों ने ऑकलैंड के एक फेडरल कोर्ट में दायर फाईलिंग में कहा, 'मस्क का कोर्ट में ओपनएआई को 'फॉर प्रॉफिट बिजनेस' में ट्रांसफर नहीं करने का अनुरोध 'प्रतिस्पर्धी को कमज़ोर करने की अनुचित कोशिश' है। मस्क ने 10 फरवरी को 97.4 अरब डॉलर में ओपनएआई को पूरी तरह से कैश में खरीदने का ऑफर रखा था।ईलॉन मस्क के वकील मार्क टोबेरऑफ ने इस दावे पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह फाइलिंग एक समय में की गई है जब दोनों बिलियेनेर्स ओपनएआई की पुनर्गठन योजनाओं को रोकने के मस्क के अनुरोध पर अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज यवोन गोंजालेज रोजर्स के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।'

ऑल्टमैन ने यह कहते हुए बायआउट ऑफर को ठुकरा दिया है कि कंपनी 'सेल पर नहीं है' और प्रतिद्वंद्वी स्टार्टअप एण्ड एआई के मालिक मस्क का प्रस्ताव 'हमें स्लो करने' का प्रयास है। फाईलिंग में कहा गया कि ओपनएआई को खरीदने का कदम मस्क का अदालत में उनके दावे से मेल नहीं खाता है।

इंडियन करेंसी के आगे फिर झुका डॉलर

चीन और जापान की मुद्राओं से आगे निकला रुपया

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय रुपया लगातार तीसरे दिन डॉलर के मुकाबले मजबूती बनाए हुए है। एशिया की अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपया हाल के दिनों में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। मंगलवार से शुरू हुई यह तेजी गुरुवार को भी जारी रही। बुधवार को कारोबार के दौरान रुपए में मजबूती देखने को मिली, हालांकि बाजार बंद होते समय इसमें हल्की गिरावट आई। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप, देश में महंगाई दर में गिरावट और अमेरिका में उम्मीद से अधिक महंगाई बढ़ने के कारण रुपए को मजबूती मिल रही है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में ये तेजी जारी रह सकती है। खास बात यह है कि एशिया की अन्य मुद्राएं, चाहे वह चीनी युआन हो या जापानी येन, अभी तक डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए जैसी मजबूती नहीं दिखा पाई हैं। मंगलवार को रुपया लगभग 1 प्रतिशत मजबूत हुआ था, जो दो वर्षों में इसकी सबसे बड़ी बढ़त थी। बुधवार को भी रुपए ने डॉलर के मुकाबले 27 पैसे की मजबूती दर्ज की, जबकि गुरुवार को इसमें 14 पैसे का और इजाफा हुआ। आइए जानते हैं कि मौजूदा समय में भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले किस स्तर पर कारोबार कर रहा है।

रुपए में डॉलर के मुकाबले तेजी जारी : अमेरिकी डॉलर में नरमी और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे चढ़कर 86.81 पर पहुंच गया। फॉरेन करेंसी ट्रेडर्स ने कहा कि स्थानीय यूनिट, जो विदेशी फंड की अंतहीन निकासी के कारण दबाव में थी, को बुधवार को सरकार द्वारा जारी उम्मीद से बेहतर महंगाई आंकड़ों के कारण घरेलू इक्विटी बाजारों में कुछ सुधार के कारण समर्थन मिला। इंटरबैंक फॉरेन करेंसी में, रुपया 86.82 पर मजबूत खुला और शुरुआती कारोबार के दौरान ग्रीनबैक के मुकाबले पिछले बंद से 14 पैसे की बढ़त के साथ 86.81 पर पहुंच गया। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपए में 16 पैसे की गिरावट देखने को मिली और 86.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को पिछले सत्र में, रुपया 66 पैसे मजबूत हुआ था, जो 3 मार्च, 2023 के बाद से अधिकतम एक दिन की बढ़त दर्ज करते हुए ग्रीनबैक के मुकाबले 86.79 पर बंद हुआ था।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता क्रेता फर्म द्वारा निम्न आवासीय भूमि क्रय की जा रही है जो की 'नेचर फार्म्स' ग्राम राजपुरवास, तहसील जमवारामगढ़, जयपुर में स्थित है और जिसका वर्तमान में प्लॉट संख्या 82, 83, 84 एवं 85 है (जिनका मूल संख्या 16, 17, 18 एवं 19 है), अगर किसी व्यक्ति अथवा संस्थान इत्यादि को इस क्रय पर कोई वाजिब आपत्ति है तो 15 दिवस के भीतर प्रमाणित दस्तावेजों एवं ठोस सबूतों सहित आदोहस्ताक्षरकर्ता क्रेता फर्म के निम्न पते पर अपनी आपत्ति प्रेषित करें-

सियारी वैली अबोडस,
1-A, यमुना पथ, सूरज नगर पश्चिम, सिविल लाइंस जयपुर-303006

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं प्लाट नम्बर 191, शिवाजी नगर कच्ची बस्ती, नाहरी का नाका, जयपुर क्षेत्रफल 50.00 वर्गगज का पट्टा श्रीमती भूरी देवी को कार्यालय जयपुर नगर निगम, द्वारा जरिये पट्टा विलेख 23/10/2008 को जारी किया गया था। तत्पश्चात् श्रीमती भूरी देवी का स्वर्गवास हो गया तत्पश्चात् उनके विधिक उत्तराधिकारियों में उनके पति शंकर लाल सैनी तीन पुत्र चन्द्र प्रकाश सैनी, काना राम सैनी, राजेन्द्र सैनी एवं पुत्री सोनू सैनी उनकी उक्त वर्णित सम्पत्ति में संयुक्त रूप से विधिक उत्तराधिकारी काबिज हुये इनके अतिरिक्त श्रीमती भूरी देवी का अन्य कोई उत्तराधिकारी शेष नहीं है। तत्पश्चात् चन्द्र प्रकाश सैनी, काना राम सैनी, राजेन्द्र सैनी, सोनू सैनी ने उक्त प्लाट में अपने सम्पूर्ण हिस्से को अपने पिता श्री शंकर लाल सैनी पुत्र मुक्ति लाल सैनी को जरिये रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र दिनांक 21/01/2025 को हकत्याग कर दिया। अब श्री शंकर लाल सैनी उक्त सम्पत्ति को शनाज बानो पत्नी तेजुत हुसैन को बेचान कर रहे है जिसके लिये शनाज बानो पत्नी तेजुत हुसैन उक्त सम्पत्ति को क्रय करने के लिये मेरे अभिभाष्य वित्तीय हिन्दुजा हाउसिंग फाईनेन्स लिमिटेड, जयपुर से ऋण प्राप्त कर रहे है। सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति पर श्री शंकर लाल सैनी के मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे, विक्रय किये जाने अथवा ऋण दिये जाने पर कोई आपत्ति हो तो तीन दिवस में लिखित में सूचित करे अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

डी. आर. एम. एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
रोहित कुमावत, एडवोकेट आफिस नम्बर यु-4. कृष्णा अपाटमेन्ट, सी-4, हाथीबाबु मार्ग, बनीपार्क, जयपुर, मोबाइल नम्बर 9782159768

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

क्रमांकः-एफ()जविप्रा/उपा./जोन-11/2025/डी-4924 दिनांकः-10-02-2025

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री नाथु लाल यादव पुत्र स्व. बंशी लाल यादव एवं श्री रामावतार यादव पुत्र स्व. श्री बंशी लाल यादव द्वारा (1) सेज पुनर्वास योजना ग्राम महापुरा के व्यावसायिक भूखण्ड संख्या एस-6-सी क्षेत्रफल 180 वर्गमीटर (2) सेज पुनर्वास योजना ग्राम महापुरा के आवासीय भूखण्ड संख्या 18 क्षेत्रफल 270 वर्गमीटर (3) सेज पुनर्वास योजना ग्राम महापुरा के आवासीय भूखण्ड संख्या 19 क्षेत्रफल 360 वर्गमीटर (4) सेज पुनर्वास योजना ग्राम महापुरा के आवासीय भूखण्ड संख्या 20 क्षेत्रफल 360 वर्गमीटर (5) सेज पुनर्वास योजना ग्राम महापुरा के व्यावसायिक भूखण्ड संख्या एस-21 क्षेत्रफल 50 वर्गमीटर के नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन किया गया है। उपलब्ध रिकॉर्ड अनुसार उक्त भूखण्डों की लीजडीड क्रमांक दिनांक 14.07.2011 को श्री बंशी पुत्र श्री बालू के पक्ष में जारी की गई थी। आवेदक द्वारा अपलोड मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार श्री बंशी लाल यादव पुत्र श्री बालुराम यादव की मृत्यु दिनांक 15.03.2023 को हो चुकी है। श्रीमती धापू देवी पत्नी श्री बंशी लाल यादव की मृत्यु दिनांक 26.01.2022 को हा चुकी है। श्रीमती सुनीता पुत्री स्व. श्री बंशी लाल यादव पत्नी श्री लालाराम यादव द्वारा उक्त भूखण्ड में से अपने अविभाजित हिस्से को रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र क्रमांक 202303135101233 दिनांक 07.06.2023 से श्री नाथू लाल यादव पुत्र स्व. श्री बंशी लाल यादव एवं श्री रामावतार यादव पुत्र स्व. श्री बंशी लाल यादव के पक्ष में हकत्याग कर दिया गया है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड के नाम हस्तांतरण/लीजडीड किये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति/फर्म/कम्पनी/संस्था एवं अन्य को आपत्ति हो तो यह सूचना जारी होने के 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें।

उपायुक्त, जोन-11, जविप्रा, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांकः 6444 **दिनांक- 11/02/25**

जाहिर आम-सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रतापनगर सांगानेर योजना में आवास संख्या 102/16 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर सांगानेर का आवंटन श्री हुलाशचन्द्र अग्रवाल पुत्र स्व. चैनसुख अग्रवाल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3106 दिनाक 05.03.2001 को जारी किया गया। श्री हुलासचन्द्र अग्रवाल के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 08.04.2010 को उपपंजीयक सांगानेर प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री हुलाशचन्द्र अग्रवाल द्वारा उक्त आवास को दिनांक 08.09.2010 के द्वारा श्रीमती वरदा जैन पत्नी श्री पुष्पेन्द्र सिंह को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर-अष्टम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती वरदा जैन द्वारा उक्त आवास को दिनांक 18.05.2011 के द्वारा श्री अभिषेक शर्मा पुत्र श्री सीताराम शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, **श्री अभिषेक शर्मा पुत्र श्री सीताराम शर्मा** का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

संपदा प्रबंधक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853

क्रमांकः- **दिनांक.....**

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-1/1300 मालवीय नगर जयपुर, क्षेत्रफल 240.000 वर्ग मीटर का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 5568 दिनांक 22/03/1995 श्री विमल चन्द पाण्डया पुत्र स्व.श्री कपूर चन्द पाण्डया जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 22/03/1995 को करवाया गया। श्री विमल चन्द पाण्डया की मृत्यु दिनांक 19/08/2017 को जाने के कारण उनके उत्तराधिकारियों पुत्र-पुत्रियों श्री संजीव पाण्डया, श्रीमती बीना जैन, श्रीमती मीना ठोलिया के द्वारा अपनी माता जी श्रीमती सुलोचना पाण्ड्या पत्नी स्व.श्री विमल चन्द पाण्डया के पक्ष में हकत्याग का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर नवम में दिनांक 22/02/2018 को करवाया गया। श्रीमती सुलोचना पाण्डया की मृत्यु दिनांक 19/02/2022 को हो जाने कारण श्री संजीव पाण्डया पुत्र स्व.श्री विमल चन्द पाण्डया के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र की छाया प्रति, रजिस्टर्ड वसीयतनामा की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्ति गत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता **श्री संजीव पाण्डया पुत्र स्व.श्री विमल चन्द पाण्डया** के नाम से उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
समस्त संबंधित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नंबर 45/2025

चूंकि **श्री रामप्रकाश सिंघल पुत्र श्री खुशीराम अग्रवाल निवासी- बी-70, साकेत कॉलोनी, आदर्श नगर, जयपुर 302004** ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अंतर्गत '**विपश्यना समिति, जयपुर** कार्यायल पता- विपश्यना समिति, जयपुर धर्मार्थली सिसोदिया रानी बाग, गलता जी रोड, जयपुर 302001 ने राजस्थान के संबंध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 11.02.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी-23.04.2025

544/11.02.25

मुहर **सहायक आयुक्त (प्रथम)**
देवस्थान विभाग, जयपुर

लोक सूचना कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-08

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: LU2012/JDA/2024-25/104064/ डी-204 दि.: 12.02.2025

श्री रामानुज पुत्र श्री घनश्यामदास अग्रवाल निवासी 367, रामानुज निवास गलता रोड़, रामगंज जयपुर श्री ललित कुमार, नवल किशोर पुत्रान् श्री घनश्यामदास जाति महाजन निवासी के 16, दुर्गादास पथ, मालवीय नगर, सी-स्कीम जयपुर श्रीमती वीणा देवी पत्नी श्री ललित कुमार अग्रवाल निवासी के-16, दुर्गादास पथ, मालवीय नगर, सी-स्कीम जयपुर श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री नवल किशोर निवासी के 16, दुर्गादास पथ, मालवीय नगर, सी-स्कीम जयपुर श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी श्री घनश्यामदास निवासी के 16, दुर्गादास पथ, मालवीय नगर, सी-स्कीम जयपुर श्रीमती मधु देवी पत्नी श्री रामानुज निवासी 367, रामानुज निवास गलता रोड़, रामगंज जयपुर। ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का रिसोर्ट प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	ग्राम श्योपुर तहसील सागानेर (जयपुर)	रामानुज, ललित कुमार नवल किशोर वीणा देवी आशा देवी दुर्गा देवी मधु देवी	1440	600	0.0600
			1441	600	0.0600
			1442	900	0.0900
			1443	900	0.0900
			1444	1100	0.1100
			1445	1100	0.1100
			1447	1200	0.1200
			1451	1600	0.1600
			1446	1200	0.1200
			1450	4000	0.4000
			1512	9500	0.9500
			1513	3900	0.3900
			कुल		2.6600

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर- भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 12.02.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन-08, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

क्रमांकः-एफ()जविप्रा/उपा./जोन-11/2025/डी-4946 दिनांकः-11-01-2025

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अमित जैन पुत्र श्री बलदेव किशन जैन द्वारा सेज पुनर्वास योजना ग्राम टीलावास के आवासीय भूखण्ड संख्या 1386 क्षेत्रफल 240 वर्गमीटर की लीज होल्ड से फ्री-होल्ड लीजडीड हेतु आवेदन किया गया है। उपलब्ध रिकॉर्ड अनुसार सेज पुनर्वास योजना ग्राम टीलावास के आवासीय भूखण्ड संख्या 1386 क्षेत्रफल 240 वर्गमीटर की लीजडीड क्रमांक 881 दिनांक 13.12.2012 को केरियर पॉइंट लि. जरिये प्रबंधक श्री संजय गुप्ता के पक्ष में जारी की गई थी। (1) श्री चक्षु ग्रोवर पुत्र श्री अनिल ग्रोवर बहैसियत मुखत्यारआम श्री नरेश कुमार जैन पुत्र श्री पदम चन्द जैन बहैसियत अधिकृत प्रतिनिधि केरियर पॉइंट लि. द्वारा उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से श्रीमती गंगा देवी माहेश्वरी पत्नी श्री गिरिराज माहेश्वरी व श्री भगवान सहाय माहेश्वरी पुत्र श्री छित्तर मल माहेश्वरी को विक्रय कर दी गई। (2) श्रीमती गंगा देवी माहेश्वरी पत्नी श्री गिरि राज माहेश्वरी व श्री भगवान सहाय माहेश्वरी पुत्र श्री छितर मल माहेश्वरी द्वारा उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक 202503021101493 दिनांक 21.01.2025 से श्री अमित जैन पुत्र श्री बलदेव किशन जैन को विक्रय किया गया है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड के नाम हस्तांतरण/लीजडीड किये जाने के संबंध में किसी व्यक्ति /फर्म/कम्पनी / संस्था एवं अन्य को आपत्ति हो तो यह सूचना जारी होने के 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें।

उपायुक्त, जोन-11, जविप्रा, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त संबंधित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नंबर 08/2025

चूंकि **श्री वेंकट कुमार बजाज, अध्यक्ष ने पंजीकृत प्रन्यास श्री अग्रसेन सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट जी-83, ट्यूलिप एन्कलेव, विधाधर नगर जयपुर** जिसका पंजीयन क्रमांक 392 जयपुर 2013 है के संबंध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अंतर्गत 'प्रन्यास की बैठक में प्रस्ताव पारित कर प्रन्यास के बेहतर संचालन हेतु श्री समीर अग्रवाल व अमित अग्रवाल को नवीन प्रन्यासी नियुक्त कर उनके नाम प्रन्यास रिकॉर्ड मे दर्ज अभिलेख किये जानेका निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र -8 में आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास मे हुए परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपित्तयां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 11.02.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी-17.03.2025

511/11.02.25

मुहर **सहायक आयुक्त (प्रथम)**
देवस्थान विभाग, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

DJ. Dist. Jaipur

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 4/2025

CIS No. 6/2025

विषयः उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी-नाम मेघा शर्मा पुत्री गजेन्द्र त्रिवेदी जाति ब्राह्मण निवासी-अचरोल, तहसील-आमेर, जिला-जयपुर, राज.।

विवाद स्थान-232, दोराज का मोहल्ला, जमवारामगढ़, जिला-जयपुर।

मृतक धापा देवी की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक 12.3.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम धापा देपी पत्नी स्व. श्री हनुमान सहाय शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी- 232, दोराज का मोहल्ला, जमवारामगढ़, जिला-जयपुर। का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रदान किया जावे। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 03 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 10 माह 02 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

52/11.02.2025

मुहर **आज्ञा से**
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला न्यायालय
जयपुर जिला, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

प्रथम शुद्धि पत्र
(First Corrigendum letter)

No.1EL/JU/WC/2024-25/ 52 Dated - 13.02.2025

इस कार्यालय द्वारा ज्ञापित निविदा सं0 52 of 2024-25 कार्य का विवरण - Electrical work in connection with (i) replacement of 12 unit Type-II & 2-unit Type-III quarters on condition basis at Barmer (ii) replacement of 12 unit Type-II quarters on condition basis at Balotra (iii) improvement of water supply arrangements by providing RO plants, replacement of old corroded pipeline & U/G water tank at Jalore, Modran & Raniwara में निविदा सं0 52 of 2024-25 **खुलने की तिथी 06.03.2025 के स्थान पर 07.03.2025 पढा जावे,** अन्य सभी शर्ते एवं नियम यथावत रहेंगें। विस्तृत जानकारी हेतु कृपया **http://www.ireps.gov.in** पर विजिट करें।

मंडल रेल प्रबन्धक/बिजली
186-CR/25 उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

आम सूचना

यह कि मकान संख्या- 3559, योजना गोविन्द राव जी का रास्ता, पुरानी बस्ती, जयपुर, क्षेत्रफल 31.22 वर्ग गज को श्री भौरी लाल पुत्र श्री छिगन लाल व श्री रामलाल उर्फ राम सिंह उर्फ श्याम लाल पुत्र श्री भौरी लाल (भंवर लाल बारी) ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 27.07.1970 से खरीद किया था। श्री भौरी लाल (भंवर लाल बारी) का स्वर्गवास दिनांक 18.04.1991 को होने के पश्चात् उनकी पत्नी श्रीमती दुर्गा देवी व पुत्र श्याम लाल उर्फ रामलाल उर्फ राम सिंह उक्त सम्पत्ति के मालिक स्वामी काबिज हुए। श्रीमती दुर्गा देवी ने अपने जीवनकाल में अपने हिस्से की वसीयत अपनी पुत्रवधू तारा देवी के पक्ष में दिनांक 03.01.2004 को निष्पादित की। तत्पश्चात् श्रीमती दुर्गा देवी का स्वर्गवास दिनांक 19.01.2007 को हो गया एवं श्री रामलाल उर्फ राम सिंह उर्फ श्याम लाल का स्वर्गवास भी दिनांक 08.08.1997 को हो गया। इनके स्वर्गवास के पश्चात् उक्त सम्पत्ति के श्रीमती तारा देवी व श्री आनन्द बारी मालिक स्वामी हुए। अब श्रीमती तारा देवी व श्री आनन्द बारी द्वारा उक्त सम्पत्ति का उपहार श्रीमती पूनम बारी पत्नी श्री आनन्द बारी के पक्ष में किया जा रहा है। श्रीमती पूनम बारी द्वारा उक्त सम्पत्ति को Piramal Capital & Housing Finance Limited के समक्ष बंधक रखा जाकर ऋण लिया जा रहा है। यदि उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व या स्व. भौरी लाल एवं दुर्गा देवी द्वारा निष्पादित की गई वसीयत दिनांक 03.01.2004 के विधिक उत्तराधिकारियों के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सात दिन में पेश करें। बाद मियाद आपत्ति अमान्य होगी।

(राजीव मित्तल) आर.वी. पार्टनर्स, एडवोकेट
ए-19, वैशाली नगर, जयपुर, मो.नं. 9414048652

पश्चिम मध्य रेल

कोटा मंडल-खुली निविदा सूचना

दिनांक 11.02.2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए अथवा उनकी ओर से वरि.मं.वि.इंजी (क.वि.) प.म.रे. कोटा निम्न कार्य के लिए खुली मोहरबंद ई - निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा संख्या एवं कार्य का नाम**- निविदा संख्या- ईएल/ टीआरडी /50/16 (2024-25)-टेलीमेट्री सिस्टम अपग्रेडेशन एण्ड इट्स AMC फॉर 13 नंबर्स TSS ऑफ कोटा डिवीजन। **कार्य की अनुमानित लागत-रूपये** 8,41,110.00/-, **निविदा बंद होने की दिनांक एवं समय**-दिनांक 07/03/2025 को 15.30 बजे। **वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से निविदा का सम्पूर्ण विवरण देखा जा सके** -http://www.ireps.gov.in वरि.मं.वि.इंजी (क.वि.) कोटा प्रथम तल मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय प.म.रे., कोटा। ऑफर केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से http://www.ireps.gov.in पर स्वीकार किये जायेगें। निविदा दाता के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। कोई भी निविदा मैनुअली स्वीकार नहीं है। निविदा डालने से पहले टेण्डर दस्तावेजों की स्पेशल कंडीशन व शर्ते अवश्य पढ़ लें।

वरि.मं.वि.इंजी (क.वि.) कोटा

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय ग्राम पंचायत रालावास पंचायत समिति रामगढ पचवारा (दौसा)

क्रमांकः- ग्रा.पं.रालावास / ई-टेण्डर/2024-25/29 **दिनांकः 05/02/2025**

ई-निविदा सूचना संख्या- 03/2024-25

पंचायत समिति रामगढ पचवारा की ग्राम पंचायत रालावास में नियम 181 के तहत ग्राम रालावास में एन.एच. 11 से गणेश मन्दिर रालावास तक इन्टरलॉकिग सड़क निर्माण हेतु ग्राम पंचायत रालावास पं.स. रामगढ पचवारा एवं राप्रावि गुर्जर ढाणी टोरडा में कक्षा-कक्ष निर्माण हेतु ग्राम पंचायत रालावास पंचायत समिति रामगढ पचवारा के कार्य हेतु राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 के नियमों के तहत पंजीकृत सक्षम श्रेणी की फर्मो से निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। जिसके NIB No. क्रमशः ZDA2425A0278, ZDA2425A0279 एवं UBN NO. क्रमश :- ZDA2425WSRC00366, ZDA2425WSRC000367. है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व www.eproc.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार दिनांक 14-02-2025 को 11:00 AM से 24-02-2025 को 6:00 PM तक देखी व डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है।

सरपंच **ग्राम विकास अधिकारी**
ग्राम पंचायत रालावास **ग्राम पंचायत रालावास**
पं.स. रामगढ पचवारा (दौसा) **पं.स. रामगढ पचवारा (दौसा)**

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

पृथ्वीराज नगर (उत्तर), कार्यालय चित्रकूट स्टेडियम, वैशाली नगर।

क्रमांकः-जविप्रा/उपा./पीआरएन-उत्तर (द्वितीय)/2025/डी-37 दिनांकः-21-01-2025

-: सार्वजनिक सूचना :-

मोती भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर की योजना हनुमान नगर-5 ई. के भूखण्ड संख्या ई-139 (क्षेत्रफल 365 वर्गगज) की लीजडीड हेतु श्री मोहन लाल जालवाल पुत्र श्री भगवान सहाय कुमावत ने अपंजीकृत इकरारनामा के आधार पर आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि उक्त भूखण्ड के स्वामित्व के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस की अवधि में कार्यालय को आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा आवेदक के पक्ष में उक्त भूखण्ड की लीजडीड जारी कर दि जावेगी।

उपायुक्त, पीआरएन-उत्तर-II, जविप्रा, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

क्रमांकः- जविप्रा/जोन-6/2025/डी-240 दिनांकः-31-01-2025

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गोविन्दी खत्री पत्नी श्री ओमप्रकाश द्वारा जविप्रा द्वारा जारी दस्तावेज, रजि. मुख्त्यारआम एवं रजि. विक्रय पत्र के आधार पर मुरलीपुरा योजना के भूखण्ड संख्या ए-65 क्षेत्रफल 50.00 व.ग. का पट्टा जारी करने हेतु आवेदन किया है। जविप्रा द्वारा उक्त भूखण्ड का आवंटन पत्र श्रीमती ज्योति देवी पत्नी श्री अशोक कुमार के पक्ष में जारी किया गया है। अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति /संस्था/कम्पनी/सह खातेदार व अन्य किसी को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा योजना मुरलीपुरा के भूखण्ड संख्या ए-65 का पट्टा श्रीमती गोविन्दी खत्री के पक्ष में जारी करने की नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। मयाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

उपायुक्त, जोन-6, जविप्रा, जयपुर

Form No. 14 [See Regulation 33(2)]

Before The Debts Recovery Tribunal
First Floor,Sudharma-II,Lal Kothi Shopping Center,Opp Kishan Bhawan Tonk Road, Jaipur 302015

R.C. No. 450/2022 Next Date 11.03.2025

PUNJAB & SIND BANK Certificate Holder

Versus

JITENDRA CHOUDHARY& Others Certificate Debtor

To

DEMAND NOTICE

Shri Ashwini Sharua S/O Shri Surendra Kumar Sharma R/o A-25, Vijay Nagar, Colony Near KV No. 2, Jhotwara, Jaipur-302012

In view of the Recovery Certificate issued in OA. No. 459/2020 passed by the Presiding Officer, DRT, Jaipur an amount of Rs. 46,17,735.57 in Word Rs. Fourty Six Lakh Seventeen Thousand Seven Hundred Thirty Five Rupees and Fifty Seven Paisa is due against you,

You are hereby called upon to deposit the above sum within 15 days of the receipt of the notice, failing which the recovery shall be made as per rules.

In addition to the sum aforesaid you will be liable to pay

(a) Such interest as is payable for the period commencing immediately after this notice of the execution proceedings.

(b) All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this notice and other process that may be taken for recovering the amount due.

DETAIL OF AMOUNT IN THE RECOVERY CERTIFICATE DUE AGAINST YOU.

(1) Recovery Certificate Ammount Rs. 4617735.57/-
(2) Cost of the Suit Rs.60660/-
(3) Publication Fees Rs. 0.00
(4) Interest from 10.08.2020 to 22.02.2023@ 10% with simple interest Rs.1170248.00
(5) Amount Recovered after RC Issued (if any) Rs.0
(6) Legal Charges Rs.0.00
(5) Total Dues as per Affidavit Rs. 5848643.57

Seal **Recovery Officer-II**
Debt Recovery Tribunal Jaipur

6105/29.10.24 Form No. 3 [See Regulation-15 (1)(a)]/16(3)

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR
First Floor, Sudharma-II, Lal Kothis Shopping Center, Tonk Road, Jaipur-302015 Case No.:OA/1232/2024

Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules,1993. Exh. No:13824

BANK OF BARODA VS MS DURGA ENTERPRISES

To,

(1) MS DURGA ENTERPRISES THROUGH ITS PROPRIETOR SH PUSHPENDRA SINGH NARUKA OFFICE AND SHOP NO B-15 BA SUNDER VIHAR NEAR JECRC COLLEGE, SANGANER,, JAIPUR, RAJASTHAN-302033

(2) SH PUSHPENDRA SINGH NARUKA B-15 BA SUNDER VIHAR NEAR JECRC COLLEGE, SANGANER,, JAIPUR, RAJASTHAN-302033

SUMMONS

WHEREAS, OA/1232/2024 was listed before Hon'ble Presiding Officer / Registrar on 04.10.2024 WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons / notice on the said Application under section 19 (4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of Rs.2770173.22- (application along with copies of documents etc. annexed). In accordance with sub-section (4) of section19 of the Act, You, the defendants are directed as under:- (i) to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted; (ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application; (iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties; (iv) you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal; (v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before Registrar on 11.04.2025 at 10:30 A.M. failing which the application shall be heard and decided in your absence. Given under my hand and the seal of this Tribunal on this date:28.10.2024.

Seal **Assistant Registrar DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR**

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

संख्याः डबलू/118/निविदा/वमई(सम.)जयपुर/ इन्जीनियरिंग दिनांक : 12.02.2025

मण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनिरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क्र.सं. 1 निविदा संख्या/कार्य का नाम :** निविदा स०-ई. - जेपी-2024-25-110 जयपुर मंडल - झुन्झुनु डिपो में मशीन से कुचले गए ट्रैक ब्लास्ट की आपूर्ति करना तथा उन्हें रेलवे वैगनों / हॉपरों में लोड करना । **अनुमानित लागतः** 71711715.30 **बिड प्रतिभूति राशि :** 508600.00 **क्र.सं. 2 निविदा संख्या/कार्य का नाम :** निविदा स०-ई.-जेपी-2024-25-112 जयपुर मंडल- रेवाडी - फुलेरा कॉर्ड के खण्ड में टी.आर.आर. (प्राथमिक) -209.933 किलोमीटर के क्रम में मोबाईल फ्लैश बट का उपयोग करके 20 रेल पैनल / फ्री रेल / 2 रेल पैनल / 3 रेल पैनल सभी रेल सैक्सन (नयी/पुरानी) की साईट पर (इन सीटू/सैस) का फ्लैश बट वैल्डिंग का कार्य । **अनुमानित लागतः** 40993351.85 **बिड प्रतिभूति राशि :** 355000.00 **क्र.सं. 3 निविदा संख्या/कार्य का नाम :** निविदा स०-ई.-जेपी-2024-25-113 वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (उत्तर)/जयपुर का कार्य क्षेत्र :- सहायक मण्डल इंजीनियर रीगंस के अधिकार क्षेत्र में सीनियर सेक्सन इंजीनियर / कार्य, नारनौल के अनुभाग में विभिन्न स्थानों पर रोड. अन्डर ब्रिज में जल निकासी व्यवस्था प्रणाली, रिटेनिंग वॉल और सड़क मार्ग के विस्तार का कार्य। **अनुमानित लागतः** 23328637.82 **बिड प्रतिभूति राशि :** 266700.00 **क्र.सं. 4 निविदा संख्या/कार्य का नाम :** निविदा स०-ई.-जेपी -2024-25-114 वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (उत्तर) / जयपुर का कार्य क्षेत्र :- सहायक मण्डल इंजीनियर रींगस के अधिकार क्षेत्र में सीनियर सेक्सन इंजीनियर / कार्य, रींगस के अनुभाग में विभिन्न स्थानों पर रोड़ अन्डर ब्रिज में जल निकासी व्यवस्था प्रणाली, रिटेनिंग वॉल और सड़क मार्ग के विस्तार का कार्य। **अनुमानित लागतः** 116643189.10 **बिड प्रतिभूति राशि :** 733200.00 **क्र.सं. 5 निविदा संख्या/कार्य का नाम :** निविदा स०-ई.-जेपी-2024-25-115 वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (उत्तर) / जयपुर का कार्य क्षेत्र :- सहायक मण्डल इंजीनियर सीकर के अधिकार क्षेत्र में सीनियर सेक्सन इंजीनियर / कार्य, सीकर के अनुभाग में विभिन्न स्थानों पर रोड. अन्डर ब्रिज में जल निकासी व्यवस्था प्रणाली, रिटेनिंग वॉल और सड़क मार्ग के विस्तार का कार्य। **अनुमानित लागतः** 93501323.88 **बिड प्रतिभूति राशि :** 617500.00 **1.** उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। **2.** निविदा संख्या इंजी. / जय / 2024-25 / 110 की बन्द होने की तिथि - 05.03.2025 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथी 05.03.2025 समय 16.00 बजे तथा निविदा संख्या इंजी./ जय /2024-25/112 से 115 की बन्द होने की तिथि - 07.03.2025 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथी - 07.03.2025 समय 16.00 बजे। **3.** निविदा संख्या इंजी./ जय / 2024-25 / 110 में M/s CREATIVE MINERALS INDIA PVT. LTD MATHURA, Plot no- 03, Sector 04, Shri Radha Valley, Mathura (UP) 281001 भाग नहीं ले सकेंगे।

185-CR/25

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

कार्यालय ग्राम पंचायत भूरथल, पंचायत समिति जालसू (जयपुर)

क्रमांक:- ग्रा.पं.भू. / निविदा/2025/221 **दिनांक: 13/02/2025**

निविदा सूचना संख्या-2024-25

सर्व साधारण एवं पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति जालसू की अधिनस्थ ग्राम पंचायत भूरथल में निर्माण कार्यों हेतु ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के आदेश क्रमांक 2059 दिनांक 21.09.2012 के तहत नियम 181 में विभिन्न कार्यों के लिए मुहरबंद निविदा के माध्यम से पंजीकृत सक्षम श्रेणी ए.बी.सी.डी. तथा ई श्रेणी के संवेदकों से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत सक्षम श्रेणी की फर्मों/संवेदकों से, निर्माण कार्यों हेतु जिसका विवरण व शर्ते निर्धारित प्रपत्र में वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन है, निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

NIB Code:- PKU2425A0123
UBN no. :- PKU2425WSOB00441-446

ग्राम विकास अधिकारी **प्रशासक**
ग्राम पंचायत भूरथल **ग्राम पंचायत भूरथल**

कार्यालय नगर पालिका निवाई

क्रमांकः-न.पा.नि. /निर्माण/2024-25/9861 दिनांकः- 07.02.2025

ई. निविदा सूचना संख्या :- 19/2024-2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका निवाई में पंजीकृत/ स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत/ अन्य विभागो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट **www.sppp.rajasthan.gov.in** व **'http://www.eproc.rajsthan.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

निविदा का कार्य	:	NIB Code:- DLB2425A5511 (कुल 119 कार्य)
Unique Bid Number		DLB2425WSOB16695,74,76,89,90, 722,677,691,75,92,78, 96, 723, 679, 697, 680-682, 684-88, 93-94, 98--99, 700-03, 06-08, 10-15, 18-21, 24,25, 49-55, 57, 68-99, 800-03, 05-06, 08,10-15, 17-18, 20-23, 25, 27, 28, 30, 31, 33-41
निविदा की कुल लागत	:	Rs 1877.84 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
निविदा जारी करने की दिनाक	:	दिनांक 14.02.2025 को 13:00 बजे से
निविदा दस्तावेजो को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	:	दिनांक 14.02.2025 को 13:00 बजे से
ऑन लाईन निविदा जमा कराने की अन्तिम दिनांक	:	दिनांक 24.02.2025 सांय 18:00 बजे तक
भौतिक रूप से कार्यालय में निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की दिनांक	:	दिनांक 25.02.2025 को अपराह 15:00 बजे तक नगर पालिका निवाई कार्यालय में
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	:	दिनांक 27.02.2025 को अपराह 12.00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	:	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि		120 Day

राज.संवाद/सी/24/11608 **अध्यक्ष नगर पालिका निवाई** **अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका निवाई**

NAME CHANGE

I, Anil Kumar, son of Ramawatar Jangir, resident of C-1118, Lohamandi Road No. 14, Jaipur, have changed my name to Anil Kumar Jangir for all future purposes

खोया-पाया

मैं यूसूफ अली खान जो कि मेरा एक प्लॉट नंबर B-218 योजना गिरधारीपुरा जेडीए का मूल आवंटन पत्र गुम हो गया है जिसकी एफ आई आर दर्ज है। मिलने पर सूचित करें मो.नं.- 9214 935 986

कार्यालय नगर परिषद टोंक

क्रमांक :न.प.ट/विधुत शाखा/2024-25/12280 दिनांक : 11.02.2025

ई-निविदा सूचना 19 वर्ष 2024-25
(NIB NO DLB2425A5529)

नगर परिषद टोंक क्षेत्र में होने वाले विभिन्न कार्यो हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 24.02.2025 सांय 6.00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। अन्य विवरण शर्तें **www.sppp.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।

UBNNo. (DLB2425SLOB16758)

अति0 जिला कलक्टर **आयुक्त**
एवं प्राधिकारा/प्रशासन न0प0 टोंक **नगर परिषद, टोंक**

राज.संवाद/सी/24/11626

चॉइस फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड

Choice The Joy of Earning

सीआईएन: U74999MH2016PTC281908
पंजीकृत कार्यालय: सुनील पटोदिया टॉवर, प्लॉट नंबर 156-158, जे.बी. नगर, अंधेरी (पूर्व), मुंबई शहर, मुंबई, महाराष्ट्र-400099
आरबीआई एनबीएफसी (रजि.) क्रमांक: एन-13.02216 वेबसाइट: https://choiceindia.com

शाखा बंद करने हेतु सार्वजनिक सूचना

कृपया सूचित रहें कि पैसाबड्डी फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (PBFL) के साथ 22 अक्टूबर, 2024 को हुए बिजनेस ट्रांसफर एग्रीमेंट के बाद हमने दिनांक 14.05.2025 से नीचे दिए गए पते पर स्थित पैसाबड्डी फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (PBFL) और चॉइस फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड (CFPL) की शाखाओं को बंद करने का फैसला किया है। ग्राहकों से अनुरोध है कि वे किसी भी सहायता के लिए नीचे दिए गए निर्दिष्ट/विलय किए गए पते पर विलय की गई शाखा पर जाएँ। कंपनी ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि यह प्रक्रिया निर्बाध हो और ग्राहकों को कम से कम असुविधा हो।

क्र.	कंपनी का नाम	बंद होने वाली शाखा	बंद होने वाली शाखा का पता	विलयित होने वाली शाखा का पता
1.	सीएफपीएल	दूदू	दुकान नंबर 29-30, प्रथम तल, नागौरी कॉम्प्लेक्स, सांभर रोड, दूदू, राजस्थान- 303008	प्रथम तल, बाबा मार्केट, डाक बेल, बगरू, जयपुर (राजस्थान) - 303007
2.	सीएफपीएल	किशनगढ़- रेनवाल	दयाल प्लाजा, दूसरी मंजिल, जियो ऑफिस कॉम्प्लेक्स, आरएमएच हॉस्पिटल के पास, किशनगढ़ रेनवाल, जयपुर- 303603	नारायण सिंह कॉलोनी, कलवार रोड, जोबनेर, जयपुर (राजस्थान)-303328
3.	सीएफपीएल	जयपुर- भांकरोटा	दुकान नं. 4, भूतल, काका प्लेस, भांकरोटा, अजमेर रोड, जयपुर- 302026, राजस्थान	प्लॉट नंबर 21, 22, 213, 214, प्रथम तल, कृष्णा विहार, सांगानेर, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) - 302009

किसी भी प्रश्न के लिए, आपसे अनुरोध है कि कृपया हमारे ग्राहक सेवा टोल फ्री नंबर: 1800 203 5193 या ईमेल आईडी:- customercare.finserv@choiceindia.com पर सम्पर्क करें।

कार्यालय नगर परिषद, सीकर

Add.:- **संतोषी माता मंदिर के पास, राणी सती रोड, सीकर**, Email: sikarulb.jaipur@gmail.com

No.: F. ()/MCS/SBM/2024-25/16434 Date: 13-02-2025

अल्पकालीन निविदा सूचना/2024-25

नगर परिषद, सीकर द्वारा पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य की निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्यो से संबंधित शर्ते एवं विवरण नगर परिषद कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में एवं पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है। निविदा समय सारणी निम्नानुसार है:-

NIB code:- DLB2425A5595

S.NO.	WORK WISE UBN NO.
1	DLB2425GSOB17125

निविदा जारी तिथि	दिनांक 13.02.2025
निविदा विक्रय प्रारम्भ तिथि	दिनांक 17.02.2025 प्रातः 09.30 बजे से
निविदा विक्रय समाप्ति तिथि	दिनांक 17.02.2025 प्रातः 11.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति तिथि	दिनांक 17.02.2025 प्रातः 11.35 बजे से तक दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 17.02.2025 दोपहर 12.15 बजे से

(शशिकांत शर्मा)
आयुक्त
नगर परिषद, सीकर

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड

RIICO
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201
ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाईट- www.riico.co.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाएं निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	कार्य नाम	अनुमानित लागत (लाख रूपये में)
1.	**इकाई प्रभारी, भिवाड़ी-द्वितीय**	
1.1	भिवाड़ी इकाई-द्वितीय के अन्तर्गत आने वाले औद्योगिक क्षेत्रों की ई-नीलामी के विज्ञापन के लिए फ्लेक्स बैनर एवं पेम्फलेट की छपाई, उपलब्ध कराना एवं ठीक करना। **UBN-RDC2425WSOB01500**	1.84
2.	**इकाई प्रभारी, राजसमंद**	
2.1	औद्योगिक क्षेत्र धोइन्दा राजसमन्द में रीको ऑफिस बिल्डिंग के बाहर इन्टरलोकिंग पेवर टाइल्स लगाने का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01518**	1.49
2.2	औद्योगिक क्षेत्र बग्गड़ राजसमन्द में डम्पिंग यार्ड के निकट पेरापिट वॉल निर्माण का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01519**	1.85
3.	**इकाई प्रभारी, कोटा**	
3.1	औद्योगिक क्षेत्र हट्टीपुरा, बीसीआर, बीपीआर, बीएनआर और सुमेरगंज मंडी, बूंदी में स्ट्रीट लाईट का नियमित संचालन और रखरखाव का कार्य। (एक वर्ष के लिए) **UBN-RDC2425WSRC01554**	1.84

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन सीलबंद निविदाएं (लागत रूपये 2 लाख या उससे अधिक) निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	कार्य नाम	अनुमानित लागत
1.	**इकाई प्रभारी, भिवाड़ी-द्वितीय**	
1.1	औद्योगिक क्षेत्र खुशखेड़ा में पानी के डायवर्जन के लिए तटबंध निर्माण का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01502**	6.01
1.2	औद्योगिक क्षेत्र खुशखेड़ा तक पहुँच मार्ग पर सीमेंट कंक्रीट सड़क द्वारा सड़क का रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01503**	8.58
1.3	औद्योगिक क्षेत्र चौपानकी व पथरेड़ी में नालियों के निर्माण, मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01504**	135.30
1.4	औद्योगिक क्षेत्र खुशखेड़ा, आई.आई.डी. खुशखेड़ा व टपूकड़ा में नालियों के निर्माण, मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01505**	130.99
1.5	औद्योगिक क्षेत्र कारोली में सामग्री सहित जल आपूर्ति योजना का वार्षिक संचालन एवं रखरखाव। **UBN-RDC2425WSOB01508**	12.54
1.6	भिवाड़ी इकाई-द्वितीय के अन्तर्गत आने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में जेसीबी, ट्रैक्टर, श्रमिक एवं मिट्टी पम्प नियुक्त करने के लिए वार्षिक दर अनुबंध **UBN-RDC2425WSOB01509**	50.11
2.	**इकाई प्रभारी, राजसमंद**	
2.1	औद्योगिक क्षेत्र कुरज राजसमन्द में रैंडम रबल पत्थर की नालियां व अप्रोचेज़ के निर्माण का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01516**	93.40
2.2	औद्योगिक क्षेत्र धोइन्दा राजसमन्द में दो वर्ष के लिए स्ट्रीट लाईटस के रेगुलर मेन्टेनेन्स का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01522**	7.92
3.	**इकाई प्रभारी, श्रीगंगागनर**	
3.1	औद्योगिक क्षेत्र अनूपगढ़, घड़साना, रावला व उद्योग विहार, श्रीगंगानगर में नहर में इनलेट चैनल से पानी उठाने का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01578**	4.32
3.2	औद्योगिक क्षेत्र उद्योग विहार, प्रथम, द्वितीय चरण, एग्रो फूड पार्क व 13 एल.एन.पी., श्रीगंगानगर में जल वितरण व्यवस्था का संचालन व नियमित रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01579**	4.75
3.3	आवासीय कॉलोनी एवं औद्योगिक क्षेत्र उद्योग विहार, श्रीगंगानगर में नियमित नाली सफाई के लिए न्यूनतम 5 लेबर व 1 ट्रेक्टर ट्रॉली, जंगल सफाई, अपशिष्ट पदार्थ उठाने का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01580**	10.77
3.4	औद्योगिक हनुमानगढ़ प्रथम चरण में पार्क की चार दीवारी व मड पम्प बिल्डिंग की मरम्मत का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01581**	6.64
3.5	विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र रीको हनुमानगढ़ में 2 मेन पैनल व 8 फीडर पैनल की सप्लाई व फिक्सिंग का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01582**	3.25
3.6	औद्योगिक क्षेत्र अनूपगढ़ द्वितीय चरण, श्रीगंगानगर में सी.डी. वर्क का निर्माण कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01583**	2.84
3.7	औद्योगिक क्षेत्र हनुमानगढ़ में मैटेरियल सहित नियमित स्ट्रीट लाईट रखरखाव व संचालन का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01584**	9.68
4.	**इकाई प्रभारी, धीलोठ**	
4.1	औद्योगिक क्षेत्र शाहजहांपुर में जल आपूर्ति योजना का संचालन एवं रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01525**	4.56
5.	**इकाई प्रभारी, बांसवाड़ा**	
5.1	औद्योगिक क्षेत्र पीपलवा में एक वर्ष के लिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01494**	3.07
5.2	औद्योगिक क्षेत्र ठीकरिया में एक वर्ष के लिए डोर टू डोर कचरा संग्रहण का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01495**	4.92
5.3	औद्योगिक क्षेत्र ठीकरिया में पार्क की चार दीवारी का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01496**	7.27
6.	**इकाई प्रभारी, भरतपुर**	
6.1	औद्योगिक क्षेत्र ओडेला रोड, धौलपुर में एलईडी स्ट्रीट लाईट संचालन एवं रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01571**	3.44
7.	**इकाई प्रभारी, चूरू**	
7.1	औद्योगिक क्षेत्र चूरू में सड़क के रख-रखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01506**	11.98
7.2	औद्योगिक क्षेत्र रतनगढ़, चूरू में फायर स्टेशन केम्पस में सी.सी. फर्श के निर्माण का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01507**	16.08
8.	**इकाई प्रभारी, नीमराना**	
8.1	औद्योगिक क्षेत्र एनआईसी(एम), नीमराना में अग्निषमन केन्द्र के संचालन एवं रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01513**	8.04
8.2	औद्योगिक क्षेत्र नीमराना एवं सोतानाला में अग्निषमन केन्द्र के संचालन एवं रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01515**	8.04
9.	**इकाई प्रभारी, उदयपुर**	
9.1	नवीन औद्योगिक क्षेत्र सगतपुरा तहसील भींडर उदयपुर के बाहरी सीमा पिलर का निर्माण और साईन बोर्ड का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01510**	23.22
10.	**इकाई प्रभारी, अलवर**	
10.1	नवीन औद्योगिक क्षेत्र रूंध सोंखरी कठूमर में सीमांकन पिल्लर के निर्माण का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01493**	21.34
11.	**इकाई प्रभारी, नागौर**	
11.1	औद्योगिक क्षेत्र एसजीसी परबतसर (विस्तार) इकाई नागौर में सामग्री सहित स्ट्रीट लाईट का संचालन एवं रखरखाव कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01497**	4.08
11.2	औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में ऑपन स्पेस के पास दीवार की ऊंचाई बढाने का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01511**	4.08
11.3	रीको औद्योगिक क्षेत्र गोगेलाव में रोड सुधार का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01551**	5.88
12.	**इकाई प्रभारी, बालोतरा**	
12.1	औद्योगिक क्षेत्र बालोतरा चरण-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, तृतीय विस्तार एवं चतुर्थ चरण में स्ट्रीट लाईट के संचालन एवं रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01498**	12.40
13.	**इकाई प्रभारी, आबूरोड**	
13.1	इकाई कार्यालय आबूरोड के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में वाटर सप्लाई के रख-रखाव एवं संचालन का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01512**	11.70
13.2	औद्योगिक क्षेत्र ग्रोथ सेन्टर द्वितीय चरण, आबूरोड में बी.टी. रोड़ के मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01514**	9.73
14.	**इकाई प्रभारी, बोरानाड़ा**	
14.1	औद्योगिक क्षेत्र, बोरानाड़ा विस्तार में सड़क निर्माण एवं स्टोन पिचिंग का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01573**	49.50
15.	**इकाई प्रभारी, जोधपुर**	
15.1	फायर स्टेशन, औद्योगिक क्षेत्र बासनी द्वितीय चरण, जोधपुर में फायर टेण्डर का संचालन और रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01559**	11.22
15.2	औद्योगिक क्षेत्र बासनी प्रथम चरण, जोधपुर में डोर टू डोर ठोस घरेलू कचरे का नियमित संग्रहण और आरओडब्ल्यू की सफाई और रखरखाव का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01560**	8.95
15.3	औद्योगिक क्षेत्र बासनी प्रथम और द्वितीय चरण जोधपुर, में नालो की मरम्मत का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01561**	96.32
15.4	स्थानांतरित औद्योगिक क्षेत्र, जोधपुर में नालो की मरम्मत का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01562**	17.41
15.5	जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्र बीएनपीएच(टीआईए), रोड नंबर-1, आरओडब्ल्यू में इंटरलॉकिंग टाईल आपूर्ति करने और बिछाने और नालो की मरम्मत और फेंसिंग लगाने का कार्य। **UBN-RDC2425WSOB01563**	29.69
15.6	रीको जोधपुर में मुख्य निस्तारण नालों की मरम्मत का कार्य **UBN-RDC2425WSOB01564**	24.83

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट www.riico.co.in व www.eproc.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन -0141-4593243

Raj.Samwad/C/24/11671

संक्षिप्त समाचार

अवैध पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग, 14 लोग झुलसे

महानगर संवाददाता

बांसवाड़ा। जिले के रीको इंडस्ट्रियल एरिया में गुरुवार दोपहर 2.15 बजे अवैध पटाखा गोदाम में आग लग गई और एक के बाद एक दो ब्लास्ट हो गए। आग से 14 लोग झुलस गए। दो को गंभीर हालत में उदयपुर रेफर किया गया। पति-पत्नी और चार बच्चों को बचा लिया। गोदाम में लगी आग का धुआं 5 किलोमीटर दूर शहर तक दिखाई दिया। 9 दमकलों की मदद से 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव और एसपी हर्षवर्धन अगरवाला भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हादसे में कुल 14 लोग झुलसे हैं, इनमें से 2 को उदयपुर रेफर किया गया है। अन्य सभी का इलाज बांसवाड़ा के एमजी हॉस्पिटल में चल रहा है। जानकारी मिली है कि गोदाम में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। इसी कारण आग लगने का शक है। गोदाम मालिक अशोक अग्रवाल ने सोनू सिंधी को गोदाम किराए पर दे रखा था। सोनू यहां बिना लाइसेंस के पटाखे बना रहा था। अब रीको की ओर से उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। मामले की जांच चल रही है। सख्त कार्रवाई करेंगे।

अकेला देख नाबालिग पड़ोसी ने छह साल की बच्ची से किया रेप

जयपुर (मसं.)। शिप्रापथ थाना इलाके में 6 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। घर में अकेला पाकर आरोपी नाबालिग पड़ोसी ने उसके साथ दरिंदगी की। शोर मचाने पर पकड़े जाने के डर से आरोपी भाग निकला। शिप्रापथ थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और तुरंत कार्रवाई कर आरोपी नाबालिग पड़ोसी को पकड़ लिया। मामले की जांच एडि. डीसीपी ललित शर्मा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि शिप्रापथ की रहने वाली 6 साल की बच्ची के साथ नाबालिग पड़ोसी ने रेप किया। बच्ची के माता-पिता उसे घर पर छोड़कर मजदूरी करने गए थे। पीछे से घर में मासूम को अकेला पाकर 17 साल का आरोपी पड़ोसी पहुंच गया। डरा-धमकाकर आरोपी नाबालिग पड़ोसी ने बच्ची के साथ दरिंदगी की। शोर मचाने पर पकड़े जाने के डर से वहां से भाग गया। देर शाम परिजनों के पहुंचने पर मासूम रोते हुए मिली। जैसे-तैसे चुप करवाकर पूछने पर आरोपी पड़ोसी की करतूत बताई। बच्ची के साथ रेप का पता चलने पर पुलिस कंट्रोल रूम को लोगों ने सूचना दी। शिप्रापथ थाना पुलिस ने सूचना पर पहुंचकर तुरंत शिकायत दर्ज की। पुलिस ने रेप व पोक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की। पुलिस का पता चलने पर आरोपी नाबालिग पड़ोसी घर से भाग निकला। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर देर रात ट्रेस आउट कर उसको पकड़ लिया।

आर्यिका श्रुतमति माता का सड़क हादसे में निधन

महानगर संवाददाता

फागी। आचार्य सुनील सागर महाराज से दीक्षित शिष्या आर्यिका श्रुतमति माता का गुरुवार प्रातः 7 बजे गुजरात के दाहोद के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर निधन हो गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि लापरवाह कार ड्राइवर माताजी को 300 मीटर तक घसीटता ले गया, जिससे माताजी का शरीर क्षत-विक्षत हो गया। माता के साथ विहार में साथ चल रहे एक नवयुवक का भी निधन हो गया। आर्यिका दाहोद पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव युग-प्रतिक्रमण कार्यक्रम और आचार्य सुनील सागर महाराज से मंगल मिलन के लिए मंगल विहार कर रही थी। इस दुखद घटना से फागी कस्बे के पूर्व सरपंच ताराचंद जैन, मोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, रामस्वरूप जैन मंडावरा, नेमीचंद कागला, चम्पालाल जैन, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद जैन बावड़ी, मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी, राजाबाबू गोधा, धर्म गुणामृत ट्रस्ट चकवाड़ा के मुख्य ट्रस्टी ताराचंद जैन सहित संपूर्ण जैन समाज ने दिवंगत आत्मा को नमन करते हुए मांग की है कि पद विहार करने वाले सभी जैन साधु-संतों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था करें।

मासूम पोती को डूबता देख दादा ने लगाई छलांग, दोनों की मौत

बाड़मेर (मसं.)। जिले के मानपुरा खारड़ा गांव में पोती को बचाने के लिए दादा ने टांके में छलांग लगा दी, लेकिन दोनों की पानी में डूबने से मौत हो गई। गिड़ा थाना क्षेत्र के मानपुरा खारड़ा निवासी 68 वर्षीय पूनाराम मेघवाल अपने घर के आगे बने पानी के टांके से बकरियों को पानी पिला रहे थे, तभी उनकी 5 वर्षीय पोती पुष्पा खेलती हुई पैर फिसलने से टांके में गिर गई। पोती को डूबते देख दादा ने उसको बचाने के लिए पानी के टांके में छलांग लगा दी। जिनको देखकर घर के अन्य सदस्य चिल्लाने लगे तो आस-पड़ोस को लोग दौड़कर आए और दोनों को टांके से बाहर निकालकर बाड़मेर के गिड़ा हॉस्पिटल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गिड़ा थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया और दोनों के शव गिड़ा मोर्चरी में रखवाए।

प्लॉट की बाउंड्री तोड़कर कब्जा करने वाले बदमाश गिरफ्तार

महानगर संवाददाता

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में एक प्लाट पर कब्जा करने का मामला सामने आया है। करीब 24 से अधिक बदमाश जेसीबी लेकर ममता रोज नर्सरी गोल्यावास पहुंचे और प्लॉट की बाउंड्री को तोड़ दिया। जमीन मालिक दीक्षांत सैनी को जानकारी मिली तो उसने पुलिस कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी।

घटना की जानकारी मिलने पर मुहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और 5 बदमाशों को डिटेन कर थाने लेकर गई। पुलिस को मौके पर आता देख कर अन्य बदमाश मौके से भाग निकले। पीड़त दीक्षांत सैनी ने बताया कि वह इस जमीन पर पिछले कई दशकों से रह रहे हैं। सुरेन्द्र बुलानिया नाम के व्यक्ति ने जेडीए के कर्मचारियों के साथ मिलकर जमीन के फर्जी पट्टे बनवा रखे हैं। इस संबंध में जेडीसी व डीआईजी जेडीए को शिकायत दी हुई है। उस पर जांच चल रही है। उन पट्टों को निरस्त करने पर काम चल रहा है। वहीं, आरोपी सुरेन्द्र ने बदमाश भेजकर प्लॉट की बाउंड्री तोड़ी और नर्सरी को खराब किया। इससे पहले पर बदमाशों ने प्लॉट पर कब्जा करने का प्रयास किया था। इस पर पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी गई। पुलिस के आते ही कई बदमाश मौके से भाग निकले। पुलिस ने मौके पर से अंकित देशवाल, रितिक सिंह, गिरधारी सिंह, दीपेन्द्र सिंह घासीराम को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट ले ली है। जांच की जा रही है।

दोस्त के साथ स्कॉर्पियो से रौंदा फिर एक्सीडेंट दिखाने के लिए सड़क पर फेंका शव

डेढ़ लाख की सुपारी लेकर हत्या करने वाला बदमाश गिरफ्तार

महानगर संवाददाता

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में सुपारी लेकर हत्या करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर 1.50 लाख रुपए की सुपारी लेकर एक युवक का मर्डर किया था। फिर एक्सीडेंट दिखाने के लिए शव को सड़क पर फेंक दिया था। मामले में पुलिस पहले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है। एसएचओ शिवदासपुरा बृजमोहन कविया ने बताया कि सुपारी लेकर मर्डर करने के मामले में बदमाश कान्हा सिंह जादौन उर्फ कान्हा ठाकुर पुत्र रामवीर सिंह निवासी मथुरा उत्तर प्रदेश को अरेस्ट किया है। वह मालपुरा गेट थाना इलाके में इंडिया गेट के पास किराए से रहता है। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने पिछले दिनों पिस्तौल व देसी कट्टे के साथ आरोपी कान्हा सिंह जादौन को अरेस्ट कर जेसी भेजा था। मर्डर मामले में फरारी के चलते बदमाश कान्हा सिंह पर 10 हजार का इनाम रखा हुआ था। शिवदासपुरा थाना पुलिस ने मर्डर के मामले में सुपारी किलर कान्हा सिंह जादौन उर्फ कान्हा ठाकुर को प्रोडक्शन वारंट पर अरेस्ट किया है। दरअसल शिवदासपुरा थाने में सितम्बर 2023 में कृष्ण मोहन की हत्या का मामला दर्ज किया गया था। शिवदासपुरा के बरखेड़ा गांव में रोड पर कृष्ण मोहन की लाश पड़ी मिली थी। पुलिस को प्रथमदृष्टया जांच में एक्सीडेंट में कृष्ण मोहन की मौत होना लगा। घटना स्थल की जांच-पड़ताल में मामला एक्सीडेंट नहीं मर्डर का होना सामने आया। किसी गाड़ी से रौंदकर कृष्ण मोहन की हत्या कर मर्डर को एक्सीडेंट दिखाने की कोशिश की गई थी।

नशेड़ी भाई से पीछा छुड़ाने के लिए कराई हत्या

जांच में सामने आया कि कृष्ण कुमार स्मैक पीने का आदी था। उसके नशे के आदी होने के कारण परिवार के सदस्य भी परेशान थे। कृष्ण कुमार के भाई हनुमान प्रसाद ने अपने दोस्त विजय कुमार से भाई कृष्ण कुमार के मर्डर के लिए मदद मांगी। शिवदासपुरा इलाके में स्थित एक कैफे पर आने वाले कान्हा सिंह जादौन व उसके दोस्त से बातचीत की, जिन्होंने मर्डर के लिए 1.50 लाख रुपए की सुपारी मांगी और सुपारी लेकर स्कॉर्पियो से रौंदकर कृष्ण कुमार की हत्या कर फरार हो गया। पुलिस मामले में कार्रवाई कर मृतक के भाई हनुमान प्रसाद, विजय और ब्रजभूषण को अरेस्ट किया था।

सुनसान जगह सड़क किनारे फेंककर भागे, मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

कार से ऑटोरिक्शा टकराया तो किडनैप कर वसूली रंगदारी

महानगर संवाददाता

जयपुर। हरमाड़ा थाना इलाके में किडनैप कर एक युवक से रंगदारी वसूलने का मामला सामने आया है। कार में आए बदमाशों ने युवक का किडनैप किया और रंगदारी वसूलने के बाद सुनसान जगह पर रोड किनारे फेंककर फरार हो गए। सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई कर चारों किडनैपर को अरेस्ट कर कार को जब्त किया है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

एसएचओ हरमाड़ा उदयभान ने बताया कि किडनैप कर रंगदारी वसूलने के मामले में आरोपी राकेश जाट निवासी नुआं चूरू, मुकेश जाट निवासी रतनगढ़ चूरू, रामचन्द्र जाट व मनोज कुमार जाट निवासी सरदार शहर चूरू को अरेस्ट किया है। भांकरोटा के अभिनव विहार निवासी विजय सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके ऑटो रिक्शा की टक्कर एक कार से हो गई थी। इस पर कार में सवार चार युवकों ने उनसे रुपए की मांग की। रुपए देने से मना करने पर जबरन कार में डाल किडनैप कर पलसाना सीकर ले गए। रास्ते में मारपीट कर जबरन ऑनलाइन एक हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए और सुनसान जगह रोड किनारे फेंककर किडनैपर कार से फरार हो गए। किडनैप कर रंगदारी वसूलने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली। इस सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस ने तुरंत वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। मुखबिरों की मदद से पुलिस ने किडनैपर की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की। पुलिस ने बचने के लिए किडनैपर ने अपने मोबाइल बंद कर लिए। पुलिस टीम ने दबिश देकर चारों किडनैपर को धर-दबोचा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में यूज कार को भी जब्त कर लिया।

अपराध का नया तरीका, पुलिस ने किया अलर्ट

पुलिस जांच में सामने आया कि अपराधी सड़क पर छोटे-छोटे हादसों को बहाना बनाकर वाहन चालकों से झगड़ा करते हैं और इसके बाद तुरंत मुआवजा मांगते हैं। रुपए नहीं देने पर उन्हें जबरन गाड़ी में डालकर दूर सुनसान जगह पर ले जाते हैं और उनसे जबरन वसूली कर सड़क पर फेंककर चले जाते हैं। इस तरह के मामलों से जयपुर पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और ऐसी घटनाओं की पुलिस कंट्रोल रूम को तुरंत सूचना देने की अपील की है।

जमीनों पर कब्जा करने वाला शातिर भू-माफिया गिरफ्तार

शहर में एक दर्जन से अधिक कब्जे करने और धोखाधड़ी के मामले दर्ज

महानगर संवाददाता

जयपुर। शहर की मुहाना थाना पुलिस ने जमीनों पर कब्जा करने वाले एक शातिर भू-माफिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ जयपुर शहर के मुहाना, मानसरोवर, श्याम नगर थाने में 12 से अधिक जमीनों पर कब्जा करने और धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। मुहाना पुलिस भू-माफिया देवेन्द्र सिंघल को गुरुवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया। पीड़ित आशीष निठारवाल ने बताया कि पारस नगर ग्राम मोहनपुरा मुहाना में उनके 76 से 87 और 119 से 131 तक प्लॉट हैं। जनवरी 2014 में वह प्लॉट देखने के लिए मौके पर गया। वहां पर एक व्यक्ति बैठा हुआ मिला, इसमें बताया कि उसे यहां पर देवेन्द्र सिंघल ने बैठाया है। पीड़ित ने कहा कि प्लॉट तो उसके हैं, इस पर आरोपी ने पीड़ित आशीष के साथ मारपीट की और मौके से भगा दिया। इस पर पीड़ित ने मुहाना थाने में भूमाफिया देवेन्द्र सिंघल के खिलाफ शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की।

पहले पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर

पीड़ित जून 2014 में डीसीपी कार्यालय पहुंचा और देवेन्द्र के खिलाफ शिकायत दी। इसके बाद भी मुहाना थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके बाद पीड़ित ने कोर्ट से एफआईआर दर्ज कराई। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने थाने से जांच बदल कर एसीपी सोडाला को दी। इसके बाद भी आरोपी देवेन्द्र सिंघल पर कोई एक्शन नहीं हुआ। इस पर डीसीपी ने हाल ही में एसीपी मानसरोवर को जांच दी। इस पर एसीपी मानसरोवर आदित्य ने जांच कर आरोपी देवेन्द्र सिंघल को गिरफ्तार किया। एसीपी आदित्य कांकडे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एक दर्जन से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। इस केस में जांच होने पर अपराध प्रमाणित पाया गया, जिस पर आरोपी की गिरफ्तारी की गई।

साइबर ठगों ने रिटायर्ड एक्साईएन से 11 दिन में ठगे 60 लाख

बेटे से बोले- तू समझता नहीं, सीबीआई केस हुआ है, जेल जाना पड़ेगा

महानगर संवाददाता

जोधपुर। सरदारपुरा थाना इलाके के नेहरू पार्क क्षेत्र में साइबर ठगों ने 85 साल के आरएसईबी के रिटायर्ड एक्सईएन को 11 दिन तक डिजिटल अरेस्ट करके 60 लाख रुपए की रकम ट्रांसफर करवा ली। साइबर ठगों ने बुजुर्ग को डराया कि उन्हें असली सीबीआई समझने लगे। बेटे को जब पूरे मामले की जानकारी लगी तो बोले- तू समझता नहीं है, सीबीआई केस हुआ है। इस उम्र में जेल जाना पड़ेगा। परिजनों की समझाइश के बाद बुजुर्ग थाने में एफआईआर देने को राजी हुए। पुलिस ने एफआईआर होने के बाद उनके खाते में बचे 5 लाख रुपए होल्ड करवाए। सरदारपुरा थानाधिकारी शेषकरण ने बताया कि नेहरू पार्क क्षेत्र में रहने वाले अजीतराज भंडारी आरएसईबी से सेवानिवृत्त हैं। वे जोधपुर में अकेले ही रहते हैं। उनका बेटा और बहू दिल्ली में रहते हैं। उन्होंने बेटे के साथ आकर थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि भंडारी के पास एक अनजान नंबर से वॉट्सएप कॉल आया, इसमें बात करने वाले शख्स ने खुद को सीबीआई का अफसर बताते हुए नरेश गोयल के जेट एयरवेज से जुड़े फ्रॉड केस में भंडारी के शामिल होने की बात कही। ऐसे में पूछताछ और अन्य जानकारी के लिए उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया।

पुलिस अधिकारी बता खातों में पैसों की ली जानकारी

रिपोर्ट में बताया कि इसके बाद शुरू हुए कॉल्स में एक शख्स खुद को पुलिस अधिकारी बता खातों में जमा रुपयों के बारे में जानकारी लेने लगा। अगले दिन से अज्ञात शातिरों ने बुजुर्ग को खातों में जमा राशि को जांच पूरी होने तक उनके बताए अन्य खातों में ट्रांसफर करने को कहते रहे। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी का भय दिखाने लगे। बुजुर्ग बदमाशों के झांसे में आ गए और उनके बताए अनुसार अलग-अलग खातों में कुल 60 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

मारपीट कर बनाया था युवक का अश्लील वीडियो, 42 हजार लूटकर हो गए फरार

किडनैप कर फिरौती मांगने वाली गैंग का खुलासा, तीन धरे

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रताप नगर थाना पुलिस ने गुरुवार को अपहरण और फिरौती मांगने वाली गैंग का खुलासा कर 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से एक कार भी बरामद की है। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने जयपुर सिटी सहित कई जिलों में अपहरण और फिरौती मांगना कबूल किया है। पुलिस ने हर्ष उर्फ हरिओम मीणा, ईशान उर्फ विक्रम मीणा और मनीष कुमार मेहरा उर्फ एमके को गिरफ्तार किया है। डीसीपी ईस्ट तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस थाना प्रताप नगर में गत दिनों अपहरण कर फिरौती मांगने के संबंध में रिपोर्ट दी गई। मामले की गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया। एडिशनल डीसीपी ईस्ट आशा राम चौधरी के सुपरविजन में सीआई प्रताप नगर की टीम ने वारदात करने वाले बदमाशों को पकड़ा है। पीड़ित युवक ने थाने पहुंचकर बताया कि सोशल मीडिया पर उसकी दोस्ती हर्ष नाम के युवक से हुई थी। हर्ष ने हल्दीघाटी रोड पर चाय सुट्टा कैफे पर बुलाया, जहां वह चला गया। इसके बाद उसने अपने दो दोस्तों को भी बुला लिया। हर्ष ने पीड़ित को छोड़ने के बहाने से गाड़ी में बैठा लिया। आगे जाकर गाड़ी में मारपीट और गाली गलौज शुरू कर दी। बदमाशों ने मारपीट कर उसके कपड़े खोले और उसका अश्लील विडियो भी बना लिया। इसके बाद बदमाशों ने उसके खाते से ऑनलाइन 41 हजार रुपए और जेब से नकद 900 रुपए निकाल लिए। इसके बाद बदमाश पीड़ित को इंडिया गेट पर छोड़कर भाग गए थे।

वारदात में उपयोग ली गई कार व 4 मोबाइल जब्त

पुलिस टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके बाद बदमाशों की लोकेशन ट्रेस की गई। हर्ष उर्फ हरिओम मीणा, ईशान उर्फ विक्रम मीणा व मनीष कुमार मेहरा उर्फ एमके को कुंभा मार्ग टोंक रोड प्रताप नगर जयपुर से राउण्डअप कर पूछताछ की तो उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से वारदात में उपयोग ली गई कार व 4 मोबाइल चार्जर जब्त किए गए हैं।

पारिवारिक कलह से परेशान युवक ने ट्रेन के आगे लगाई छलांग

महानगर संवाददाता

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में गृह क्लेश के चलते एक युवक ने ट्रेन के आगे छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जेएनयू हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया कि पिछले काफी दिनों से परिवार में चल रहे झगड़े से वह परेशान चल रहा था। पुलिस ने मृतक के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट मिलने की बात से इनकार किया है। हैड कांस्टेबल जगदीश मीना ने बताया कि मृतक मोहम्मद हनीफ पुत्र नूर मोहम्मद शारदा कॉलोनी जयसिंहपुरा खोर का रहने वाला था। चार दरवाजा में उसकी टेलर की शॉप थी। वह घर से बिना बताए निकला और खातीपुरा रेलवे स्टेशन से कानोता के बीच स्थित रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। ट्रेन की टक्कर लगने से शव क्षत-विक्षत हो गया। सूचना पर जीआरपी के साथ ही खोह नागोरियान थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौका-मुआवना किया तो मौके पर मृतक का क्षतिग्रस्त मोबाइल भी मिला। मोबाइल से सिमकार्ड निकालकर संपर्क करने पर मृतक की पहचान मोहम्मद हनीफ के रूप में हुई। परिजनों से पूछताछ में सामने आया है कि पिछले दो-चार दिनों से परिवार में झगड़ा चल रहा था। पारिवारिक कलह के चलते मोहम्मद हनीफ परेशान चल रहा था। पुलिस मर्ग दर्ज कर सुसाइड के कारण का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

वारदात — उत्तर प्रदेश बेचने ले जा रहे थे गौवंश, पुलिस ने नाकाबंदी कर तीन बदमाश पकड़े, दो फरार

पीछा कर रहे बजरंग दल कार्यकर्ता को गोतस्करों ने मारी गोली

महानगर संवाददाता

धौलपुर। जिले से करीब 50 किमी दूर बाड़ी के कंचनपुर इलाके में देर रात करीब 12 बजे गोतस्करों ने पीछा कर रहे बजरंग दल के कार्यकर्ता को गोली मार दी। बदमाशों की ओर से हुई फायरिंग में बाकी कार्यकर्ता बाल-बाल बच गए। हमले के बाद पुलिस ने बैरिकेड लगाकर गौवंश से भरे कंटेनर को रोक लिया, जिसमें से एक बदमाश पकड़ लिया। वहीं कंटेनर को जीप से एस्कॉर्ट कर रहे दो अन्य बदमाशों को भी पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि बाकी फरार हो गए। गौवंश को यूपी के मथुरा व हाथरस ले जाया जा रहा था। बाड़ी के कंचनपुर थाना अधिकारी फतेह सिंह ने बताया कि बुधवार रात पौने 12 बजे सूचना मिली कि बाड़ी की तरफ से एक यूपी नंबर के कंटेनर में गौकशी के लिए गौवंश को भरकर ले जाया जा रहा है। उसके आगे एक जीप चल रही थी। बजरंग दल वाले उसका पीछा कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने हॉस्पिटल तिराहे के पास नाकाबंदी की। पुलिस को देखकर करीब 250 मीटर दूर तस्करों ने कंटेनर व जीप को रोक लिया। पीछे बजरंग दल वाले आ रहे थे। दोनों तरफ से घिरा देख तस्करों ने पबेश्वरा गांव के जंगल की तरफ भागने की कोशिश की। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इनका पीछा किया तो तस्करों ने 3 राउंड फायरिंग कर दिए। गोली बंजरंग दल के कार्यकर्ता लक्की परमार के दाहिने पैर में लग गई। पुलिस ने पीछा कर कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही जीप से दो बदमाशों और कंटेनर सवार तीन तस्करों में से एक को पकड़ लिया। दो अन्य तस्कर मौके से फरार हो गए। लक्की परमार को धौलपुर के जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। दोनों वाहनों को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

मामले की जांच की जा रही है। बजरंग दल के पदाधिकारी भूरा पहलवान व समीर गोस्वामी ने बताया कि सरमथुरा रोड पर पिछले कई दिनों से कंटेनर खड़ा था। पूरा मामला देखने के बाद शक गहराया। तस्करों ने सनोरा व टोडपुरा के जंगल में आवारा घूम रहे गौवंश को कंटेनर में भर लिया। कंटेनर के चलने पर बाड़ी के रिंग रोड से कंटेनर का पीछा करना शुरू कर दिया।

तीन गाड़ियों से 18 कार्यकर्ता कर रहे थे पीछा

बजरंग दल के पदाधिकारी भूरा पहलवान व समीर गोस्वामी ने बताया कि हम 3 गाड़ियों में करीब 18 लोग थे। कंटेनर के आगे तस्करों की एक जीप भी चल रही थी। कंचनपुर थाने से करीब 5 किलोमीटर पहले पुलिस कंट्रोल रूम और थाने के एएसआई फतेह सिंह को सूचना दी। इस बीच पुलिस की नाकाबंदी में कंटेनर और जीप को पकड़ लिया गया। तस्करों ने भागने के दौरान फायरिंग कर दी, जिससे हमारा साथी लक्की परमार घायल हो गया। कंटेनर व जीप में करीब 5 तस्कर सवार थे। यूपी के हाथरस व मथुरा में ले जाकर गौवंश को बेचा जाता है।

वारदात के 14 घंटे बाद भी गिरफ्तारी नहीं दिखाई

बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि वारदात के 14 घंटे बाद तक पुलिस ने हिरासत में लिए गए बदमाशों की गिरफ्तारी नहीं दिखाई है। गोस्तकरों ने बजरंग दल के एक कार्यकर्ता को गोली भी मार दी है। इतनी संगीन वारदात के बावजूद रिपोर्ट न होना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है।

संक्षिप्त समाचार

कृषि उपज मण्डी समितियों में विकास कार्य के लिए 24 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत

महानगर संवाददाता

जयपुर। किसानों एवं व्यापारियों के लिए कृषि उपज मण्डी समितियों में अधिकाधिक सुविधाएं विकसित करने के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 24 करोड़ रुपए से अधिक राशि के विकास कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कृषि उपज मण्डी समिति लालसोट, भवानीमण्डी, देवली एवं कोटपूतली में आधारभूत ढांचा विकसित करने के लिए 7 करोड़ 27 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। साथ ही, कृषि उपज मण्डी समिति लूणकरणसर, श्रीकरणपुर, बीकानेर (अनाज), पूगल रोड (अनाज), बीकानेर, खाजूवाला, श्रीमाधोपुर, नोखा, श्रीडूंगरगढ़ एवं पदमपुर में सम्पर्क सड़कों के निर्माण कार्य के लिए 16 करोड़ 73 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। शर्मा द्वारा उक्त कार्यों पर स्वीकृत लगभग 24 करोड़ रुपए की राशि से कृषि उपज मण्डी समितियों का आधारभूत ढांचा सुदृढ़ होगा, जिससे व्यापारियों एवं किसानों को अधिक से अधिक सुविधाएं मिलेंगी। वहीं सम्पर्क सड़कों के निर्माण से किसानों एवं आमजन की मण्डी समिति तक पहुंच सुगम होगी। साथ ही, किसानों को कृषि जिन्सों के विक्रय करने में समय एवं ईंधन की बचत भी होगी।

कार्मिक विलम्ब से आए एवं बिना अनुमति अनुपस्थित रहे, तो होगी कार्रवाई

जयपुर (मसं.)। प्रदेश के राजकीय कार्यालयों में विलम्ब से आने वाले एवं बिना अनुमति अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश हैं कि सरकारी कार्यालय में आने वाले आमजन के कार्य जल्द से जल्द हों, उन्हें इसमें कोई असुविधा न हो, इसके लिए सरकारी कार्मिक निर्धारित समय पर अपनी सीट पर बैठें, समस्याओं का समाधान करें, आमजन को सरकारी योजनाओं के लाभ, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दें। इस निर्देश की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग ने विभिन्न टीमों का गठन किया है, जो निरन्तर कार्यालयों में जाकर फीडबैक ले रही है। विभाग की शासन सचिव उर्मिला राजोरिया ने बताया कि उप शासन सचिव महेन्द्र परेवा के नेतृत्व में विभागीय दल द्वारा गुरुवार को हनुमानगढ़ जिला मुख्यालय के विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं विभागों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान 92 उपस्थिति पंजिकाओं को जब्त किया गया। इनमें 21.42 प्रतिशत राजपत्रित और 13.45 प्रतिशत अराजपत्रित कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण में अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में पर्यटन के लिए केंद्र ने तीन साल में दिए 2856.62 करोड़

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रदेश में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास योजनाओं के तहत राजस्थान को पिछले 3 वर्षों में 2856.62 करोड़ राशि स्वीकृत की है। इसमे से 976.4 करोड़ धनराशि का वितरण किया जा चुका है। यह जानकारी संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में गुरुवार को एक प्रश्न के उत्तर में दी।

केन्द्र सरकार की ओर से दी गई राशि में प्रमुख रूप से तनोट कॉम्प्लेक्स, जैसलमर सेक्टर में सीमा पर्यटन के विकास के लिए सर्वाधिक 1767.66 करोड़ राशि स्वीकृत की गई, जिसमें से 883.83 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है। इसी प्रकार नवलसागर झील, बूंदी में म्यूजिकल फाउंटेन एवं वाटर स्क्रीन मल्टीमीडिया आधारित प्रोजेक्शन शो की स्थापना के लिए आईटीडीसी के माध्यम से 925.67 करोड़ राशि स्वीकृत की गई, जिसमे से 92.57 करोड़ राशि को जारी किया जा चुका है।

स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत बूंदी जिले के आध्यात्मिक अनुभव, केशवरायपाटन परियोजना के लिए 17.37 करोड़ धन राशि स्वीकृत की गई साथ ही एसएएससीआई योजना के तहत जयपुर में आमेर-नाहरगढ़ और आस-पास के क्षेत्र का विकास परियोजना के लिए 49.31 करोड़ धन राशि व जल महल, जयपुर में विकास कार्य के लिए 96.61 31 करोड़ धन राशि स्वीकृत की गई है।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए विशेष अभियान 24 मार्च तक

जयपुर (मसं.)। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदेश में राज्य क्षय अनुभाग, राजस्थान की ओर से सम्पूर्ण राज्य में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत की दिशा में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रदेश में 24 मार्च, 2025 तक संचालित होने वाले इस अभियान का उद्देश्य टीबी (क्षय रोग) उन्मूलन को गति देना, समुदाय में टीबी की समय पर पहचान, उपचार एवं रोकथाम को सुदृढ़ करना है। राज्य में इस अभियान के सफल संचालन के लिए प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के निर्देशन में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. भारती दीक्षित एवं निदेशक (जन स्वास्थ्य) ने बैठक आयोजित कर सभी संयुक्त निदेशक (जोन), मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), जिला क्षय रोग अधिकारी एवं उनकी टीम, जिला आईईसी समन्वयक सहित अन्य अधिकारियों को अभियान सफल बनाने के संबंध में निर्देशित किया है।

पंचायतों के पुनर्गठन के लिए 15 दिन और बढ़ाया समय

महानगर संवाददाता

जयपुर। प्रदेश में पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के पुनर्गठन के लिए चल रही प्रक्रिया का समय करीब 15 दिन और बढ़ा दिया गया है। पहले जिलों से ये प्रस्ताव पूरी तरह तैयार हो कर अप्रेल अंत तक आने थे। अब यह समय बढ़ा कर 15 मई कर दिया गया है। राज्य स्तर पर प्राप्त प्रस्तावों का अनुमोदन तीस मई तक करने की समय सीमा तय की गई है। राज्य सरकार द्वारा जिला कलेक्टरों के माध्यम से पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों की सीमाओं का फिर से निर्धारण कर पुनर्गठन किया जा रहा है। इसके लिए सरकार ने करीब पौने सात हजार पंचायतों के चुनाव भी टाले हैं। चूंकि यह प्रक्रिया आमजन और जनप्रतिनिधियों से मिले सुझावों के आधार पर पूरी होनी है, इसलिए पूर्व निर्धारित समय सीमा को 15 दिन तक बढ़ा दिया गया है। पंचायतराज सचिव डॉ. जोगाराम ने इसके आदेश जारी किए हैं।

अब यह होगी समय सीमा

- जिला कलेक्टरों द्वारा नई पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के प्रस्ताव तैयार करना-25 मार्च तक
- तैयार प्रस्तावों को प्रकाशित कर आपत्तियां आमंत्रित करना-26 मार्च से 25 अप्रेल तक
- प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण-26 अप्रेल से पांच मई तक
- आपत्ति निस्तारण के बाद प्रस्ताव को पंचायत राज विभाग को भेजना-6 मई से 15 मई
- राज्य स्तर पर प्राप्त प्रस्तावों का अनुमोदन-16 मई से 30 मई तक

खुशखबर: पर्यटक सुविधाओं में हो सकेगी बढ़ोतरी, आउटसोर्सिंग के जरिए दोबारा संचालित करने पर सरकार कर रही विचार

फिर से खुलेंगे आरटीडीसी के बंद होटल-मिडवे

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए आरटीडीसी के बंद 38 होटल, मिडवे और कैफेटेरिया को फिर से खोलने पर विचार किया जा रहा है। जल्द ही हाईवे पर यहां देसी-विदेशी टूरिस्ट को सुविधाएं मिलने लगेंगी और उन्हें महंगे होटलों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा।

दरअसल, विधानसभा में इस बार राजस्थान पर्यटन विकास निगम के बंद होटल और मिडवे को लेकर विधायक जसवंत सिंह यादव और मनीष यादव की ओर से सवाल पूछा गया। इस पर सरकार ने जवाब देते हुए बताया कि प्रदेश में आरटीडीसी के 69 होटल, मिडवे, कैफेटेरिया व यात्रिकाएं हैं। इनमें से 31 संचालित हैं और 38 बंद अवस्था में हैं। सरकार की ओर से बताया गया है कि निगम की इन बंद इकाइयों को आउटसोर्स पद्धति पर पुनः संचालित किए जाने की प्रक्रिया विचाराधीन है। ऐसे में सरकार के इस जवाब के आधार पर यह कहा जा सकता है कि यदि भविष्य में ऐसा होता है, तो एक बार फिर से आरटीडीसी के बंद होटल और मिडवे पर पर्यटकों का ठहराव देखने को मिलेगा। इससे प्रदेश में पर्यटकों को महंगे होटलों की तरफ नहीं देखना पड़ेगा।

बंद होने के पीछे यह बताया कारण

सरकार की ओर से राजस्थान पर्यटन विकास निगम की इकाइयों के बंद होने के पीछे कारण भी बताया गया है। इसमें मुख्य रूप से इन इकाइयों के संचालन अवधि में पर्याप्त राजस्व अर्जन नहीं करना बताया गया है। ऐसे में निरन्तर व्यावसायिक हानि कारित करने के परिणाम स्वरूप राजकीय हित में इन इकाइयों को बंद करने का निर्णय किया गया। जवाब में ये भी बताया गया है कि निगम के अधीन अन्य राज्यों में कोई सम्पत्ति स्थित नहीं है।

ये होटल-मिडवे अभी चल रहे

जयपुर में होटल गणगौर, स्वागतम, तीज और नाहरगढ़ में कैफेटेरिया पड़ाव पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं। इसके अलावा अजमेर में होटल अजयमेरू, सरोवर, पाली में पनिहारी, शिल्पी और मिडवे बर, उदयपुर में कजरी, चित्तौड़गढ़ में होटल पन्ना, राजसमंद में गोकुल, कोटा में होटल चम्बल, सवाई माधोपुर में विनायक और झूमर बावड़ी, माउंट आबू में शिखर, भरतपुर में फोरेस्ट लॉज और सारस, अलवर में टाइगर डेन सरिस्का, मीनल, लेक पैलैस सिलीसेढ़, बीकानेर में ढोलामारू, जोधपुर में घूमर, जैसलमेर में मूमल और समढाणी, झालावाड़ में गावड़ी तालाब, सीकर में होटल हवेली फतेहपुर और डूंगरपुर में रतनपुर मिडवे/होटल और कैफेटेरिया संचालित किए जा रहे हैं।

अभी आरटीडीसी के 15 होटल हैं बंद

आरटीडीसी के 38 होटल/मिडवे अभी बंद हैं, जिनमें 15 होटल हैं। इनमें जनता आवास गृह चित्तौड़गढ, पुर्जन निवास माउंट आबू-सिरोही, होटल भीलवाड़ा, होटल हनुमानगढ़, कुरजा-नागौर, खड़ताल-बाड़मेर, गवरी ऋषभदेव-उदयपुर, वृन्दावती- बूंदी, होटल झील पर्यटक ग्राम रामगढ़-जयपुर, चंद्रावती-झालावाड़, होटल झुंझुनूं, रॉयल टूरिस्ट विलेज गनहेडा पुष्कर-अजमेर, चिरमी-चूरू, होटल जयसमंद-उदयपुर और रेस्टहाउस हल्दीघाटी-राजसमंद का नाम शामिल है।

16 मिड-वे फिर से शुरू होने की उम्मीद

आरटीडीसी के मिड-वे की बात करें तो 16 मिडवे अभी बंद अवस्था में हैं। इनमें मिडवे सीकर, मेड़ता-नागौर, फलौदी-जोधपुर, बाप-जोधपुर, देचू-जोधपुर, मिडवे धौलपुर, शाहपुरा-जयपुर, मिडवे दौसा, देवगढ़-राजसमंद, पिण्डवाड़ा-सिरोही, गोगुंदा-उदयपुर, मिडवे बालोतरा-बाड़मेर, देवली-टोंक, डीग-भरतपुर, औंसिया-जोधपुर और मिडवे बहरोड़-अलवर का नाम शामिल है।

4 कैफेटेरिया और 3 यात्रिका भी होगी शुरू

प्रदेश में आरटीडीसी के 4 कैफेटेरिया, जिनमें महेन्सर-झुंझुनूं, मंडावा-झुंझुनूं, तालवृक्ष-अलवर और मैनाल चित्तौड़गढ़ हैं। इसके अलावा यात्रिका की बात करें तो कैलादेवी-करौली, सालासर-चूरू और नाथद्वारा-राजसमंद यात्रिका बंद अवस्था में हैं, जिनके फिर से शुरू होने की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि तीन कैफेटेरिया लाइसेंस फीस पर संचालित किए जा रहे हैं, इनमें अपोलो व सरोवर माउंटआबू- सिरोही में और गढ़ीसर-जैसलमेर है।

सबसे ज्यादा चर्चा में रहा बहरोड मिड-वे

सबसे ज्यादा चर्चा बहरोड़ मिड-वे की होती रही है। इसका एक कारण इसका नाम आरटीडीसी के सबसे अधिक लाभ कमाने वाली यूनिट्स में शामिल होना था। रोडवेज की दिल्ली की ओर जाने वाली बसें यहां रुकती थी, लेकिन धीरे-धीरे यहां बसों का रुकना बंद कर दिया गया। इसके बाद से ही इसकी आय कम होने लगी और घाटा बढ़ता गया। इसे बेचने की तैयारी भी कर ली गई थी, लेकिन विरोध के चलते फिर इसे टाल दिया गया था।

बड़ा सवाल : निजीकरण को मिलेगा बढ़ावा

सरकार के जवाब में आरटीडीसी की बंद इकाइयों को फिर से शुरू करने के बारे में आउटसोर्स के जरिए प्रक्रिया शुरू होना बताया गया है। ऐसे में पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि यदि निगम के जरिऐ ही इन्हें फिर से शुरू करने पर काम किया जाए, तो ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि आउटसोर्स के जरिए तो निजी होटल संचालक ही इसमें भागीदार बनेंगे। इससे पर्यटकों को उचित दामों पर सुविधाएं उपलब्ध कराना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। निजी संचालकों का उद्देश्य लाभ कमाना रहेगा।

वर्तमान में मुनाफा दे रहे होटल

सूत्रों के अनुसार जयपुर सहित प्रदेश के कई इलाकों में संचालित आरटीडीसी इकाइयां सरकार को मुनाफा दे रही हैं। औसतन देखा जाए तो आरटीडीसी के कई होटलों का राजस्व करोड़ों में है। ऐसे में यदि आरटीडीसी के जरिये ही इकाइयां शुरू होती हैं तो नुकसान होने की आशंका गलत है।

आरटीडीसी में काफी समय से नई भर्ती नहीं हुई है। इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। सरकार को हर जिले और मिड-वे पर निगम के होटल खोलने चाहिए। इसका फायदा पर्यटकों को मिलेगा, उन्हें उचित दामों पर अच्छी सुविधाएं मिलेंगी। आरटीडीसी का उद्देश्य कभी भी लाभ कमाना नहीं रहा है। यदि बंद इकाइयों को भी आरटीडीसी के समझौते के तहत शुरू करने पर विचार किया जाता है तो हमेशा साथ देने के लिए तैयार हैं।

- तेजसिंह राठौड़, प्रदेशाध्यक्ष, आरटीडीसी कर्मचारी यूनियन

शासन सचिव पशुपालन ने पत्र लिखकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के दिए निर्देश

'खुले में विचरण करते निराश्रित पशुधन की समस्या का समाधान करें जिला कलेक्टर'

महानगर संवाददाता

जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, गोपालन और मत्स्य डॉ. समित शर्मा ने कहा है कि राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर खुले में विचरण कर रहे निराश्रित पशुधन के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। अनेक बार इससे व्यक्तियों को चोट लगती है अथवा मृत्यु भी हो जाती है। कई बार पशु भी घायल होते हैं या उनकी मौत हो जाती है। यह एक गंभीर समस्या है। इस समस्या को दूर करने के लिए ऐसे पशुधन को सुरक्षित स्थानों में नियमानुसार स्थानांतरित करना बहुत आवश्यक है। इससे सड़कों पर सुरक्षा बढ़ने के साथ-साथ राजमार्गों और सड़कों पर आवागमन में भी सुविधा होगी। डॉ. शर्मा ने इस संबंध में राज्य के समस्त जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर इस समस्या के निदान के लिए कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि इन निराश्रित अथवा बेसहारा पशुधन की समस्या के समाधान के लिए स्वायत्त शासन विभाग, पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पशुपालन एवं गोपालन विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस/ यातायात विभाग, स्थानीय प्रबुद्ध समाज एवं स्वयंसेवी संगठनों आदि की भूमिका सुनिश्चित की गई है। जिला कलेक्टर्स को पत्र में जिला स्तर पर संबंधित विभागों और संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर कार्य करवाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि जिले में आवश्यकतानुसार विशेष पशुधन संरक्षण अभियान चलाकर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए निराश्रित पशुधन को यथासंभव पुनर्वासित करवाएं, संबंधित विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित करवाकर विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए उनके बीच आ रही परेशानियों को दूर करें और जिले के पशु प्रेमी, गौ प्रेमी, भामाशाहों, दानदाताओं, सीएसआर आदि के माध्यम से निराश्रित पशुओं के रेडियम बेल्ट अथवा कॉलर लगवाए जाने के लिए प्रति करें।

निराश्रित पशुओं को गौशाला-नंदी शालाओं तक पहुंचाएं

शासन सचिव ने बताया कि इन निराश्रित पशुओं को नजदीक के राजकीय सहायता प्राप्त गौशालाओं, कांजी हाउस, नंदी शालाओं तथा अन्य किसी आश्रय स्थल पर स्थानांतरित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राजकीय सहायता प्राप्त गौशालाओं द्वारा उसकी कुल क्षमता का कम से कम 10 प्रतिशत निराश्रित पशुधन आवश्यक रूप से स्वीकार करना होगा। अगर किसी गौशाला द्वारा ऐसा करने से मना किया जाता है, तो इसकी लिखित सूचना संबंधित संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग को देनी होगी। गौशाला के एक बार मना करने पर एक माह का, दूसरी बार मना करने पर दो माह का और तीसरी बार मना करने पर उस गौशाला को आगामी एक वर्ष तक सहायता राशि से वंचित रखने की कार्यवाही की जाएगी।

जेडीए की पीडब्ल्यूसी की बैठक में 115 करोड रुपए के कार्य स्वीकृत

जयपुर के विकास को मिलेगी गति

महानगर संवाददाता

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से जयपुर शहर के आधारभूत विकास के मद्देनजर विभिन्न विकास कार्यों के लिए गुरुवार को जेडीए की पीडब्ल्यूसी की बैठक में करीब 115 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया।

जेडीए आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्वीकृत हुए बजट से जयपुर शहर के विकास को गति मिलेगी। इसके अलावा बैठक में जोन-11 के क्षेत्राधिकार में स्थित ग्राम नेवटा तहसील सांगानेर के ख.न. 1370, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1409 व ग्राम खटवाड़ा, तहसील सांगानेर के ख.नं. 1104, 1105, कुल रकबा 20.74 है, जिसके लिए भूमि पर आवासीय योजना के मानचित्र का अनुमोदन किया गया।

इन कार्यों के लिए हुआ 115 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत

- जोन-8 में वेस्ट-वे हाइट जेडीए योजना में विभिन्न विकास कार्यों के लिए के लिए 7.24 करोड़
- इसी जोन में अनुमोदित कॉलोनियों में आंतरिक सड़कों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए 7.06 करोड़ रुपए
- जोन-13 में विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 19.50 करोड़
- पीआरएन साउथ में सेक्टर एच-1 एवं 3 की आंतरिक सड़कों पर बीसलपुर पाइप लाइन के लिए पीएचईडी द्वारा किए गए रोड कट के नवीनीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए 18.76 करोड़ रुपए
- जयपुर के निकट हाईटेक सिटी के समग्र विकास के लिए कंसल्टेंसी कार्य के लिए 10 करोड़ रुपए
- जोन-14 में वाटिका रोड से हरित विहार वाया स्टेडियम सेक्टर रोड के निर्माण कार्य के लिए 8.69 करोड़ रुपए
- पीएचईडी जोन-1,2,5,6,9,10,11 एवं एयरपोर्ट क्षेत्र के लिए जगतपुरा, प्रतापनगर एवं महल रोड क्षेत्र में बीसलपुर जलापूर्ति परियोजना के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के लिए 5.26 करोड़ रुपए
- जगतपुरा (जोन-4 क्षेत्र के लिए वितरण प्रणाली) के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के लिए 8.66 करोड़ रुपए
- पीएचईडी द्वारा काटी गई सड़क की मरम्मत कार्य के लिए 12.72 करोड़ रुपए
- जगतपुरा (जोन-7 से 9 के लिए वितरण प्रणाली) में काटी गई सड़क की मरम्मत कार्य के लिए 12.09 करोड़ रुपए
- जोन-1 में एनएनजे क्षेत्र में एमआई रोड (पांच बत्ती से सांगानेरी गेट) एवं अशोक मार्ग (भगवान दास रोड से टोंक रोड) के नवीनीकरण कार्य के लिए 4.47 करोड़ रुपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।

'उपचार' की सुध — चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने जोधपुर के प्रमुख अस्पतालों का किया औचक निरीक्षण

'प्रत्येक मरीज को समय पर मिले बेहतर चिकित्सा सुविधा'

महानगर संवाददाता

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्रसिंह खींवसर ने गुरुवार को जोधपुर के प्रमुख अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया, जिसमें मथुरादास माथुर अस्पताल और महात्मा गांधी अस्पताल शामिल थे। अस्पतालों की विभिन्न इकाइयों के गहन निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं को समझा और इनके समाधान के लिए अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने मथुरादास माथुर अस्पताल के आपातकालीन विभाग, आईसीयू-डी रेड जोन, ट्रोमा कैजुअल्टी वार्ड और मल्टी-लेवल आईसीयू वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने टेलीमेडिसिन सेवाओं की जानकारी ली और अस्पताल में वायु परिसंचरण को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

मरीजों से किया संवाद, व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा

मंत्री खींवसर ने निरीक्षण के दौरान बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं से व्यक्तिगत रूप से बात की और अस्पताल में उन्हें हो रही किसी भी प्रकार की परेशानी के बारे में जानकारी ली। आईसीयू रेड जोन वार्ड में एक दुर्घटनाग्रस्त बच्चे के उपचार की जानकारी लेते हुए उन्होंने दुर्घटना करने वाले के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वरिष्ठ चिकित्सकों से प्रमुख मुद्दों पर चर्चा

प्रिंसिपल एवं कंट्रोलर बीएस जोधा के कक्ष में आयोजित बैठक में मंत्री ने वरिष्ठ चिकित्सकों से अस्पताल से जुड़े प्रमुख मुद्दों, बजट संबंधित समस्याओं, दवाइयों की उपलब्धता और राजस्व सृजन के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि अस्पताल में फूड कोर्ट शुरू किए जाएं, जहां स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि अस्पताल के राजस्व में वृद्धि की जा सके। साथ ही मेडिकल छात्रों के लिए भोजन की स्वच्छता व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर भी चर्चा की गई।

महात्मा गांधी अस्पताल में विशेष इकाइयों का अवलोकन

मंत्री खींवसर ने महात्मा गांधी अस्पताल के एमआरआई सेक्शन, इंटेंसिव केयर यूनिट और क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण किया। डॉग बाइटिंग वार्ड में जाकर उन्होंने श्वानों के काटने के बढ़ते मामलों की गंभीरता के बारे में जानकारी ली और सड़क दुर्घटनाओं के वार्ड का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, निदेशक (जन स्वास्थ्य) डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, निदेशक (अराजपत्रित) राकेश शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सक एवं अधिकारीगण मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गोपाल शर्मा द्वारा 2, सहकार मार्ग, ज्योतिनगर, लालकोठी, जयपुर-15 से प्रकाशित एवं महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, जी-848, फेज-3, रीको सीतापुरा, जयपुर से मुद्रित। संपादक: गोपाल शर्मा, संपादकीय प्रभारी: जिज्ञासु शर्मा*। फोन: 0141-2741076, 2741077 * पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। e-mail : mahanagarmarketing@gmail.com * आर.एन.आई. 67873/97/ पोस्टल रजिस्ट्रेशन नम्बर-JaipurCity/008/2023-25